GIRLS NOT BRIDES | The Global Partnership to End Child Marriage

युवा हो, साहसी हो,
तो राह दिखाओ उठो, अपनी आवाज़ उठाओ!

बाल विवाह को समाप्त करने के लिए : युवा प्रक्षिशण पाठ्यक्रम

प्रशिक्षक का मैनुअल

Acknowledgements

We would like to thank all *Girls Not Brides* member organisations, staff and expert consultants in the field who helped contribute to the development of this manual.

Cover photo © Allison Joyce / *Girls Not Brides*

Translation by Crystal Hues

Proofing by Mr. Yogesh Vaishnav, Vikalp Sansthan and Co-Convenor, Girls Not Brides Rajasthan

Design by www.alikecreative.com

Illustrations by Ariadna Vásquez

युवा हो, साहसी हो,
तो राह दिखाओ उठो, अपनी आवाज़ उठाओ!

बाल विवाह को समाप्त करने के लिए : युवा प्रक्षिशण पाठ्यक्रम

प्रशिक्षक का मैनुअल

इस काम में हमारा हर छोटे-से-छोटा कदम बदलाव लाएगा और हमें बाल विवाह ख़त्म करने के हमारे लक्ष्य के और करीब ले जाएगा।

हम अकसर लोगों को कहते हुए सुनते हैं कि, "युवा भविष्य के नेता हैं" और "युवाओं को नेतृत्व करने का मौका मिलना चाहिए"। मुझे पता है कि युवा पहले से ही नेतृत्व कर रहे हैं। गर्ल्स नॉट ब्राइड्स के एक-तिहाई से अधिक सदस्य संगठनों का नेतृत्व युवा कर रहे हैं, जो कमाल की बात है। इसका मतलब ऐसे संगठनों से है जहाँ दिन-प्रतिदिन का प्रबंधन करने, फ़ैसले लेने और किसी भी नागरिक समाज संगठन का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने वाली अन्य गतिविधियाँ युवाओं के हाथों में हैं। यह आँकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि युवा पहले से ही अपने-अपने समुदायों में बदलाव की नेतृत्व कर रहे हैं। इसके बावजूद, उनके काम को अकसर वह मान्यता या श्रेय नहीं मिलता है जिसका वह हक़दार है, या फिर उनकी बात सुनी नहीं जाती है।

यही कारण है कि मैं इस प्रशिक्षण को लेकर इतनी उत्साही हूँ। युवा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर तैयार किया गया यह प्रशिक्षण, दुनिया भर में बाल विवाह ख़त्म करने में युवाओं की भूमिका को और बढ़ाने एवं उसको मजबूत करने में मदद करेगा । इसमें युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए ऐसी ऊर्जावान और मज़ेदार विधियाँ तथा रणनीतियाँ हैं, जिनकी मदद से वे अपने-अपने समुदायों में बदलाव ला सकते हैं। युव ऐसे शक्तिशाली कार्य कर रहे हैं, इसके लिए उनकी राष्ट्रीय-स्तर की प्रक्रियाओं में स्थान और भूमिकाएं सुनिश्चित होनी ही चाहिए। को खत्म करनेबालविवाह को ख़त्म करने के लिए कौनसी नीतियों की जरुरत है, ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय युवाओं को उचित स्थान देने की जरुरत है. क्योंकि उनके बिना लिए गए निर्णय अप्रभावी होंगे और हमको वो बदलाव नहीं दिखेंगे जिनकी हमें अपेक्षा है.

फ़ोटो क्रेडिट : विमेन ऑफ़ द वर्ल्ड

मुझे अपने अनुभव से पता है कि कैसा लगता है जब आपका सामना ऐसे लोगों से होता है जो आपकी राय लिए बिना आपके भविष्य से जुड़ा निर्णय लेना चाहते हैं। ऐसे लोग जो यह सोचते हैं कि आपकी ज़िंदगी को केवल एक रास्ता पकड़ना चाहिए या वह केवल एक रास्ते पर जा सकती है, और वह है बचपन में ही शादी कर लेना।

जब हमारे मूल देश अफ़गानिस्तान में रहने वाले मेरे भाई ने शादी करने का फ़ैसला लिया तब मैं तेहरान में एक शरणार्थी के रूप में रह रही थी। मेरे परिवार को पैसा जुटाना था ताकि वह अपने लिए एक दुल्हन खरीद सके। उन्होंने वह पैसा जुटाने के लिए मुझे शादी के लिए बेचने का फ़ैसला किया। मैं तो जैसे तहस-नहस हो गई। यह तो वह ज़िंदगी नहीं थी जो मैं अपने लिए चाहती थी। मैं स्कूल जाना चाहती थी। मैं किसी की ज़ायदाद नहीं थी कि मुझे खरीदा और बेचा जाए। मैं वहाँ वापस लौटकर ग़ुलामी की ज़िंदगी जीने की सोच भी नहीं सकती थी। तो मैंने विद्रोह स्वरूप एक गाना लिखा। मैंने उसे नाम दिया बेटियाँ बिकाऊ हैं (Daughters for Sale) और एक दोस्त की मदद से उसका म्यूज़िक वीडियो बनाकर यूट्यूब पर डाल दिया। वह वीडियो वायरल हो गया! दुनिया भर से लोगों ने मुझसे संपर्क किया और उनमें से कुछ कमाल के लोगों की मदद से मुझे अमरीका आकर रहने का मौका मिला। आज़ पहली बार मैं एक असली स्कूल में हूँ, और मुझे उम्मीद है कि मुझे अपना भविष्य खुद चुनने का मौका मिलेगा। हालांकि मेरी ज़िंदगी कई तरह से बदली है, पर एक चीज़ है जो सबसे मुख्य बनी हुई है : बाल विवाह को ख़त्म करने के लिए एक कार्यकर्ता के रूप में मेरी भूमिका।

तो मैं - एक युवा के तौर पर, एक कार्यकर्ता की हैसियत से और गर्ल्स नॉट ब्राइड्स की एक ग्लोबल चैम्पियन की हैसियत से - आपसे कहती हूँ कि इस मैनुअल का उपयोग कीजिए और उम्मीद और ताक़त फ़ैलाइए। इस काम में हमारा हर छोटे-से-छोटा कदम बदलाव लाएगा और हमें बाल विवाह ख़त्म करने के हमारे लक्ष्य के और करीब ले जाएगा। कृपया सभी जातियों, धर्मों, देशों, नस्लों, लिंग और विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों को शामिल करने के लिए उनके साथ काम कीजिए और उनका हौसला बढ़ाइए, क्योंकि जब हम सब साथ मिलकर काम करेंगे तभी हम बाल विवाह को ख़त्म कर सकेंगे। मुझे यकीन है कि हम यह कर सकते हैं। धन्यवाद।
सोनिता अलीज़ादेह

युवा कार्यकर्ता और गर्ल्स नॉट ब्राइड्स की ग्लोबल चैम्पियन

Photo © Lucia / Unsplash

विषय सूची

परिचय 8

शुरुआत के लिए तैयार हो जाइए 12

मॉड्यूल 1: बाल विवाह क्या है? – बुनियादी बातें 18

मॉड्यूल 1 - सत्र 1: आइए साथ मिलकर काम करें 20

1.1 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका 21

1.2 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका 27

मॉड्यूल 1 - सत्र 3: बाल विवाह – दुष्परिणाम और रोकथाम 36

1.3 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका 37

मॉड्यूल 2 – अपने समुदाय में बाल विवाह पर शोध करना 44

मॉड्यूल 2 - सत्र 1: लैंगिक छानबीन/ जेंडर 46

2.1 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका 47

मॉड्यूल 3: कदम उठाइए - एडवोकेसी रणनीति विकसित करना 60

मॉड्यूल 3 - सत्र 1: लक्ष्य एवं उद्देश्य 62

3.1 आपकी प्रशिक्षक मार्गदर्शिका 63

मॉड्यूल 3 - सत्र 2: एडवोकेसी रणनीति तैयार करना 68

3.2 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका 69

मॉड्यूल 4: साथ मिलकर हम अधिक शक्तिशाली हैं! 84

मॉड्यूल 4 - सत्र 1: सक्रियता का जोख़िम भरा पहलू 86

4.1 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका 87

मॉड्यूल 5: प्रगति की निगिरानी करना, साझा करना और सीखना 96

5.1 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका 99

परिचय

गर्ल्स नॉट ब्राइड्स दुनिया भर के 95 देशों के 900 से भी अधिक सामाजिक संगठनों की एक विश्व स्तरीय साझेदारी है जो बाल विवाह को ख़त्म करने और लड़कियों को पूरी तरह सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सबका यह दृढ़ विश्वास है कि हर लड़की को अपनी पसंद की ज़िंदगी जीने का अधिकार है और बाल विवाह ख़त्म करके हम सभी के लिए एक अधिक सुरक्षित, अधिक सेहतमंद/स्वस्थ्य और अधिक संपन्न भविष्य हासिल कर सकते हैं। गर्ल्स नॉट ब्राइड्स के सदस्य साथ मिलकर अधिक मज़बूत हैं, और वे बाल विवाह ख़त्म करने के हमारे विज़न और मिशन को हासिल करने के लिए कई स्तरों पर काम करते हैं। वे पूरी दुनिया का ध्यान बाल विवाह के मुद्दे की ओर खींचने में, बाल विवाह ख़त्म करने के लिए क्या-कुछ चाहिए होगा इसकी समझ विकसित करने में, और राष्ट्रीय एवं सामुदायिक स्तर पर कानूनों, नीतियों और कार्यक्रमों में प्रगतिशील बदलाव की मांगें उठाने में मदद करते हैं; ये सभी वे कार्य हैं जो करोड़ों लड़कियों की ज़िंदगियों में बदलाव लाएंगे।

चैम्पियन हैं युवा

गर्ल्स नॉट ब्राइड्स: बाल विवाह ख़त्म करने की वैश्विक साझेदारी, हमें गर्व है कि हमारे सदस्य संगठनों में से लगभग एक-तिहाई युवा कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हमारे ऐसे सदस्य संगठनों की संख्या और भी अधिक है जो कार्यक्रमों और परियोजनाओं के जरिए युवाओं के साथ क़रीब से काम करते हैं और उन्हें अपना भविष्य खुद बनाने के लिए सशक्त करते हैं। हमारा मानना है कि युवाओं की निरंतर और सक्रिय भागीदारी के बिना हम बाल विवाह ख़त्म करने का अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर सकेंगे।

और हमारी इस सोच के पीछे के निम्न कारण हैं-

- युवा बदलाव के शक्तिशाली कारक हैं। बाल विवाह से सबसे सीधे तौर पर युवा ही प्रभावित होते हैं और यह आवश्यक है कि उनकी बात सुनी जाए। वे इस बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे के बारे में जागरुकता फैला सकते हैं और अपने समुदायों को लड़कियों, उनके परिवारों और समुदायों के लिए इसके जो दुष्परिणाम हैं उन्हें समझने में मदद दे सकते हैं।
- बाल विवाह ख़त्म करने की कोशिशों में युवाओं को नहीं जोड़ पाने का मतलब बड़े पैमाने पर नतीजे हासिल करने का मौका हाथ से निकल जाना। ऐसे बहुत से देशों में, जहाँ बाल विवाह की दर अधिक है, वहां युवा आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा हैं। उदाहरण के लिए, युगांडा में लगभग आधी आबादी 24 साल से कम उम्र की है, वहीं भारत में 20 करोड़ से अधिक युवा हैं।
- युवाओं की भागीदारी सामुदायिक स्तर पर बाल विवाह को खत्म करने का एक प्रभावी और महत्वपूर्ण तरीका है। हमारा अनुभव बताता है कि जब-जब युवा बदलाव के सक्रिय प्रेरक बने हैं, तब-तब उन्होंने अपने समुदायों में बहुत-सी सफलताएं हासिल की हैं। इसमें हस्तक्षेपों और कार्यक्रमों की पहुँच और स्तर को बढ़ाना, और विभिन्न समूहों को, ख़ासतौर पर हाशिये पर मौजूद समूहों को जोड़ना शामिल है।
- युवाओं का जुडाव कार्यवाही और नीतिगत मांगों को अधिक साहसी और अधिक रचनात्मक बना सकती है। युवाओं के साथ काम करने से ऐसे "बंद" नीतिगत स्थान खुल सकते हैं जिन्हें केवल प्रभावी लोगों की पहुँच में माना जाता है।

हमने यह एडवोकेसी प्रशिक्षण मैनुअल क्यों बनाया और इसका उद्देश्य क्या है?

बहुत से गर्ल्स नॉट ब्राइड्स सदस्य अपने समुदायों में और अपने कार्यक्रमों के जरिए बाल विवाह से संबंधित मुद्दों के हल तलाशने के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करते हैं और उनके साथ काम करते हैं। पर सदस्यों ने हमें बताया कि उन्हें एक सरल, प्रभावी और युवाओं के अनुरूप बनाए गए प्रशिक्षक मैनुअल की ज़रूरत थी जो इस बारे में मार्गदर्शन दे कि युवाओं को उनके समुदायों में बाल विवाह के विरुद्ध एकजुट करने के लिए किस प्रकार प्रशिक्षित किया जाए। इस ज़रूरत को पूरा करने के लिए हमने आपके लिए यह प्रशिक्षण मैनुअल बनाया है- और हमने यह काम हमारे युवा एडवोकेट्स और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर किया है। इस मैनुअल का लक्ष्य है:

1. सहयोगी प्रशिक्षकों (युवा और वयस्क, दोनों) को युवाओं के समुदायों में बाल विवाह से संबंधित मुद्दों पर एडवोकेसी के लिए युवाओं को प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन और सहयोग देना है। जब हम युवाओं की बात करते हैं तो आमतौर पर हम 15 से 24 साल के युवा लोगों की बात कर रहे होते हैं। इसमें कई समूह शामिल हैं : युवा महिलाएँ और पुरुष, दोनों, वे जो बाल विवाह करने से बच गए हैं, वे जो बाल विवाह के जोख़िम में हैं, और वे जिनका विवाह कराया जा चुका है या जिन्होंने विवाह कर लिया है। यह प्रशिक्षण ले रहे युवाओं के पास युवाओं के साथ काम का या प्रशिक्षण का थोड़ा अनुभव होना चाहिए।
2. युवा कार्यकर्ता अपने देशों और समुदायों में बाल विवाह के मुद्दों पर कैसे काम करें इस संबंध में उन्हें उत्साहजनक संसाधन और अभिनव मार्गदर्शन प्रदान करना।
3. युवाओं के नज़रिये पर आधारित रहें। यह टूलकिट कई लोगों द्वारा बनाई गई है, जिसमें गर्ल्स नॉट ब्राइड्स के सदस्य, युवा एडवोकेट्स, बाहरी परामर्शदाता और गर्ल्स नॉट ब्राइड्स का स्टाफ़ शामिल है। यह सच में बहुत महत्वपूर्ण है कि युवा महिलाओं और पुरुषों के लिए जो भी संसाधन हो उसे उनके द्वारा ही आकार दिया जाए।
4. प्रेरित कीजिए! विभिन्न प्रकार की पद्धतियों के और दुनिया के विभिन्न भागों से उदाहरण साझा करके हम आशा करते हैं कि हम आपको यह दिखा सकते हैं कि दूसरे लोग अपने-अपने समुदायों में बाल विवाह के मुद्दे का हल किस प्रकार निकाल रहे हैं।

यह प्रशिक्षण मार्गदर्शिका किसके लिए है?

इस मैनुअल में दी गईं सत्र रूपरेखाएँ और मार्गदर्शन 15 से 24 साल के युवाओं के लिए है। हमने उन लोगों पर फ़ोकस किया है जो दूसरे युवाओं के साथ उनके समुदायों में बाल विवाह से संबंधित मुद्दों पर काम करते हैं। हमें यह आशा भी है कि यह उन अन्य गर्ल्स नॉट ब्राइड्स सदस्यों के लिए भी एक उपयोगी मार्गदर्शिका सिद्ध होगी जो बदलाव के प्रेरक बनने के लिए युवाओं के साथ काम करते हैं और उनका सहयोग करते हैं। दातागण, नीति निर्माता और अन्य सामाजिक संगठन भी इसे उपयोगी पाएंगे क्योंकि यह इस बारे में मार्गदर्शन और अनुशंसाएँ प्रदान करती है कि बाल विवाह को खत्म करने के लिए युवाओं को किस प्रकार जोड़ा जाए। इसमें लिखी केस स्टडीज से उन मुख्य सीखों की रूपरेखा मिलती है जिनसे आपके कार्य में मदद मिल सकती है।

हम आशा करते हैं कि जब आप वे सत्र योजनाएँ प्रयोग कर चुके होंगे जिनकी रूपरेखा इस मैनुअल में दी गई है और युवाओं के साथ प्रशिक्षण सत्र संचालित कर चुके होंगे, तो इस कार्यक्रम से आप जिन युवाओं के साथ काम करते हैं उन्हें निम्नांकित हासिल करने के लिए सशक्त बनाने में मदद मिलेगी :

जब आप इस मैनुअल में दी गई रुपरेखा का उपयोग करेंगे और युवाओं का प्रशिक्षण करेंगे तो हम आशा करते है कि यह कार्यक्रम उन युवाओं को सशक्त करने में मदद करेगा जिनके साथ आप निम्नलिखित काम करते हैं -

- यह समझाना कि बाल विवाह क्या है, इसके क्या कारण हैं, इसके क्या प्रभाव हैं, और इसकी रोकथाम कैसे की जा सकती है।
- बाल विवाह ख़त्म करने से संबंधित अपनी एडवोकेसी के लिए शोध करना।
- उनके एडवोकेसी और जागरुकता प्रसार के कार्य के लिए, और वे जो कार्य कर रहे हैं उसके और बाल विवाह के मुद्दे के बारे में संवाद कैसे करना है इसके लिए, एक सरल और स्पष्ट रणनीति बनाइए।
- यह समझना कि एक-दूसरे के सहयोग के लिए नेटवर्क कैसे बनाएँ, और उद्देश्य में मदद कर सकने वाले महत्वपूर्ण एडवोकेसी लक्ष्यों को प्रभावित कैसे करें।
- एडवोकेसी और अभियान चलाने के कार्य से जुड़े जोख़िमों को और, उनके कार्य के कारण जो भी संभावित जोख़िम हों उनका मुकाबला कैसे करना है यह समझना।
- अपने कार्य का मूल्यांकन करना सीखना, और यह देखने एवं दिखाने में समर्थ बनना कि वे किस प्रभाव को हासिल करने के लिए मदद कर रहे हैं।
- बाल विवाह के मुद्दे पर कार्य करने के विभिन्न तरीकों के बारे में सीखना, और अन्य संगठनों या देशों से सीखे गए पाठों और सफल एडवोकेसी के उदाहरणों का उपयोग करने में समर्थ बनना।

इस प्रशिक्षण पैक का उपयोग कैसे करें

उठो, अपनी आवाज़ उठाओ! प्रशिक्षक मैनुअल में पाँच मॉड्यूल हैं जिनका हम साथ मिलकर अध्ययन करेंगे। प्रत्येक मॉड्यूल में शामिल हैं :

- संपूर्ण प्रशिक्षण के प्रत्येक सत्र की रूपरेखा।
- प्रशिक्षण से पहले आपको जो चीजें तैयार करनी होगीं - इनमें खेल, प्रस्तुतियाँ, यहाँ तक कि प्रत्येक सत्र के लिए आपकी स्टेशनरी संबंधी ज़रूरतें (जैसे पेन और कागज़) भी शामिल हैं।
- प्रत्येक गतिविधि के लिए आवश्यक समय, और प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र के लिए समूह का आकार।
- प्रत्येक सत्र कैसे संचालित करें इसकी विस्तृत, चरण-दर-चरण योजना : जिसमें एक स्पष्ट योजना, समय और सत्र प्रबंधन का तरीका शामिल हैं।
- प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र की विषय-वस्तु पर सभी प्रशिक्षकों के लिए एक विस्तृत मार्गदर्शिका : जिसमें ऊर्जावान करने वाली चीजें, और समूह के सामने क्या प्रस्तुत किया जाए इस बारे में जानकारी और सुझाव शामिल हैं।

विभिन्न मॉड्यूलों के अंदर प्रत्येक सत्र को तीन भागों में बाँटा गया है।

- पहले भाग में सत्र की रूपरेखा है : उद्देश्य, आवंटित समय और पहले से जो तैयारियाँ आवश्यक हैं।
- दूसरे भाग में प्रशिक्षण में कवर की जाने वाली सभी गतिविधियों का एक चरण-दर-चरण कार्यशाला सत्र प्रस्तुत किया गया है।
- तीसरा और अंतिम भाग प्रशिक्षक के लिए एक विस्तृत मार्गदर्शिका है : इसमें वह सारी जानकारी है जो आपको चर्चा के बिंदुओं पर जाननी चाहिए, आपकी प्रस्तुतियों के लिए सुझाव हैं, और अपने समूह के साथ खेलने के लिए कुछ ऊर्जावान खेल हैं। प्रशिक्षक होने के नाते, यह सुनिश्चित कीजिए कि आप इस महत्वपूर्ण अनुभाग को ध्यान से पढ़ें और समझें, क्योंकि इससे आपको अपने सत्रों को, और अपने साथियों से आप जो जानकारी साझा करेंगे उसे, आकार देने में मदद मिलेगी।

हमारा सुझाव है कि आप प्रत्येक मॉड्यूल का अध्ययन उसी क्रम में करें जिस क्रम में हमने यहाँ उन्हें प्रस्तुत किया है, ताकि आपके समूह को मुद्दों की, और वे सही तरीके से साथ कैसे जुड़ते हैं इसकी, एक विस्तृत समझ मिले – परन्तु आप चुन सकते हैं कि आपके लिए क्या सबसे अच्छा है।

अतिरिक्त संसाधन

समूह के लिए प्रस्तुतियाँ

हम जानते हैं कि आपके पास इंटरनेट, प्रोजेक्टर या लैपटॉप की, यहाँ तक कि इन सत्रों के आयोजन के लिए किसी औपचारिक स्थान की उपलब्धता हो भी सकती है और नहीं भी - चिंता मत कीजिए! आप युवाओं को कहीं भी प्रशिक्षित करने में मदद कर सकते हैं और इन सत्रों के आयोजन के लिए आपके पास औपचारिक उपकरण होने ज़रूरी नहीं हैं। हमने ऐसे कुछ मुख्य बिंदु रेखांकित किए हैं जिन्हें कंप्यूटर पर प्रस्तुत किया जा सकता है या फिर किसी बड़े से कागज़ पर लिखा जा सकता है। ये 'उदाहरण' प्रस्तुतियाँ इस बात के सुझाव हैं कि आपको अपने समूह के साथ कौन-कौनसी जानकारी साझा करनी चाहिए, और इन्हें पूरी प्रशिक्षक मैनुअल में रेखांकित किया गया है, ताकि जब आप अपने सत्र संचालित करें तो आपको तैयारी में मदद मिले। बेहिचक इनका उपयोग कीजिए, इनमें बदलाव कीजिए, या आपके विचार में जो जानकारी के बिंदु आपके समूह के लिए सबसे अधिक अर्थ और महत्व रखते हैं उन्हें जोड़िए। प्रशिक्षण के दौरान, प्रस्तुति उदाहरणों में वर्णित कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों और व्याख्याओं को सत्रों में लगातार नज़रों के सामने रखना - जैसे किसी दीवार पर टाँग देना - उपयोगी है, जिससे लोग उन्हें बार-बार पढ़कर याद कर सकते हैं।

Photo © Abdullah al Kafi / Girls Not Brides

सहभागी मार्गदर्शिका

हमने आपके समूह के लिए एक मार्गदर्शिका (एक 'पाठ्य पुस्तक') भी तैयार की है। इसमें वह सारी जानकारी है जो आप प्रत्येक सत्र में कवर करेंगे, वह जानकारी आपके प्रशिक्षण समूह के सहभागियों के लिए स्पष्ट रूप से वर्णित है। इससे उन्हें आपके सत्रों में आपके साथ-साथ चलने में मदद मिलेगी, जो जानकारी उन्होंने कवर की है उस पर विचार करने के लिए यह एक उपयोगी संसाधन सिद्ध होगी, आपने अपने प्रशिक्षण में जो बिंदु रखे थे उन्हें दोबारा पढ़ने और याद करने में उन्हें मदद मिलेगी, और जैसे-जैसे वे अपना सक्रियता कौशल विकसित करेंगे और अपनी एडवोकेसी की आवाज़ मज़बूत करेंगे तब इससे उन्हें दीर्घकालिक मदद भी मिलेगी। इस पैक में अभ्यास और समूह कार्य के लिए खाली टेम्प्लेट और तालिकाएँ भी हैं जो आप उनके साथ विभिन्न सत्रों में प्रयोग करेंगे।

हमारा सुझाव है कि आप अपने समूह के प्रत्येक सहभागी के लिए एक कॉपी प्रिंट कर लें ताकि वे भविष्य में, जब वे अपना सक्रियता कार्य शुरू करें, या यदि उन्हें प्रशिक्षण में सीखी जानकारी दोहराने की ज़रूरत पड़े, तो वे उस कॉपी से मदद ले सकें। मार्गदर्शिका में उन अन्य स्थानों के लिंक और सुझाव भी हैं जहाँ वे कुछ विषयों के बारे में अधिक जानकारी पा सकते हैं। इसमें ऐसी कहानियाँ और उदाहरण भी हैं जो उन्हें यह दिखाने में मदद कर सकते हैं कि कैसे दूसरों ने एडवोकेसी का कार्य किया है और वे बाल विवाह को खत्म करने हेतु बदलाव की मांग करने वाले मजबूत कार्यकर्ता बन गए हैं। हमें आशा है कि ये आपके समूह के सदस्यों के लिए बड़ा बदलाव कैसे हासिल किया जाए इस बारे में प्रेरणा का कार्य करेंगे।

याद रखने के लिए एक आख़िरी महत्वपूर्ण चीज

आपके समूह, आपके समुदाय और आपके देश को सबसे अच्छी तरह आप जानते हैं, इसलिए यह आपको पता होगा कि आपके लिए और आपके साथ काम करने वाले युवाओं के लिए क्या सबसे अच्छा है। कृपया हमारी सुझाई गईं सत्र योजनाओं को अवश्य ढालें और बदलें ताकि आप मैनुअल और जानकारी का अध्ययन उस गति से करें जो आपके लिए और आपके समूह के लिए सबसे उपयुक्त हो, जिससे कि प्रशिक्षण, आपकी ज़रूरतों को पूरा कर सके।

शुरुआत के लिए तैयार हो जाइए
प्रशिक्षकों के लिए आवश्यक पठन

प्रशिक्षक क्या होता है और आप क्या करते हैं?

"प्रशिक्षक", समूह का मार्गदर्शक, सलाहकार, या चर्चा नायक होता है। प्रशिक्षक पहले से चीजें तैयार करता है और उस पर समूह में मुख्य जानकारी साझा करने की और चर्चाओं का नेतृत्व करने की ज़िम्मेदारी होती है। इस भूमिका के लिए कई नाम हैं, और अकसर इसे सुकारक (फ़ेसिलिटेटर) कहा जाता है - पर हम 'प्रशिक्षक' शब्द का उपयोग कर रहे हैं। प्रशिक्षक कार्यशाला या कार्यशालाओं की शृंखला संचालित करने की प्रक्रिया, बहुत अधिक नियंत्रण किए बिना नेतृत्व प्रदान करने का, और सहभागियों को मुद्दों के बारे में सीखने एवं अपनी खुद की समझ विकसित करने में मदद देने का एक तरीका है। प्रशिक्षक पहले से तैयारी करता है और कार्यशाला या प्रशिक्षण सत्र में विषय-वस्तु तथा प्रक्रिया पर नेतृत्व में मदद करता है। आप जो विषय-वस्तु कवर करेंगे उसमें कार्य (टास्क), विषय-बिंदु (टॉपिक) और वे समस्याएँ शामिल हैं जिन्हें आप हल करना चाहते हैं। "प्रक्रिया" का अर्थ है कि किसी समूह सत्र में किस प्रकार चीजों की चर्चा की जाती है और उन्हें साझा किया जाता है, इसमें विधियाँ, कार्यविधियाँ, प्रारूप, साधन (टूल्स), व्यवहार की शैली और समूह के आपसी व्यवहार तथा मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएँ शामिल हैं।

मैं एक अच्छा प्रशिक्षक कैसे बन सकता/ती हूँ?

एक प्रशिक्षक के रूप में आपकी यह भूमिका और ज़िम्मेदारी है कि आप सत्र की विषय-वस्तु और गतिविधियों को अधिकतम संभव स्पष्टता के साथ प्रस्तुत करें, ताकि हर कोई गतिविधियों को आसानी से समझ सके और उनका अनुसरण कर सके। प्रशिक्षक अपने समूह में हर किसी के लिए सीखने का एक सहज और सुरक्षित स्थान बनाए रखने के लिए भी ज़िम्मेदार होता है।

अच्छा प्रशिक्षक बनने के मुख्य दस सुझाव

1. पहले से तैयारी कीजिए : विषय-वस्तु, समय और जिस प्रक्रिया की आप नेतृत्व करेंगे उसके बारे में आत्मविश्वास महसूस करने के लिए प्रशिक्षक मैनुअल से परिचित हों। स्वयं को अपने श्रोताओं की जगह पर रखें और सोचें कि वे कौनसे प्रश्न पूछ सकते हैं, या कौनसी चिंताएँ जाहिर कर सकते हैं। यदि कुछ ऐसा हो जो आपको समझ न आए, तो ऐसे लोगों से पूछें जिन्हें पता हो सकता है।
2. अपने समय का प्रबंधन कीजिए : यदि आवश्यक हो तो, किसी सहभागी से सत्र के दौरान समय पर नज़र रखने में मदद करने को और, जब आपको गति घटाने या बढ़ाने की ज़रूरत हो तब आपसे कहने को कहिए।
3. फ़िल्पचार्ट और मार्कर : सुनिश्चित करिए कि आपके पास ये तैयार हों और कोई व्यक्ति नोट्स लिखने में आपकी मदद कर सकता हो। इससे आपको चर्चाओं को संक्षेप में रखने या बाद में कुछ बिंदुओं पर वापस आने में भी मदद मिलेगी।
4. प्रशिक्षण के उद्देश्य के बारे में स्पष्ट रहिए : आरंभ से ही साथ मिलकर इस बात पर सहमति पर पहुँचें कि आप क्यों मिल रहे हैं और साथ मिलकर आप क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।
5. अपने सहभागियों को जानिए और उन्हें अपना परिचय दीजिए : आरंभ में ही अपना परिचय देने और सभी सहभागियों से उनका परिचय दिलवाने से एक सहज और सुरक्षित स्थान बनाने में मदद मिलेगी। खुला होना और एक-दूसरे से चीजें साझा करना लोगों को एक-दूसरे को जानने और एक-दूसरे का सहयोग करने में मदद करने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

6. तटस्थ रहिए और सुनिए : अपने विचार और अनुभव साझा करने में कोई बुराई नहीं, पर उन्हें थोपिए मत। सुनिश्चित कीजिए कि आप सभी के अनुभवों और विचारों को सुन रहे है और उनको चर्चा में शामिल करेंगे। सुनिश्चित कीजिए कि हर कोई भाग ले रहा है और ऐसा करने में सहज महसूस कर रहा है। यदि किसी के पास विषय से हटकर या कोई संवेदनशील मुद्दा हो, तो उसे बताइए कि आपने उनकी बात सुन ली है और आप प्रशिक्षण के बाद उसके बारे में उससे चर्चा कर सकते हैं।
7. सीखने का एक सुरक्षित पर मज़ेदार स्थान बनाइए : हम सभी सीखने की इस प्रक्रिया का हिस्सा हैं। युवाओं को एक स्पष्ट, संवेदनशील और मज़ेदार तरीके से चर्चा के जरिए विभिन्न मुद्दों को समझने में मदद किजिए।
8. चर्चा प्रेरित कीजिए : चर्चा आगे बढ़ती रहे यह आपकी ज़िम्मेदारी है। सभी सहभागियों से बातचीत शुरू करने और आइडिया उत्पन्न करने के लिए कुछ प्रश्न और उत्तर पहले से तैयार कर लीजिए।
9. यदि कोई उत्तर आपको पता न हो, तो ढूंढिए। ईमानदार और खुला रहिए क्योंकि यहाँ हर कोई साथ मिलकर सीखने के लिए उपस्थित है। उत्तरों के लिए समूह में दूसरों से पूछिए, या जब आप सही जानकारी खोज चुके हों तो बाद में उस बिंदु विशेष पर लौटिए।
10. अगले चरणों को संक्षेप में बताएं और सुनिश्चित करें: आप यह सुनिश्चित करें कि आप सत्र में क्या पूरा कर चुके हैं, और समूह के एक्शन पॉइंट्स पर चर्चा करें और यह सुनिश्चित करवावें कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इससे बढ़िया परिणाम हासिल करने में मदद मिलेगी।

आप किसके साथ काम करना चाहते हैं?

अपनी प्रशिक्षण कार्यशालाओं में आपको ऐसे युवाओं को शामिल करना चाहिए जिन्होंने अपने समुदाय में बाल विवाह से संबंधित मुद्दों पर अभियान चलाने की रुचि दिखाई हो या जिन्हें इसका थोड़ा अनुभव हो। हमारा सुझाव है कि हर सत्र के लिए आप 10 से 24 लोगों के साथ काम कीजिए ताकि समूह को आसानी से संभाला जा सके। बहुत बड़े समूह को ठीक से संभालना चुनौती बन सकता है और यह भी हो सकता है कि आपको गहरी चर्चा के लिए पर्याप्त समय न मिल पाए। कुछ लोग समान आयु के साथियों के साथ, या समान लिंग के समूहों में रहना पसंद कर सकते हैं, क्योंकि यह व्यक्तिगत या कठिन मुद्दों के बारे में बात करते समय उन्हें अधिक सहज महसूस करा सकता है। हमारा सुझाव है कि आप सावधानीपूर्वक सोचें कि जब समूह में काम करते हैं तो आप समूह में लोगों को कैसे विभाजित करते हैं, ताकि आप यह सुनिश्चित कर पाएँ कि प्रशिक्षण में जुड़ने वाले युवा इस बारे में आत्मविश्वास और सहजता महसूस करें कि वे खुलकर अपनी बात रख सकते हैं और सहभागिता कर सकते हैं।

युवा महिलाओं और पुरुषों के मिश्रित समूहों के साथ कार्य करने के मुख्य सुझाव

जब आप किसी मिश्रित समूह के साथ कार्य कर रहे हों, तो कुछ मुद्दों के बारे में पहले से सोच लीजिए :

- अपने समूह में लड़के-लड़कियों/महिलाओं-पुरुषों के बीच के व्यवहारों के बारे में सोचिए। विषय के आधार पर, पुरुष और महिला सहभागियों के अलग-अलग समूहों में बाँटना बेहतर हो सकता है, अगर वे अधिक चुनौतीपूर्ण विषयों पर समूह का काम कर रहे हों तो वे अधिक सहज होंगे।
- याद रखिए कि लोग अलग-अलग तरीकों से सीखते हैं। सत्र की आयोजना मुख्य मुद्दों के बारे में बात करने के लिए कई अलग-अलग तरीकों का उपयोग करती हैं और हमने लोगों के लिए कई गतिविधियों और कार्यों को शामिल किया है। जैसा कि आप अपने समूह के सदस्यों को जानते हैं, उन पर आधारित सत्र चलाएं जो उनके लिए सबसे अच्छा काम करता है और जो उन्हें व्यस्त और सक्रिय रखता है।
- अपने समूह में बार-बार जाँचते रहिए! सहभागी आपके सत्रों में सीख रहे हैं और वे समझ रहे हैं यह सुनिश्चित करने का एक तरीका यह है कि महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहराएँ और संक्षिप्त करें ताकि वे लोगों को याद रहें। नियमित प्रश्न पूछिये, जैसे "ज़रा मुझे याद दिलाइए कि बाल विवाह के मूल कारण क्या हैं?" और फिर समूह से दोबारा सारे बिंदु का दोहरान करवाइए।

- याद रखिए कि लोग एक-दूसरे से असहमत होंगे, और यह ठीक है। चिंता मत कीजिए – यदि गंभीर विषयों पर चर्चाओं के दौरान कुछ लोग सहमत नहीं होते, यह पूरी तरह उचित है। क्योंकि इससे लोगों को कठिन विचारों को समझने में मदद मिलती है साथ ही यह बात भी समझ आती है कि दूसरों के नज़रिए और समझ अलग हो सकते हैं । अपने प्रशिक्षण के आरंभ में, सभी से कुछ मूल नियमों पर सहमति लें जिन्हें सभी को मानना होगा। इनमें, "यहाँ हर कोई सुनने और साझा करने के लिए आया है, इसलिए एक-दूसरे का सम्मान कीजिए" जैसे कुछ बिंदु शामिल हो सकते हैं। यदि वे इनका पालन न करें और समूह में परेशानी खड़ी करने लगें तो उन्हें इनकी याद दिलाइए।
- समूह में मज़बूत व्यवहार निर्मित करें ताकि लोग खुद को एक टीम का हिस्सा मानें और एक-दूसरे से चीजें साझा करना और साथ मिलकर काम करना चाहें। आप दूसरों को, जब उपयुक्त हो तब, आपके साथ सत्रों को फेसिलिटेट करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, क्योंकि इससे समूह में ज़िम्मेदारी और समझ निर्मित करने में मदद मिल सकती है।

बाल विवाह से प्रभावित लड़कियों के साथ कार्य करना

यदि आप विवाहित बालिकाओं या बचपन में ब्याह दी गईं युवा महिलाओं के साथ कार्य करने की योजना बना रहे हैं तो यहाँ एक संवेदनशील पद्धति महत्वपूर्ण है। इस पर विशेष रूप से विचार कीजिए और इन महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाइए। आप इन कुछ चीजों के बारे में सोच सकते हैं :

- 18 साल से कम उम्र के सहभागी को आपके साथ जुड़ने के लिए, बाल संरक्षण के कारणों से, सहमति लेनी होगी, इसलिए आपको उसके माता-पिता से पूछना पड़ेगा कि उन्हें उसके द्वारा आपके समूह से जुड़ने पर कोई आपत्ति तो नहीं है। पता कीजिए कि कहीं किसी विवाहित महिला या बालिका को आपकी गतिविधियों में भाग लेने के लिए किसी वयस्क की अनुमति तो नहीं चाहिए; कुछ को भाग लेने के लिए पति या सास की अनुमति लेनी हो सकती है। सुनिश्चित कीजिए कि सभी महिलाएँ और बालिकाएँ यह जानती हों कि भाग लेना स्वैच्छिक है और यह कि यदि वे न चाहें तो उनके लिए अपने अनुभवों पर चर्चा करना आवश्यक नहीं है।
- सुनिश्चित कीजिए कि विवाहित लड़कियों और इस तरह की गतिविधियों में उनकी भागीदारी के प्रति उस समुदाय के रवैयों को आप जानते हों। यदि वे समूह में व्यक्तिगत मामलों पर चर्चा करती हैं, तो आवश्यक है कि आप उनके विचार साझा करने के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाएँ।
- ऐसे समय ढूंढिए जो उनके लिए सबसे उपयुक्त हों। विवाहित लड़कियों के बच्चे हो सकते हैं और दिन के कुछ ख़ास समयों पर उनका घर पर होना ज़रूरी हो सकता है, इसलिए अपने सत्रों की योजना बनाते समय इस बारे में सोचिए।
- सुनिश्चित कीजिए कि विवाहित लड़कियों के जितने भी समूह हों उनके साथ कोई महिला फ़ेसिलिटेटर कार्य करे। आपको यह जानना होगा कि यदि लोग दुर्व्यवहार की कहानियाँ साझा करें, या उठाए गए किसी मुद्दे से परेशान हो जाएँ, तो उन्हें समुदाय में किसके पास भेजना सबसे अच्छा रहेगा। वह व्यक्ति कोई सामुदायिक बाल संरक्षण कार्यकर्ता या कोई समाजसेवी, कोई स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता या किसी स्थानीय महिला संगठन का कोई सदस्य हो सकती है, पर यह महत्वपूर्ण है कि यदि आपको ज़रूरत पड़े तो वह मदद करने के लिए मौजूद हो।

शुरू करने से पहले मुझे क्या करना चाहिए?

1) कोई भी प्रशिक्षण शुरू करने से पहले, आपको अपने समुदाय के सबसे उपयुक्त लोगों से, या फ़ैसले लेने वाले लोगों से बात करनी चाहिए ताकि वे आपकी योजनाओं से अवगत हों। इनमें आपके समुदाय के लोग, जैसे स्थानीय नेता या अध्यापक जो समुदाय में ताक़त एवं प्रभाव रखते हों, और जो आपके प्रशिक्षण को रोक सकते या बाधित कर सकते हों, या वैकल्पिक रूप से, आपको आपके कार्य में सहयोग दे सकते हों। सम्मान के साथ समझाइए कि आप क्या करना चाहते हैं, और यदि कोई आपत्ति उठे, तो वैकल्पिक स्थान या समय पूछिए, पर कड़ी मेहनत करके उनका सहयोग अवश्य सुनिश्चित कीजिए।

2) सुनिश्चित कीजिए कि आपके पास आपके सत्र से पहले कुछ घंटों का खाली समय हो ताकि आप ठीक से यह तैयारी कर सकें कि आप सत्र कैसे करेंगे और कैसे उसका नेतृत्व करेंगे। आप चाहें तो अपनी संस्था/संगठन से दुसरे साथियों को कुछ सत्रों में प्रशिक्षक की भूमिका निभाने के लिए कह सकते हैं, ताकि आप इन गतिविधियों का नेतृत्व साझा कर सकें। यदि आप ऐसा कर रहे है, तो आपको अपने सह-प्रशिक्षक के साथ संयुक्त रूप से तैयारी करनी होंगी।
3) व्यावहारिक चीजों जैसे स्थान और समय के बारे में सोचिए : आपके प्रशिक्षण को आपके सहभागियों के लिए सहज, सुरक्षित और सुविधाजनक तथा उनकी ज़रूरतों के अनुरूप होना चाहिए। यदि वह किसी खुले या सार्वजनिक स्थान पर है, तो सुनिश्चित कीजिए कि बाधाएँ (जैसे शोर, मौसम या ध्यान बँटाने वाली चीजें) कम-से-कम हों। इस बारे में सोचिए कि स्थान अनौपचारिक होना चाहिए - जैसे कोई पार्क या बगीचा या कोई युवा क्लब, या फिर थोड़ा औपचारिक - जैसे कोई स्कूल। सुनिश्चित कीजिए कि वहाँ युवा (लड़कियों सहित) सुरक्षित ढंग से पहुँच सकते हों, और युवा लोग वहाँ होना सुरक्षित और सहज महसूस करें।
4) भाषाई ज़रूरतों के बारे में थोड़ा सोचिए, क्योंकि, लोग खुद को जाहिर करने में सहज महसूस करें यह सुनिश्चित करने के लिए आपको किसी अनुवादक को बुलाने या फिर अपनी कार्य सामग्री का स्थानीय भाषा में अनुवाद कराने की ज़रूरत पड़ सकती है।

मदद कीजिए! मैं किस प्रकार प्रतिक्रिया दूँ?

बाल विवाह एक संवेदनशील विषय है और कुछ लोगों के लिए इस बारे में बात करना मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी, मतभेद सामने आ जाते हैं, और चर्चाओं में मुश्किल हालात या चुनौतीपूर्ण टिप्पणियाँ सामने आ जाती हैं। इन मुश्किल हालात में आप अपने समूहों के साथ इन कुछ प्रतिक्रियाओं का उपयोग कर सकते हैं :

- मैं आपकी सराहना करता/ती हूँ कि आपने अपना विचार हमारे साथ साझा किया। क्या आप हमें बता सकते हैं कि आपको ऐसा क्यों लगता है? कृपया यह भी समझने की कोशिश कीजिए कि ज़रूरी नहीं कि हर किसी का विचार वही हो जो आपका है।
- यदि आप इस बारे में और चर्चा करना चाहते हैं, तो मैं कार्यशाला के बाद आपके साथ इस पर बात कर सकता/ती हूँ, या फिर आपको ऐसे लोगों से मिला सकता/ती हूँ जिनके पास आपके लिए अधिक जानकारी है।

याद रखिए कि कोई भी संभावित रूप से हानिकारक विचार या टिप्पणी बिना समझाए या स्पष्टीकरण के जाने न पाए। उदाहरण के लिए, कुछ लोग कह रहे हैं कि लड़कियों के लिए लड़कों से कम उम्र में विवाह करने में कोई बुराई नहीं है। आप निम्नांकित प्रतिक्रिया देकर ऐसा कर सकते हैं :

- अपनी राय बताने के लिए धन्यवाद। बाकी लोग क्या सोचते हैं? यहाँ किन लोगों की राय इनसे अलग है?

यदि कोई अन्य दृष्टिकोण न रखा जाए, तो सुनिश्चित कीजिए कि आप खुद एक अलग दृष्टिकोण रखें। यदि आप कर सकते हों तो, अपनी बात के समर्थन में तथ्यों और प्रमाणों का सहारा लें।

- मुझे पता है कि बहुत से लोग इस कथन से सहमत नहीं होंगे। पर तथ्य यह है कि अंतरराष्ट्रीय कानून कहता है कि लड़कियों का विवाह 18 साल से कम उम्र में नहीं करना चाहिए क्योंकि कम उम्र में विवाह से कई हानिकारक दुष्परिणाम होते हैं। यह हर किसी का मानवाधिकार है।

अपने सत्र का संचालन करना : शुरुआत से ...

1. पहले प्रशिक्षक मार्गदर्शिका पढ़िए

इस पूरी "उठो, अपनी आवाज़ उठाओ!" प्रशिक्षण मैनुअल में, आपकी प्रशिक्षक मार्गदर्शिका नामक सेक्शन ही वह स्थान है जहाँ हम आपको सत्र की प्रत्येक गतिविधि के बारे में क्रम से समझाते हैं और बताते हैं कि अपने समूह के साथ आपको ठीक-ठीक क्या-क्या कवर करना है। हम सभी गतिविधियों की रूपरेखा देते हैं और उन्हें समझाते हैं, विशेष रूप से आइस ब्रेकर (झिझक ख़त्म करके बातचीत शुरू करने वाली चीजें) जैसी वे चीजें जिन्हें हम आपको आपके प्रशिक्षण सत्रों में उपयोग करने का सुझाव देते हैं। और हम इस बारे में विस्तार से बताते हैं कि आपके समूहों के सामने वापस प्रस्तुत करने के लिए आपको कौन-कौनसी जानकारी और विषय-वस्तु चाहिए होगी। इसे ध्यान से पढ़ें और प्रत्येक गतिविधि का अभ्यास करें, ताकि जब आप अपने समूह के लिए प्रशिक्षक की भूमिका में हों तो आपको आत्मविश्वास महसूस हो।

2. संवेदनशीलता एवं संरक्षण चेतावनी

इसे प्रत्येक सत्र के आरंभ में कीजिए

प्रत्येक सत्र का आरंभ संवेदनशीलता एवं संरक्षण चेतावनी के साथ करना महत्वपूर्ण है। यदि सहभागी 18 साल से अधिक उम्र के हैं तो भी आपको यह करनी होगी। इन तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझाना ज़रूरी है :

- सहभागियों को यह जानने दीजिए कि बाल विवाह एक संवेदनशील विषय है जिससे कुछ लोग परेशान हो सकते हैं। नतीजतन, यह समझाइए कि यदि कोई परेशान हो जाता है और जाना चाहता है, तो वह कभी-भी ऐसा कर सकता है। सुनिश्चित कीजिए कि उन्हें पता हो कि और सहायता पाने के लिए वे किसके पास जा सकते हैं।
- हर किसी को भरोसा दिलाइए कि समूह में जो भी कुछ कहा जाता है वह गोपनीय होता है, और यह स्थान यह बात करने और चीजें साझा करने का एक सुरक्षित स्थान है। यह समझाइए कि किसी को भी कभी-भी अपने व्यक्तिगत अनुभव प्रकट करने के लिए मज़बूर नहीं किया जाएगा और भाग लेना हमेशा स्वैच्छिक है।
- समझाइए कि संवेदनशीलता और संरक्षण कायम रखना समूह के हर सदस्य की ज़िम्मेदारी है। हम सभी दूसरों के योगदानों का सम्मान करते हैं और दूसरों के अनुभवों को नकारात्मक ढंग से नहीं आँकते हैं।

यह भी महत्वपूर्ण है कि आपने अपने समुदाय के किसी ऐसे भरोसेमंद व्यक्ति की पहचान कर ली हो जिसके पास, कार्यशाला सत्रों के दौरान परेशान हो जाने वाले या दुर्व्यवहार का खुलासा करने वाले युवा को भावनात्मक और व्यावहारिक सहयोग देने के कौशल हों। वह कोई स्वास्थ्य कर्मी, किसी महिला समूह की कोई सदस्य, कोई बाल संरक्षण कार्यकर्ता या कोई भरोसेमंद अध्यापक/अध्यापिका हो सकता है। आवश्यक नहीं कि वह व्यक्ति प्रशिक्षण में उपस्थित हो, पर उसे सत्रों के बाद फ़ॉलो-अप करने और सहायता देने के लिए उपलब्ध होना चाहिए।

आपके द्वारा आयोजित हर सत्र का आरंभ संवेदनशीलता एवं संरक्षण चेतावनी से करना ज़रूरी है - तब भी जब सहभागी 18 साल से अधिक उम्र के हों। हमारा सुझाव है कि आप अपनी कार्यशाला में अपने खुद के संरक्षण सिद्धांतों के आधार के तौर पर गर्ल्स नॉट ब्राइड्स बाल संरक्षण नीति का उपयोग करें। किसी फ़्लिप चार्ट पर संरक्षण चेतावनी लिख लीजिए या उसकी एक मानक प्रस्तुति स्लाइड बना लीजिए जिससे आप प्रत्येक सत्र में सहभागियों को याद दिला सकें, या फिर उसे किसी दीवार पर लगा दीजिए ताकि हर कोई उसे पढ़ सके।

3. अपने समूह के लिए मूल नियम तय करना

इसे मॉड्यूल 1, सत्र 1 के आरंभ में कीजिए और जब भी आप समूह से मिलते है यह उनको याद दिलाइए

यह महत्वपूर्ण है कि आपके प्रशिक्षण सत्र में हर कोई यह महसूस करे कि वह समूह का एक ज़रूरी हिस्सा है,

और यह कि वह समूह के आपसी व्यवहारों और व्यवस्था को बनाए रखने में मदद कर सकता है। यदि कोई व्यक्ति कोई बाधा उत्पन्न करे तो यह ज़रूरी है कि हर कोई सहायता करने की ज़िम्मेदारी महसूस करे, और उन सभी को एक संयुक्त समूह के रूप में प्रशिक्षण पूरा करने के लिए एक-दूसरे को जवाबदेह ठहराना होगा। कुछ ऐसे आसान से नियम तय कर देना जिन्हें खुद उन्होंने ही चुना हो, उन्हें समूह के व्यवहारों की देखभाल करने और हर कोई अपने-अपने उद्देश्य हासिल करे यह सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

उदाहरण के लिए, मोबाइल फोन प्रतिबंधित करना एक अच्छा नियम हो सकता है, ताकि लोगों का ध्यान भंग न हो, या सत्र में वे दूसरों के लिए शोर पैदा न करें। समय की पाबंदी भी एक महत्वपूर्ण नियम है। सभी सहभागी गतिविधियों को आवंटित समय का पालन करने के लिए एक-दूसरे को जवाबदेह ठहराएँ और यह सुनिश्चित करें कि कोई व्यक्ति औरों से बहुत अधिक समय न ले रहा हो इसके लिए एक अच्छा तरीका यह है कि समूह में से किसी को समय का हिसाब रखने की ज़िम्मेदारी दे दी जाए! एक महत्वपूर्ण नियम यह है कि हर किसी की आवाज़ बराबर है और यह कि प्रशिक्षण का स्थान एक सुरक्षित स्थान है और इसलिए सभी को एक-दूसरे का सम्मान करना होगा, तब भी जब मतभेद सामने आएँ। हर कोई समझे इसके लिए एक-दूसरे का सम्मान एक बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदु है।

एक समूह के रूप में साथ मिलकर नियम तय करें और उन्हें कागज़ पर लिखकर दीवार पर लगा दें ताकि वह कागज़ आपको लगातार उनकी याद दिलाता रहे। हर सत्र के आरंभ में उन्हें फिर से पढ़ें ताकि हर किसी को याद हो कि वे एक समूह के रूप में किस प्रकार साथ मिलकर कार्य करना चाहते हैं। यदि कोई नियम तोड़े, या इन सिद्धांतों का पालन न करे, तो नियम दोबारा पढ़वाइए, और उससे कहिए कि सबने मिलकर जो नियम चुने हैं उनका वह सम्मान करे।

4. अपने सत्र का संचालन करना : आत्मविश्वास निर्मित करने में आपकी भूमिका

कुछ युवा लोगों को दूसरों के बीच घुलने-मिलने और सक्रिय ढंग से सहभागिता करने में समय लग सकता है, क्योंकि हो सकता है कि वे संकोची हों या उन्हें ऐसे प्रशिक्षण सत्रों की आदत न हो। आप ऐसी ऊर्जावान करने वाली गतिविधियाँ करवा सकते हैं जो उनके बीच जमी 'बर्फ़' को तोड़े और एक-दूसरे को जानने एवं साथ आने में मदद करे। ये आत्मविश्वास बढ़ाने के छोटे और मज़ेदार तरीके हैं जो टीम कार्य में सहायता देते हैं और समूह में ऊर्जा का स्तर बढ़ाते हैं। इनमें ज़्यादा से ज़्यादा 5 से 10 मिनट लगने चाहिए। हमने पूरी प्रशिक्षण मैनुअल में गतिविधियाँ शामिल की हैं।

5. अपने सत्र का संचालन करना : ... आख़िर तक

पार्किंग की जगह

हर सत्र के आरंभ में इसे समझाइए, और अंत में इसे कीजिए

सत्र का समापन करते समय, अच्छा रहेगा कि आप सहभागियों से कहें कि सत्र के दौरान उन्होंने जो कुछ सीखा उसे वे साझा करें, या ऐसा कोई बिंदु या चर्चा जिसने कोई विचार उत्पन्न किया हो या उनके मन को खोला हो उसे साझा करें। यदि सहभागी ऐसे बिंदु या प्रश्न उठाएँ जिनके आप सीधे तौर पर उत्तर न दे सकते हों या आपके पास उनके उत्तर देने का समय न हो, तो आप उनसे उन्हें एक बड़े से कागज़ पर लिखने को कह सकते हैं जिसे हर कोई देख सकता हो, ताकि आप सत्र या कार्यशाला के समापन के समय आप उन पर लौट सकें। आप उसे "पार्किंग लॉट", "फ़्रिज", या "भंडारघर" कह सकते हैं। यह इस बात को सुनिश्चित करने का अच्छा तरीका है कि किसी के भी पास कोई अनुत्तरित प्रश्न न रह जाए या जिस मुद्दे को वह साझा करना चाहता हो वह साझा हुए बिना न रह जाए।

Photo © Jessica Podraza/ Unsplash

मॉड्यूल 1: बाल विवाह क्या है? - बुनियादी बातें

मॉड्यूल का संक्षिप्त विवरण

- एक-दूसरे को जानना और यह जानना कि साथ मिलकर कैसे कार्य करना है
- बाल विवाह क्या है और इसके क्या कारण हैं?
- बाल विवाह के दुष्परिणाम या प्रभाव क्या हैं?
- हम इसकी रोकथाम कैसे कर सकते हैं?

मॉड्यूल 1 - सत्र 1: आइए साथ मिलकर काम करें

सत्र का लक्ष्य : एक-दूसरे को जानना और साथ मिलकर एक प्रसन्न, सुरक्षित और भरोसेमंद संबंध बनाना

सहभागियों की संख्या : 24 (अधिकतम)

आवश्यक समय : 1 घंटा

सत्र की रूपरेखा :

- सहभागियों का परिचय दीजिए
- मॉड्यूल का संक्षिप्त विवरण : आगे आने वाले प्रशिक्षण सत्रों में कवर किए गए मुख्य मुद्दे
- अपेक्षाएँ : प्रशिक्षण से आपकी उम्मीदें और उससे संबंधित चिंताएँ
- संरक्षण चेतावनी
- सामान्य मूल नियम तय कीजिए

पहले से तैयार करने की चीजें :

- समूह गतिविधियाँ करना : चित्र तैयार कीजिए
- प्रस्तुति स्लाइडें (इलेक्ट्रॉनिक या कागज़ी)

आवश्यक सामान :

- पत्रिकाओं के रंगीन चित्र
- कैंची
- फ़्लिप चार्ट पेपर
- मार्कर या मोटे पेन
- चित्रों के टुकड़ों के लिए कटोरा या टोकरी

	आवंटित समय	गतिविधि
1	10 मिनट	परिचय
2	15 मिनट	समूह कार्य : यह प्रशिक्षण क्यों, और परिचय
3	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : उन मुद्दों से परिचय जिन्हें आप कवर करेंगे
4	10 मिनट	समूह कार्य : अपेक्षाएं एवं उद्देश्य
5	10 मिनट	समूह कार्य : साथ मिलकर कार्य करने के सिद्धांत स्थापित करना
6	5 मिनट	सत्र समापन : आगे के चरणों का रिमाइंडर

1.1 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

इस पूरी "उठो, अपनी आवाज़ उठाओ!" प्रशिक्षण मैनुअल में, "आपकी प्रशिक्षक मार्गदर्शिका" नामक सेक्शन ही वह स्थान है जहाँ हम आपको सत्र की प्रत्येक गतिविधि के बारे में क्रम से समझाते हैं और बताते हैं कि अपने समूह के साथ आपको ठीक-ठीक क्या-क्या कवर करना है। हम सभी गतिविधियों की रूपरेखा देते हैं और उन्हें समझाते हैं, विशेष रूप से आइस ब्रेकर (झिझक ख़त्म करके बातचीत शुरू करने वाली चीजें) जैसी वे चीजें जिन्हें हम आपको आपके प्रशिक्षण सत्रों में उपयोग करने का सुझाव देते हैं। और हम इस बारे में विस्तार से बताते हैं कि आपके समूहों के सामने वापस प्रस्तुत करने के लिए आपको कौन-कौनसी जानकारी और विषय-वस्तु चाहिए होगी। इसे ध्यान से पढ़ें और प्रत्येक गतिविधि का अभ्यास करें, ताकि जब आप अपने समूह के लिए प्रशिक्षक की भूमिका में हों तो आपको आत्मविश्वास महसूस हो।

गतिविधि 1: परिचय

सबसे पहले पूरे समूह में घूमिए और हर व्यक्ति से उसका परिचय लीजिए : उससे उसका नाम और उसके बारे में एक ऐसी मज़ेदार चीज कहलवाइए जो औरों को न पता हो। सुनिश्चित कीजिए कि हर किसी के पास लेबल या नेम टैग हों ताकि हर किसी को एक-दूसरे को और उनके नाम जानने का मौका मिले।

अपने सहभागियों को समूहों में बाँटना

पहले से तैयारी कीजिए

- किसी पत्रिका से चार रंगीन चित्र निकालिए : हर चित्र के छः टुकड़े कीजिए और सत्र से पहले उन्हें मोड़ लीजिए। उन मुड़े हुए टुकड़ों को एक कटोरे में रख दीजिए।
- सत्र के सहभागियों की कुल संख्या को बराबर समूहों में बाँटिए : यदि वे 24 हैं, तो उन्हें छः-छः लोगों के चार समूहों में बाँट दीजिए। या आप चाहें तो और छोटे समूह भी बना सकते हैं, जैसे चार-चार लोगों के छः समूह।
- आपने जितने समूह बनाए हैं आपको उतने ही चित्र चाहिए होंगे, प्रत्येक को उतने ही टुकड़ों में काटिए जितने प्रत्येक समूह में सदस्य हैं। पाँच समूह = पाँच चित्र, प्रत्येक समूह में तीन सदस्य = प्रत्येक चित्र के तीन टुकड़े, ताकि वे मिलकर अपना चित्र बना सकें।

सत्र में

- सहभागियों से कटोरे से एक-एक मुड़ा हुआ कागज़ उठाने को कहिए।
- सहभागियों से उनका मुड़ा हुआ कागज़ खुलवाइए और उनसे कहिए कि वे ऐसे पाँच (या जितने भी समूह हों) अन्य सहभागी ढूंढें जिनके पास उस चित्र के बाकी टुकड़े हैं।
- जब वे अपना साथी ढूंढ लें तो उन्हें एक समूह बना लेना चाहिए। जब वे अपना समूह बना लें, तो उनसे एक-एक फ़्लिप चार्ट और मार्कर ले लेने को कहिए।

यदि आपके पास पर्याप्त समय नहीं है तो परिचय अभ्यास को छोटा किया जा सकता है या छोड़ा जा सकता है। चीजों को गति देने के लिए, सहभागी अपना नाम बोलकर और अपने समुदाय के बारे में एक ऐसी बात जो उन्हें पसंद हो, वह बताकर अपना परिचय दे सकते हैं।

गतिविधि 2: समूह कार्य - एक-दूसरे को और जानना

आगे आ रहे समूह कार्य के लिए समूह को निम्नांकित निर्देश समझाइए :

अपने नए समूहों में, सभी सहभागी एक साथ मेज़ पर इकट्ठा होते हैं, एक-दूसरे को परिचय देते हैं, और अपने नाम फ़्लिप चार्ट पेपर पर लिखते हैं। उन्हें एक व्यक्ति को नोट टेकर बना लेना चाहिए जो गतिविधि के अंत में बड़े समूह के साथ नोट्स साझा करेगा। प्रत्येक सहभागी को एक-दूसरे को यह बताना चाहिए :

a) वे प्रशिक्षण में क्यों आए हैं इस बात का एक कारण, या वे बाल विवाह के हल के लिए कार्य क्यों करना चाहते हैं इस बात का एक कारण।
b) अपने समुदाय या अपने स्कूल की कोई बात जो उन्हें पसंद हो।

नोट टेकर को प्रत्येक व्यक्ति द्वारा दिए गए उत्तर फ़्लिप चार्ट पर उसके नाम के नीचे लिखकर फ़्लिप चार्ट को दीवार पर लगा देना चाहिए। उनके पास साथ मिलकर इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए 10 मिनट हैं और उसके बाद वे साथ मिलकर समूह के साथ उन्हें वापस साझा करेंगे। जब वे अपना कार्य पूरा कर लें, तो प्रत्येक समूह का नोट टेकर लगाए गए चार्ट पढ़कर अपने समूह के साथियों का परिचय देगा ताकि वे एक-दूसरे के बारे में और एक-दूसरे के साझा बिंदु जान सकें। उनके पास वापस प्रस्तुत करने के लिए केवल 5 मिनट हैं, इसलिए उन्हें समझाइए कि उन्हें संक्षेप में प्रस्तुति देनी होगी। इस पूरी गतिविधि के दौरान समय पर नज़र रखें।

सभी को साझा करने के लिए धन्यवाद दीजिए, और उन्हें बताइए कि इस सक्रिय और उत्साही समूह के साथ मिलकर कार्य करके आप कितने रोमांचित हैं।

गतिविधि 3: प्रशिक्षक सत्र – उन मुद्दों से परिचय जिन्हें आप कवर करेंगे

आपको ये चीजें पहले से तैयार करनी होंगी :

- एक फ़्लिप चार्ट पेपर जिस पर संवेदनशीलता एवं संरक्षण चेतावनी लिखी हो - इसे आप दीवार पर लगाए रख सकते हैं।
- दीवार पर "पार्किंग लॉट" नामक एक पेज जहाँ आगे बढ़ते हुए विचार या मुद्दे लिखे जाएंगे।

संपूर्ण प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य

इस सत्र में, प्रशिक्षक सहभागियों को प्रशिक्षण का मुख्य प्रयोजन और उद्देश्य बताता है - यह कि हम सभी यहाँ इस बारे में बात करने के लिए एक साथ हैं कि बाल विवाह कैसे ख़त्म किया जाए और इसे रोकने के लिए प्रभावी ढंग से एडवोकेसी कैसे किया जाए। उन्हें समझाइए कि प्रशिक्षण से उन्हें सशक्त कार्यकर्ता बनने, बाल विवाह के कारणों का, और इसे रोकने के लिए कैसे कार्य किया जाए इसका, जानकार बनने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण उन्हें समझाएगा कि वे किस प्रकार अपने एडवोकेसी की स्पष्ट योजना बनाएँ, किस प्रकार रणनीति बनाएँ, और अपने कार्य को मज़बूती देने के लिए प्रभाव और प्रमाण को कैसे ट्रैक करें, जिससे उन्हें बाल विवाह को खत्म करने हेतु कार्य करने के अपने कौशलों को मज़बूत बनाने में मदद मिलेगी। समूह को वे मुख्य विषय समझाइए जिनकी आप अगले कुछ प्रशिक्षण सत्रों में साथ मिलकर पड़ताल करेंगे, और इस प्रशिक्षण शृंखला के मुख्य उद्देश्य समझाइए - इन्हें इस मैनुअल में पहले वर्णित किया गया है, पर संक्षेप में वे इस प्रकार हैं :

- बाल विवाह और यह क्यों होता है।
- बाल विवाह के प्रभाव और परिणाम।
- बाल विवाह के रोकथाम के तरीके : बदलाव का एडवोकेसी कैसे करें।
- अपना प्रभाव दिखाने और चीजें कैसे बदल सकती हैं यह दिखाने के लिए प्रमाण एकत्र करने के तरीके।

बाल संरक्षण और संवेदनशीलता चेतावनी

इस अनुभाग में, आप संवेदनशीलता और बाल संरक्षण चेतावनी का भी परिचय देंगे (संरक्षण सिद्धांतों का पूर्ववर्ती अनुभाग देखिए)। इसे पहले से एक फ़्लिप चार्ट पर लिखकर रख लीजिए जिसे आप पूरी कार्यशाला के दौरान लगाए रखेंगे, यह आपको याद दिलाएगा कि आप यहाँ साथ मिलकर क्या हासिल करना चाहते हैं, और आप सभी को संरक्षण के कौनसे बुनियादी मानक कायम रखने होंगे।

समूह से पूछिए कि क्या उन्हें लगता है कि ऐसा कुछ छूट रहा है जिस पर वे प्रशिक्षण के भाग के रूप में चर्चा करना चाहेंगे। उन्हें आप एक फ़्लिप चार्ट पेपर पर लिख लीजिए जिसे आपने "पार्किंग लॉट" नाम दिया है - पूरे सत्र में आप उक्त चीजें इस पेपर पर जोड़ते रहेंगे। यह एक खाली स्थान है जिसका उपयोग आप कार्यशाला में रखे जाने वाले उन विचारों, सुझावों और प्रश्नों को नोट करने के लिए कर सकते हैं जिन पर अंत में साथ मिलकर काम करेंगे या फिर जो आपको समूह की ज़रूरतों और अनुरोधों के अनुसार अपने भावी सत्रों को सबसे उपयुक्त बनाने में मदद मिलेगी।

यदि आपके प्रशिक्षण सत्र कई सप्ताह या दिनों तक चलने वाले हैं, तो आपको हर सत्र में एक रिमाइंडर के तौर पर यह चेतावनी पढ़नी होगी।

गतिविधि 4: समूह कार्य - अपेक्षाएँ एवं उद्देश्य

समूह को वह अगली गतिविधि समझाइए जो वे सभी साथ मिलकर करेंगे।

सहभागियों को उन्हीं समूहों में रहने दीजिए जो उन्होंने परिचय सत्र के दौरान बनाए थे, पर उनसे कहिए कि वे इस बार किसी और को नोट टेकर बनाएँ। प्रत्येक को एक फ़्लिप चार्ट पेपर दीजिए, और उनसे कहिए कि एक समूह के रूप में वे ऐसी दो चीजें बताएँ जिनकी अपेक्षा वे प्रशिक्षण से करते हैं (वे प्रशिक्षण का हिस्सा बनकर क्या पाने की उम्मीद रखते हैं या वे क्या सीखना चाहते हैं)। यदि उन्हें प्रशिक्षण के बारे में, या खुद मुद्दे पर काम करने के बारे में कोई चिंता हो तो वे उसे भी लिख सकते हैं। उनसे ये चीजें कागज़ पर लिखवाइए और हर समूह के निष्कर्ष संक्षेप में वापस प्रस्तुत करवाइए। इसे आरंभ में करना बहुत उपयोगी रहता है, क्योंकि इससे आपको ऐसी अपेक्षाओं, जो वास्तविकता से बहुत दूर हैं, को ख़त्म करने और ग़लतफ़हमियों को मिटाने में मदद मिलेगी।

यदि आपको लगे कि इस सत्र में कुछ अधिक ही समय लग रहा है, तो छोटे-छोटे समूहों से चर्चा और शेयर करवाने की बजाय इसे एक छोटे, संपूर्ण-समूह विचार-मंथन में बदला जा सकता है जिसमें सभी सहभागी एकसाथ अपनी-अपनी आशाएँ और चिंताएँ शेयर कर सकते हैं, और फिर उन्हें आप कागज़ पर लिख सकते हैं।

गतिविधि 5: समूह कार्य – साथ मिलकर कार्य करने के सिद्धांत स्थापित करना

यह महत्वपूर्ण है कि सहभागी आगामी सत्रों में साथ मिलकर काम करने के मूल नियम स्थापित कर लें, क्योंकि गतिविधियों के लिए मूल नियम तय करना सभी के लिए काम करने की एक अच्छी, ख़ुशनुमा जगह बनाने में मदद के लिए ज़रूरी होता है। यदि आरंभ में मूल नियम तय न किए गए तो प्रशिक्षण सत्रों के समस्याओं द्वारा बाधित होने की संभावना होती है। यदि सहभागी खुद ये नियम तय करते हैं, तो वे प्रक्रिया को अपना मानकर उसके लिए ज़िम्मेदारी महसूस करते हैं, और उनके नियमों पर टिके रहने की संभावना बढ़ जाती है। यदि वे कुछ नियमों का उल्लेख करना भूल जाएं, तो आप बेहिचक उनसे वे नियम साझा कीजिए। कुछ उदाहरण : कार्यशाला के लिए समय पर आना; जब लोग बोल रहे हों या प्रस्तुति दे रहे हों तो दूसरों से बातें न करना; यह सुनिश्चित करना कि सभी एक-दूसरे का सम्मान करे और दूसरे जो बोल रहे हैं उसे सुने; और कार्यशाला में मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करना। ऐसे कई अन्य सरल दिशानिर्देश हैं जो हर किसी से एक-दूसरे का सम्मान करवाने और कार्यशालाओं के लिए एक सुरक्षित कार्य स्थान सुनिश्चित करने में मदद करते हैं - और उदाहरणों के लिए इस मैनुअल के आरंभ में “शुरुआत के लिए तैयार होना” सेशन को देखें।

मॉड्यूल 1 - सत्र 2: बाल विवाह क्या है? एक बुनियादी परिचय

सत्र का लक्ष्य : सहभागियों को बाल विवाह की परिभाषा, उसके कारण, और समस्या के कारकों को समझने में मदद करना

सहभागियों की संख्या : 24 (अधिकतम)

आवश्यक समय : 1 घंटा 30 मिनट

सत्र की रूपरेखा :

- बाल विवाह के बारे में और इस मुद्दे के बारे में सहभागी क्या जानते हैं इस बारे में विचार-मंथन करना
- मुद्दे से परिचय : बाल विवाह की बुनियादी बातें

पहले से तैयार करने की चीजें :

- पृष्ठभूमि विषय-वस्तु पढ़ें और उसे अच्छी तरह जान लें ताकि विस्तृत समूह के सामने इसे प्रस्तुत करने में आपको आत्मविश्वास महसूस हो
- बाल विवाह के बारे में महत्वपूर्ण बिंदुओं वाले प्रस्तुति स्लाइडें (इलेक्ट्रॉनिक या कागज़ी) जिनका संदर्भ लिया जा सके और जिन्हें समूह पढ़कर उनका पालन कर सके
- यदि आप समूह के साथ ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करेंगे तो उसका अभ्यास कीजिए

आवश्यक सामान :

- फ़्लिप चार्ट पेपर
- मार्कर या मोटे पेन
- प्रस्तुतियाँ

	आवंटित समय	गतिविधि
1	5 मिनट	आपका स्वागत है • रिमाइंडर और परिचय (यदि कोई स्वतंत्र सत्र संचालित कर रहे हों) • ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि (यदि इसे मॉड्यूल 1: सत्र 1 से तुरंत जोड़ने के रूप में कर रहे हों)
2	35 मिनट	समूह कार्य : बाल विवाह को परिभाषित करना • खुली चर्चा (10 मिनट) • समूह कार्य (15 मिनट) • वापस समूहों से प्रस्तुति करवाना (10 मिनट)
3	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : बाल विवाह की बुनियादी बातें
4	20 मिनट	समूह कार्य : आपके समुदाय में बाल विवाह के कारण
5	15 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : बाल विवाह के कारण
6	5 मिनट	फटाफट प्रश्नोत्तरी और निष्कर्ष

1.2 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

गतिविधि 1: आपका स्वागत है

अपने समूह का फिर से एकसाथ स्वागत करें। यदि आप इसे एक स्वतंत्र सत्र के रूप में कर रहे हैं (जैसे, यह पहले सत्र के बाद का दिन या सप्ताह है), तो हर किसी से दोबारा उसका परिचय दिलवाइए ताकि उन सभी को एक-दूसरे के नाम याद हो जाएँ। उन्हें याद दिलाइए कि हम सभी साथ क्यों हैं - हम सभी यहाँ बाल विवाह के बारे में जानने और साझा करने और, इस प्रथा को ख़त्म करने के लिए सक्रिय कार्यकर्ता कैसे बनें यह जानने और शेयर करने के लिए यहाँ हैं। हमारा सुझाव है कि आप फटाफट से उन मूल नियमों को भी दोबारा से पढ़ लें जो आपने साथ मिलकर तय किए थे, साथ ही, संवेदनशीलता चेतावनी का रिमाइंडर भी दोबारा पढ़ लें। समूह को समझाइए कि इस सत्र में हम साथ मिलकर यह जानेंगे और परिभाषित करेंगे कि बाल विवाह क्या है।

महत्वपूर्ण नोट : यदि आप यह सत्र मॉड्यूल 1: सत्र 1 के तुरंत बाद, बिना किसी ब्रेक के आयोजित कर रहे हैं तो आपको सभी का दोबारा परिचय दिलवाने की ज़रूरत नहीं है, और हमारा सुझाव है कि आप सीधे ऊर्जावान करने की गतिविधि पर चले जाएँ।

ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि

मुख्य गतिविधि "गरज" को सभी सहभागियों के साथ एक ऊर्जावान मूड बनाने के लिए तैयार किया गया है। सभी से कहिए कि वे एक गोला बनाकर खड़े हो जाएँ (या कमरे में वे जहाँ हैं वहीं खड़े हो जाएँ, पर सुनिश्चित कर लीजिए कि प्रत्येक व्यक्ति के चलने-फिरने के लिए पर्याप्त जगह हो)। समझाइए कि वे आपके द्वारा ज़ोर से बोले गए इन शब्दों का अभिनय शारीरिक हरकत द्वारा करके दिखाएंगे :

- बारिश: अपनी दोनों हथेलियाँ अपने पैरों के आगे वाले हिस्से पर तेज़ी से थपकाइए।
- गरज: तेज़ी से अपने पैर पटकिए।
- बिजली: दोनों बाहें तेज़ी से फैलाइए, दायीं बांह दायीं ओर तिरछी, ऊपर की तरफ़ हो, और बायीं बांह बांयी ओर तिरछी, नीचे की ओर हो।

समझाते समय हर शब्द की हरकत करके दिखाइए। इसके बाद सहभागियों से अभ्यास के तौर पर साथ मिलकर हरकत करने को कहिए। अब आप शुरू कर सकते हैं। शब्द पुकारिए और समूह से वे हरकतें समय से करवाइए, पहले क्रम में करवाइए और फिर क्रम आगे-पीछे करना शुरू कर दीजिए। गति बढ़ाते जाइए - जल्द ही हर कोई गड्ड-मड्ड हरकतें करने लगेगा और सब हँस रहे होंगे!

गतिविधि 2: समूह कार्य - बाल विवाह को परिभाषित करना

2.1 खुली चर्चा: 10 मिनट

दीवार पर या किसी स्टैंड पर 'बाल विवाह' शीर्षक लिखा एक फ़्लिप चार्ट पेपर इस तरह लगाइए कि आप उस पर लिख सकते हों। सहभागियों से कहिए कि बाल विवाह शब्द सुनने पर जो भी चीज उनके मन में सबसे पहले आए या वे इस बारे में जो भी सोचते हों उसे खुलकर शेयर करें। समूह को समझाइए कि यह एक खुली चर्चा है; जो भी कुछ बोलना चाहता है वह अपना हाथ उठा सकता है और अपने मन में आने वाली बातें बोल सकता है, और यह कि जो भी कुछ कहा जा रहा है आप उसे फ़्लिप चार्ट पेपर पर लिखेंगे। उनसे ये चर्चा करवाइए कि उनके विचार में जल्दी विवाह, जबरन विवाह, और बाल विवाह के बीच क्या अंतर हैं। कई लोगों को ये अंतर पता नहीं होते, इसलिए उनसे इन अंतरों के बारे में विचार करवाना अच्छा है। यदि आपको किसी सहभागी की बात, या उस बात को कहने का कारण समझ न आए, तो उनसे उसे आगे समझाने को कहिए। सहभागियों को एक-दूसरे से प्रश्न करने के लिए भी प्रोत्साहित कीजिए। साथ में इस चर्चा के लिए 10 मिनट का समय दीजिए।

2.2 समूह कार्य : 25 मिनट

अब, सहभागियों को समूहों में बाँटिए (समूहों की संख्या/प्रत्येक समूह में सहभागियों की संख्या इस प्रकार तय कीजिए जो आपके लिए सबसे उपयुक्त हो)। उनसे समूहों में बँटने के लिए कहिए, इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति से कहिए कि वह गिनती बोले, पहला व्यक्ति एक बोलेगा, अगला व्यक्ति दो, फिर अगला वाला तीन, और इस प्रकार यह गिनती चलेगी - कमरे में आप जितने समूह चाहते हों उनकी संख्या बोली जाने पर रुक जाइए, फिर एक से दोबारा शुरू कीजिए। इसके बाद वे एक बोलने वाले सभी को एक साथ, दो बोलने वाले सभी को एक साथ, तीन बोलने वाले सभी को एक साथ, इस तरह जारी रखते हुए मिलाकर समूह बनाएंगे। इसमें लगभग पाँच मिनट लगेंगे।

समूहों को समझाइए कि समूह कार्य का लक्ष्य सहभागियों से बाल विवाह से उनके अपने सम्बन्ध के बारे में बात करना है, उनके लिए इसका क्या अर्थ है और उनके लिए वह क्यों महत्वपूर्ण है। प्रत्येक समूह एक व्यक्ति चुनेगा जो फ़्लिप चार्ट पेपर पर नोट्स लिखेगा, और फिर बाद में बड़े समूह के सामने वापस सारांश प्रस्तुत करेगा। सहभागियों को निम्नलिखित पर विचार करने को कहिए :

1) ऐसा क्या हुआ जिसके कारण उन्होंने बाल विवाह को ख़त्म करने की दिशा में काम करने का, और इस मुद्दे पर एक कार्यकर्ता बनने में रुचि लेने का फ़ैसला लिया (जैसे कोई घटना या हालात)?
2) समझाइए कि क्यों बाल विवाह एक ऐसा मुद्दा है जिसे वे ज़ोरों से महसूस करते हैं।
समूहों के पास अपनी चर्चाओं को शेयर करने के लिए 10 मिनट हैं।

प्रत्येक समूह से बाकी समूहों के सामने अपने मुख्य निष्कर्ष और चर्चा प्रस्तुत करवाइए। साथ मिलकर, सभी समूहों के पास एक-दूसरे के साथ वापस चीजें साझा करने के लिए 10 मिनट होंगे, यानि हर समूह के पास, उसने जो कवर किया है उस पर थोड़े शीर्ष स्तरीय फ़ीडबैक के लिए लगभग दो मिनट होंगे।

गतिविधि 3: प्रशिक्षक प्रस्तुति – बाल विवाह की बुनियादी बातें

प्रशिक्षक होने के नाते यह अनुभाग इसलिए है कि आप समूह के साथ मिलकर बाल विवाह की बुनियादी बातों पर चर्चा करें और उन्हें इसमें शामिल मुख्य मुद्दे समझाएँ। इस सत्र से पहले आपने जो मुख्य बिंदु तैयार किए थे उन्हें रेखांकित करते हुए आपको प्रस्तुति (कागज़ी या इलेक्ट्रॉनिक) प्रदर्शित करनी चाहिए - ताकि सभी लोग उस बुनियादी जानकारी का उपयोग कर सकें। इसके बाद आपको अपनी दी हुई जानकारी का संबंध, सहभागियों ने जो लिखा है उससे जोड़ना होगा। हमने एक नमूना प्रस्तुति तैयार की है जिसे आप बाल विवाह के कारणों के बारे में दिखा सकते हैं, पर आपके विचार में पृष्ठभूमि विषय-वस्तु से जो भी चीज समूह के साथ साझा करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण हो उसे बेहिचक जोड़ लें।

बाल विवाह की बुनियादी बातें

- संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधिपत्र वह सबसे महत्वपूर्ण मानवाधिकार संधि है जो बच्चों के सभी अधिकारों की रूपरेखा प्रदान करती है।
- बाल विवाह वे अनौपचारिक या औपचारिक गठजोड़ हैं जिनमें एक या दोनों पक्ष 18 साल से कम उम्र के होते हैं।
- हर साल 1.2 करोड़ लड़कियों का विवाह 18 साल की उम्र से पहले कर दिया जाता है : हर 2 सेकंड में 1. इसे रोकना ही होगा!
- यह मानवाधिकारों का उल्लंघन है और लड़कों की तुलना में लड़कियों को अधिक प्रभावित करता है।
- यह दुनिया भर में और विभिन्न संस्कृतियों एवं धर्मों में होता है।
- गर्ल्स नॉट ब्राइड्स की वेबसाइट पर कहीं अधिक जानकारी उपलब्ध है, इसलिए www.girlsnotbrides.org पर जाइए।

बाल विवाह पर प्रशिक्षक प्रस्तुति 1 के लिए पृष्ठभूमि जानकारी

बच्चा कौन है?

- संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधिपत्र (आमतौर पर जिसे संक्षेप में सीआरसी या यूएनसीआरसी कहा जाता है) एक मानवाधिकार संधि है जो बच्चों के नागरिक, राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य संबंधी और सांस्कृतिक अधिकारों का वर्णन करती है। आप इसके बारे में और यहाँ पढ़ सकते हैं : https://bit.ly/2HjzOxV
- यह संधिपत्र 18 साल से कम उम्र के मनुष्य को बच्चे के रूप में परिभाषित करता है।

बाल विवाह क्या है?

- बाल विवाह वह औपचारिक या अनौपचारिक गठजोड़ है जिसमें एक या दोनों पक्ष 18 साल से कम उम्र के होते हैं।
- यूनिसेफ़ के हालिया आँकड़ों के अनुसार, हर साल लगभग 1.2 करोड़ लड़कियों का विवाह 18 साल की उम्र तक पहुँचने से पहले हो जाता है। इसका मतलब है कि हर मिनट 23 लड़कियाँ, या हर 2 सेकंड में एक लड़की - समय से बहुत पहले और बहुत कम उम्र में ब्याह दी जाती है, जिससे उसका व्यक्तिगत विकास, स्वास्थ्य और संपूर्ण कुशल-क्षेम ख़तरे में पड़ जाता है।
- यह प्रथा लड़कों से अधिक लड़कियों को प्रभावित करती है। आज जीवित पैंसठ करोड़ महिलाओं का विवाह उनके 18वें जन्मदिन से पहले कर दिया गया था, वहीं पुरुषों के मामले में यह आँकड़ा 15.6 करोड़ है।
- बाल विवाह को व्यापक रूप से मानवाधिकारों का उल्लंघन और लड़कियों के विरुद्ध एक प्रकार की हिंसा माना जाता है।

यह कहाँ-कहाँ होता है?

- बाल विवाह वास्तव में एक वैश्विक समस्या है जो विभिन्न क्षेत्रों, देशों और संस्कृतियों में मौजूद है। यह दुनिया के लगभग हर देश में और सभी धर्मों तथा जातीयों में देखने को मिलती है।
- कुछ देशों में इसके बोझ (आबादी का वह प्रतिशत जो 18 साल से कम उम्र में विवाहित हो जाता है) या इसकी व्यापकता (बाल विवाह से प्रभावित होने वालों की संख्या) की दर बहुत अधिक है। नाइजर में इसका बोझ दुनिया में सबसे अधिक है, जहाँ देश की 20 से 24 साल की 76% महिलाओं का यह कहना है कि उनका विवाह 18 साल से कम उम्र में कर दिया गया था। भारत में बाल विवाह की संख्या सर्वाधिक है जहाँ लगभग 1.55 करोड़ महिलाएँ और लड़कियाँ इससे प्रभावित हैं।

अधिक जानकारी के लिए

- बाल विवाह पर अधिक जानकारी और वैश्विक तथा देशवार नवीनतम आँकड़ों के लिए गर्ल्स नॉट ब्राइड्स की वेबसाइट पर आइए : www.girlsnotbrides.org

गतिविधि 4: समूह कार्य – आपके समुदाय में बाल विवाह के कारण

अपने समूहों को बाँटना

सत्र से पहले, आपको यह हिसाब लगाना होगा कि आपके पास कुल मिलाकर जितने सहभागी हैं उनके लिए कितने समूह बनाना ठीक रहेगा। समूह छोटे रखने की कोशिश करें : इसलिए, यदि आपके पास 20 लोग हैं तो पाँच-पाँच के चार समूह ठीक रहेंगे। यदि आप इन संख्याओं को चुनते हैं, तो आपको चार अलग-अलग फलों के नाम, और पाँच कागज़ चाहिए होंगे जिन पर फल का नाम या चित्र हो। समझाइए कि सहभागी कटोरे में से फल का नाम लिखा कागज़ उठाकर समूह बनाएंगे। इसके बाद उन्हें फल का नाम पुकार कर अन्य 'फल-मित्र' ढूंढने होंगे, यानि सारे आम एक साथ आएंगे, सारे सेब एक साथ और इसी प्रकार अन्य। इस तरह उनका समूह बन जाएगा।

समूह कार्य

सभी समूहों को इस सत्र के लिए फ़्लिप चार्ट पेपर और मार्कर चाहिए होंगे। समझाइए कि हर समूह को, उसके विचार में उसके समुदाय में बाल विवाह के जो कारण हैं, उन पर चर्चा करनी है। एक बार फिर उन्हें एक नोट टेकर चुनना होगा जो अंत में उनकी चर्चाओं का एक संक्षिप्त सारांश वापस प्रस्तुत करेगा। नोट टेकर पर चर्चा से वे सारे मुख्य बिंदु लिखने की ज़िम्मेदारी है जो उनके विचार में सबसे महत्वपूर्ण हैं। इन समूह चर्चाओं के लिए उनके पास 10 मिनट हैं।

फ़ीडबैक और खुली चर्चा

जब समूह कार्य का समय पूरा हो जाए, तो उन सभी से कहिए कि वे मुख्य संदेशों वाले अपने-अपने कागज़ दीवार पर लगा दें और जो भी उन्होंने लिखा है उसे बड़े समूह से शेयर करें। समूह, जो कुछ लिखा गया है उस बारे में एक-दूसरे से प्रश्न पूछ सकता है या स्पष्टीकरण मांग सकता है। उन्होंने कुछ कारण विशेष क्यों लिखे इस बात की चर्चा के लिए वे ऐसे कुछ उदाहरण दे सकते हैं जिसका उन्हें खुद अनुभव है। आपका कार्य चर्चा को सुगम बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि वापस प्रस्तुति देते समय समूह समय का पालन करें। इस फ़ीडबैक सत्र में सभी चर्चाओं के लिए आपके पास 15 मिनट हैं।

गतिविधि 5: प्रशिक्षक प्रस्तुति 2 – बाल विवाह के कारण

अब दोबारा प्रस्तुति देने की आपकी बारी है। बाल विवाह के कारणों पर नीचे दी गई जानकारी को रेखांकित करने के लिए आपने जो प्रस्तुति (कागज़ी या इलेक्ट्रॉनिक) पहले तैयार की थी उसका उपयोग कीजिए। प्रस्तुति को, पिछले सत्र में समूह ने जो कुछ कहा था उससे जोड़िए, और मूल कारण समझाइए। कारणों पर प्रस्तुति देने के लिए आपके पास 10 मिनट होंगे। हमारा सुझाव है कि आप अपनी प्रस्तुति के अंत में मुक्त चर्चा के लिए 5 मिनट प्रयोग करें जिसमें समूह आपके द्वारा कवर की गई चीजों के बारे में कोई भी प्रश्न पूछ सकता है, या आप उनसे कहिए कि आपने जो मुद्दे उठाए हैं उन पर उनके जो भी विचार हों वे साझा करें।

या या

उदाहरण प्रस्तुति :
बाल विवाह के मुख्य कारण

- जेंडर असमानता बाल विवाह का मूल कारण है। समाज में लड़कियों और लड़कों से, और महिलाओं एवं पुरुषों से समान व्यवहार नहीं किया जाता है, और अकसर लड़कियों को महत्व न देकर उन्हें बोझ समझा जाता है।
- ग़रीबी: यदि कोई परिवार ग़रीब है, तो अपनी बेटी का विवाह कम उम्र में कर देने को परिवार पर, और सीमित संसाधनों पर बोझ घटाने के रूप में देखा जाता है, जिससे भरने के लिए एक पेट कम हो जाता है।
- बाल विवाह को अकसर समुदाय की संस्कृति और परंपरा के हिस्से के रूप में देखा जाता है। कभी-कभी कुछ धर्म भी इस प्रथा की अनुमति देते हैं।
- जल्द, जबरन और बाल विवाह को अकसर लड़कियों को यौन दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न, 'अवैध' यौन गतिविधियों, और यौन स्वच्छंदता से बचाने के एक तरीके के रूप में देखा जाता है।
- असुरक्षा और हिंसा भी एक कारण है, क्योंकि परिवार ये सोचते हैं कि बेटियों का विवाह जल्द कर देना उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का एक तरीका है।
- कमज़ोर सरकारी तंत्र : बाल विवाह के विरुद्ध कानून हैं, पर अकसर सरकारें इन्हें लागू नहीं करती हैं, या कानून के अपवाद मौजूद होते हैं।
- लड़कियों की सीमित शिक्षा और उनके लिए सीमित आर्थिक विकल्प एक महत्वपूर्ण कारण है जिसके चलते परिवार अपनी बेटियों का विवाह बहुत छोटी उम्र में कर देते हैं।
- जागरुकता का अभाव : बहुत से लोग, विशेष रूप से छोटी लड़कियाँ, अपने अधिकारों के बारे में या उनकी सुरक्षा कैसे की जाए इस बारे में नहीं जानते हैं।

बाल विवाह के कारण

- बाल विवाह एक जटिल समस्या है जो विभिन्न कारकों के कारण होती है - हम इन कारकों को इस समस्या के 'संचालक बल' कहते हैं। ये अलग-अलग देशों में, यहाँ तक कि अलग-अलग समुदायों में भी, अलग-अलग हो सकते हैं, और एक ही समुदाय या संदर्भ में समय के साथ-साथ बदल सकते हैं।
- बाल विवाह का मूल कारण जेंडर असमानता और, समाज में लड़कियों और महिलाओं को दिया जाने वाला कम महत्व है। लड़कों के कदाचित अधिक कमाई कर सकने के सामर्थ्य के कारण उन्हें अकसर परिवार के लिए अधिक मूल्यवान माना जाता है।

जेंडर का अर्थ पुरुषों और महिलाओं के बीच की, और समाज में वे जो भूमिकाएँ निभाते हैं उनके बीच की सामाजिक भिन्नताओं और संबंधों से है - न कि उनके बीच की जैविक भिन्नताओं से।

जेंडर समानता का अर्थ जीवन में और कार्यस्थल पर महिलाओं और पुरुषों, लड़कियों और लड़कों को दिए गए समान अधिकारों, ज़िम्मेदारियों, अवसरों, व्यवहार और महत्व से है। जेंडर समानता का अर्थ है कि सभी उम्र और दोनों लिंगों के लोगों के पास जीवन में सफल होने के समान अवसर हैं।

- बाल विवाह की प्रथा वाले कई समुदायों में लड़कियों को लड़कों जितना महत्व नहीं दिया जाता है और अकसर उन्हें परिवार पर एक अतिरिक्त बोझ के रूप में देखा जाता है। कम आमदनी वाले परिवारों में बेटी को छोटी उम्र में ब्याह देना, इस 'बोझ' को उसके पति के परिवार पर डालकर अपनी चिंताएँ घटाने के तरीके के रूप में देखा जाता है।
- बाल विवाह कई समाजों में हावी पुरुष मान्यताओं (जिन्हें पितृसत्तात्मक मान्यताएँ या विश्वास कहा जाता है), और महिला की यौनिकता को नियंत्रित करने से भी नज़दीकी से जुड़ा है। उदाहरण के लिए, इसमें इस बात पर नियंत्रण शामिल है कि किसी लड़की को कैसे व्यवहार करना चाहिए, उसे कैसे कपड़े पहनने चाहिए, उसे किससे मिलने की अनुमति होनी चाहिए, और उसे किससे विवाह करना चाहिए - आमतौर पर यह नियंत्रण उसके पिता के, या परिवार अथवा समुदाय के पुरुषों के हाथों में होता है।
- कई समुदायों में परिवार अपनी बेटियों की यौनिकता की नज़दीकी सुरक्षा करते हैं। कौमार्य (कुँआरापन) को बहुत अधिक मूल्य दिया जाता है और उसका संरक्षण करना और उसे बचाए रखना अत्यावश्यक होता है, क्योंकि वह परिवार के मान-सम्मान से जुड़ा होता है और लड़की को पवित्र माने जाने के लिए ज़रूरी होता है। जिन लड़कियों के विवाहेतर यौन संबंध होते हैं, या जो बिना विवाह के गर्भवती हो जाती हैं उन्हें अकसर परिवार के लिए शर्म और अपमान का कारण माना जाता है।

संस्कृति और परंपरा

- कई समुदायों में बाल विवाह एक परंपरा है, या उसे किसी परंपरा, या संस्कृति, या कभी-कभी तो धर्म, का एक हिस्सा माना जाता है, एक ऐसा हिस्सा जो पीढ़ियों से चलता आया है।
- उदाहरण के लिए, कुछ समुदायों में जब किसी लड़की को माहवारी शुरू होती है, तो वह समुदाय की नज़र में एक स्त्री बन जाती है, और उसका विवाह कर देना उसे एक पत्नी और माँ का दर्जा दिलाने की दिशा में अगला कदम मान लिया जाता है, चाहे उसकी उम्र कुछ भी हो।
- अन्य परंपरागत प्रथाएँ अकसर इससे जुड़ी होती हैं, ख़ासतौर पर लड़कियों के विरुद्ध हानिकारक प्रथाएँ, जैसे बालिकाओं/महिलाओं का ख़तना (एफ़जीएम/सी)। इसे महिला बनने के रास्ते पर जाने और, लड़की को 'निष्कलंक' माना जाए यह सुनिश्चित करने की एक रीति के रूप में देखा जाता है।
- हालांकि बाल विवाह की प्रथा की जड़ें परंपरा और संस्कृति में हैं, परन्तु ये पुरुषों द्वारा बनाई गईं प्रथाएँ हैं जिन्हें बदला और पूरी तरह ख़त्म किया जा सकता है। इसलिए बदलाव सुनिश्चित करने की और, लड़कियों के लिए हानिकारक और क्षतिकारक इन प्रथाओं को ख़त्म करने की उम्मीद मौजूद है।

ग़रीबी

- अत्यधिक ग़रीबी वाले समुदायों में परिवार (कभी-कभी तो खुद लड़कियाँ भी) ये मानते हैं कि जल्द विवाह करना उनके भविष्य को सुरक्षित करने का एक समाधान है। इससे माता-पिता को परिवार के खर्चे घटाने में मदद मिलती है क्योंकि एक सदस्य का पेट भरने, उसके लिए कपड़े लाने और उसे पढ़ाने-लिखाने की ज़रूरतें ख़त्म हो जाती हैं।

- जिन समुदायों में दहेज या 'दुल्हन का मूल्य' दिया जाता है वहाँ ग़रीब परिवारों में इसे आमदनी का एक स्वागत-योग्य स्रोत माना जाता है। जहाँ दुल्हन का परिवार दूल्हे के परिवार को दहेज देता है वहाँ, यदि दुल्हन की उम्र कम हो और वह पढ़ी-लिखी न हो तो अकसर उन्हें कम दहेज देना पड़ता है, इसलिए परिवार खर्चे कम रखने के लिए यह विकल्प अपनाते हैं।
- लोगों की सोच और बाल विवाह की प्रथाओं पर आर्थिक स्थिति का मज़बूत प्रभाव होता है क्योंकि लड़कियों को कमाऊ सदस्य के तौर पर नहीं बल्कि आर्थिक रूप से आश्रित के रूप में देखा जाता है। लेकिन, बाल विवाह ग़रीबी के दुष्चक्र को चलाते रहने का काम करता है क्योंकि कम उम्र में ब्याह दी जाने, वाली लड़कियाँ ठीक से पढ़-लिख नहीं पाती हैं या कमाऊ वर्ग का हिस्सा नहीं बन पाती हैं।

असुरक्षा और हिंसा

- युद्ध और टकरावों से त्रस्त देशों में लड़कियाँ उत्पीड़न और शारीरिक या यौन हमलों के अधिक जोख़िम में होती हैं। असुरक्षित इलाकों में माता-पिता का असलियत में यह विश्वास होता है कि अपनी बेटियों को कम उम्र में ब्याह देने में उनकी भलाई है और इससे उन्हें ख़तरे से सुरक्षा मिलती है।
- पर हकीकत यह है कि बालिका वधुएँ हिंसा के कहीं अधिक जोख़िम का सामना करती हैं, और उनके पास अपने अधिकारों का उपयोग, विशेष रूप से अपने साथियों के साथ अपने अधिकारों का उपयोग, करने की कहीं कम शक्ति होती है।

कमज़ोर सरकारी तंत्र

- बाल विवाह दुनिया के कई देशों में ग़ैर-कानूनी है। परन्तु कानून को कई तरीकों और प्रसंगों में मरोड़ा जा सकता है, उदाहरण के लिए, यदि उसमें किसी तरह के अपवाद हों, जैसे कानूनी संरक्षकों के तौर पर माता-पिता की सहमति के जरिए विवाह। कानूनों की अलग-अलग तरह की या असमान व्याख्याएँ की जाती हैं।
- बहुत से देशों में विवाह की न्यूनतम उम्र प्रथागत या धार्मिक कानूनों में कम होती है, जो राष्ट्रीय कानूनों और अंतरराष्ट्रीय संधिपत्रों के विरोध में होती है। कई देशों में कानून नहीं होते या कानून लागू करने के साधन नहीं होते और उनके सरकारी तंत्र कमज़ोर होते हैं - इसलिए कानून महत्वपूर्ण तो हैं पर वे अपने-आप में काफ़ी नहीं हैं।

सीमित शिक्षा और सीमित आर्थिक विकल्प

- स्कूल जाने और उच्च स्तर की शिक्षा पाने से लड़कियों को बाल विवाह की संभावना से सुरक्षित रहने में और उनको उनके अधिकारों के बारे में सशक्त करने में मदद मिलती है। कई देशों में लड़कियों को शिक्षित करना, लड़कों को शिक्षित करने से कम ज़रूरी समझा जाता है।
- जब किसी महिला की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका एक पत्नी, एक माँ और एक गृहिणी की मानी जाती हो, तो लड़कियों को पढ़ाना-लिखाना और उन्हें कामकाजी जीवन के लिए तैयार करना महत्वपूर्ण नहीं माना जाता है। यहाँ तक कि जो परिवार अपनी बेटियों को स्कूल भेजना चाहते हैं, अकसर उनके पास नज़दीक में अच्छे स्कूलों का और खर्चे उठाने के लिए पैसों का अभाव होता है। सीमित संसाधनों को लड़कियों की बजाय लड़कों की शिक्षा पर खर्चना अकसर एक अधिक सुरक्षित और आर्थिक रूप से लाभकारी विकल्प समझा जाता है।

जागरुकता का अभाव

- बाल विवाह माता-पिता में, समुदायों में, और खुद बच्चों में राष्ट्रीय कानूनों और बच्चों एवं महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरुकता के अभाव का भी नतीजा है। बहुत से लोग अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों या संधिपत्रों के बारे में - या उनके अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित कैसे हो इस बारे में नहीं जानते हैं।

गतिविधि 6: प्रश्नोत्तरी और निष्कर्ष

फटाफट प्रश्नोत्तरी!

जब आप अपनी प्रस्तुति पूरी कर लें, तो समझाइए कि अब आप, उन्होंने अब तक जो सुना उसे परखना चाहते हैं और बाल विवाह से संबंधित मुख्य मुद्दे समझना चाहते हैं। प्रश्नोत्तरी का समय: पूरे समूह से ये प्रश्न पूछिए और लोगों से उनके उत्तर बुलवाइए।

- बच्चा कौन है?
- बाल विवाह क्या है?
- कारण क्या हैं? (हर व्यक्ति एक कारण बताए)

आपके पास प्रश्न पूछने और हर किसी से उत्तर पाने के लिए तीन मिनट हैं।

समापन

सभी को उनके बढ़िया कार्य और सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद कहिए और आपने जो कुछ कवर किया है और अगली कार्यशाला में जो टॉपिक कवर करेंगे उनका रिमाइंडर देकर सत्र समाप्त कीजिए। यदि आप अगला सत्र उसी सप्ताह में बाद में या अगले सप्ताह में करने जा रहे हैं, तो हर किसी को समय और दिनांक याद दिला दीजिए।

यदि आप इसे किसी पूरे दिन के प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में आयोजित कर रहे हैं, तो हमारा सुझाव है कि आप अपने समूह को अब थोड़ा सुस्ताने और थोड़ा जलपान करने के लिए एक ब्रेक दे दें। नियमित ब्रेक से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि आपका समूह सक्रिय हो, ऊर्जावान हो, और सीखने तथा भाग लेने के लिए तैयार हो!

मॉड्यूल 1 - सत्र 3: बाल विवाह – दुष्परिणाम और रोकथाम

सत्र का लक्ष्य : सहभागी लड़कियों पर बाल विवाह के प्रभावों को, रोकथाम की विभिन्न उपलब्ध रणनीतियों को, और इस मुद्दे को हल करने में विभिन्न लोग जो भूमिकाएँ निभा सकते हैं उन्हें, समझेंगे।

सहभागियों की संख्या : 24 (अधिकतम)

आवश्यक समय : 1 घंटा 30 मिनट

सत्र की रूपरेखा :

- बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानना
- बाल विवाह को खत्म करने के संभावित समाधानों से संबंधित मुद्दों पर विचार-मंथन करना

पहले से तैयार करने की चीजें :

- पृष्ठभूमि विषय-वस्तु पढ़ें और उसे अच्छी तरह जान लें ताकि विस्तृत समूह के सामने इसे प्रस्तुत करने में आपको आत्मविश्वास महसूस हो
- बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में मुख्य बिंदुओं वाली प्रस्तुति स्लाइडें (इलेक्ट्रॉनिक या कागज़ी)
- यदि आप समूह के साथ ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करेंगे तो उसका अभ्यास कीजिए
- चरण 5 में समूह गतिविधि अभ्यास तैयार कीजिए: समूह के नाम (सरकार, नागरिक समाज, और समुदाय) तैयार कीजिए और यह तैयारी भी कीजिए कि समूहों को कैसे बाटेंगे

आवश्यक सामान :

- फ़्लिप चार्ट पेपर
- मार्कर या मोटे पेन
- प्रस्तुतियाँ
- 'बाल विवाह के प्रभाव' आरेख के पर्चे
- गर्ल्स नॉट ब्राइड्स बदलाव का सिद्धांत दस्तावेज़ के पर्चे
- गतिविधि 4 के लिए समूह के नामों वाली कागज़ की पर्चियों के लिए कटोरा

	आवंटित समय	गतिविधि
1	5 मिनट	आपका स्वागत है • पुनर्परिचय और रिमाइंडर (यदि स्वतंत्र सत्र संचालित कर रहे हों) • सत्र के लक्ष्य और विषय-बिंदुओं का संक्षिप्त परिचय (यदि इसे मॉड्यूल 1: सत्र 2 के बाद तुरंत जोड़ने के रूप में कर रहे हों) सत्र 2 से तत्काल अनुवर्तन (फ़ॉलो-ऑन) के रूप में कर रहे हों)
2	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : बाल विवाह के प्रभाव और दुष्परिणाम
3	15 मिनट	समूह चर्चा : बाल विवाह के वे परिणाम जो आप अपने समुदाय में देखते हैं या जिन्हें आप अपने अनुभव से जानते हैं
4	30 मिनट	समूह कार्य सत्र : आपके समुदाय में रोकथाम की कौनसी रणनीतियाँ सफल रहेंगी?
5	15 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : रोकथाम की रणनीतियाँ
6	15 मिनट	खुली चर्चा और सत्र का समापन

1.3 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

गतिविधि 1: आपका स्वागत है

यदि आप इसे एक स्वतंत्र/पृथक सत्र के रूप में कर रहे हैं

अपने समूह का फिर से एक साथ स्वागत करें। इस मॉड्यूल के सत्र 2 की भांति, यदि आप इसे एक स्वतंत्र सत्र के रूप में कर रहे हैं (जब आप यह सत्र पिछले सत्र के बाद के किसी दिन पर या सप्ताह में आयोजित कर रहे हैं), तो सभी से दोबारा उनका परिचय दिलवाइए ताकि उन सभी को एक-दूसरे के नाम याद हो जाएँ। उन्हें याद दिलाइए कि हम सभी यहाँ साथ क्यों हैं और फटाफट से उन्हें संवेदनशीलता चेतावनी और वे मूल नियम फिर से याद दिलाइए जो की आपने साथ मिलकर तय किए थे। समूह को समझाइए कि इस सत्र में हम साथ मिलकर बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानेंगे। पिछले सत्र में आपने जो मुख्य बिंदु कवर किए थे उनका फटाफट दोहराव भी उपयोगी रहेगा - हमारा सुझाव है कि आप उन दो प्रस्तुतियों को फटाफट दोहरा लें जो आपने सत्र 2 में दिखाई थीं।

यदि आप इसे पूरे प्रशिक्षण के भाग के रूप में कर रहे हैं

यदि आप इसे पूरे प्रशिक्षण (सभी सत्र संयुक्त) के भाग के रूप में आयोजित कर रहे हैं, तो हमारा सुझाव है कि यही समय है एक ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करने का, और आपको रिमाइंडर देने की या सत्र की पुनरावृत्ति करवाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। आप बस सत्र के मुख्य लक्ष्य, वे मुख्य विषय-बिंदु जिन पर आप चर्चा करने जा रहे हैं, और संवेदनशीलता तथा एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करने के बारे में एक संक्षिप्त रिमाइंडर पेश कर दीजिए।

गतिविधि 2: प्रशिक्षक प्रस्तुति – बाल विवाह के दुष्परिणाम

इस अनुभाग में सभी सहभागियों के लिए एक रिमाइंडर के रूप में बाल विवाह का पिछले सत्र वाला चार्ट प्रयोग करना उपयोगी रहेगा। यही समय है अपना सत्र प्रस्तुत करने का, जो बाल विवाह के दुष्परिणामों की छानबीन करेगा। सरल बुलेट पॉइंट के उदाहरणों की यह तालिका प्रयोग कीजिए जिसे आप समूह के समक्ष अपनी प्रस्तुति में शामिल कर सकते हैं। हमारा सुझाव है कि आप, बाल विवाह के प्रभावों को दृश्य रूप में दर्शाने में मदद के लिए वह आरेख प्रयोग करें जो हमने शामिल किया है। हमारा सुझाव है कि आप स्वयं सत्र की शुरुआत करने की बजाय विभिन्न सहभागियों से एक-एक वाक्य पढ़वाएँ। वाक्य पढ़ने वाले प्रत्येक सहभागी से पूछें कि उसने जो कथन पढ़ा उसके बारे में वह क्या सोचता है। यह उनसे विषय बिंदु पर विचार करवाने का, और सत्र में आप जिस पर चर्चा कर रहे हैं उसमें सहभागियों को संलग्न और शामिल करने का एक अच्छा तरीका है।

उदाहरण प्रस्तुति :

बाल विवाह के कारण क्या होता है?

- बाल विवाह के फलस्वरूप बहुत सी नकारात्मक चीजें हो सकती हैं। सबसे महत्वपूर्ण तो यह है कि यह लड़कियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के अधिकारों का संरक्षण और उनका लागू होना रोक देता है।
- बाल विवाह लड़कियों के मौलिक मानवाधिकारों के सभी पहलुओं - स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिकी, और असमानता - पर प्रभाव डालता है और उनका हिंसा एवं ग़रीबी का जोख़िम बढ़ाता है।
- बाल विवाह लड़कियों को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर देता है।
- यह उन्हें ग़रीबी के दुष्चक्र में फँसा देता है।
- इससे वे जबरन गर्भावस्था और कम उम्र में माँ बनने के कारण, एक स्वस्थ जीवन जीने के अपने अधिकार से या अपने खुद के यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकारों को नियंत्रित करने से वंचित हो जाती हैं। नतीजतन गर्भावस्था और प्रसव के दौरान मृत्यु होने या चोट/क्षति पहुँचने का जोख़िम बढ़ जाता है।
- इससे उसके पास गर्भावस्था या संक्रमण रोकने की जानकारी या सेवाओं तक पहुँच न के बराबर रह जाती है और उसके जल्दी-जल्दी माँ बनने की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं।
- इससे उसके पास अपने फ़ैसलों पर मोलतोल/बातचीत करने या उन्हें नियंत्रित करने की शक्ति नहीं रह जाती है। उदाहरण के लिए, इसके कारण लोग एचआईवी/एड्स के प्रति अधिक असुरक्षित हो सकते हैं और उसके अधिक संपर्क में आ सकते हैं, और इससे लड़कियाँ सुरक्षित यौन व्यव्हार पर अपनी बात मनवाने में असक्षम हो सकती हैं। इससे उसके साथ शारीरिक, भावनात्मक या मौखिक दुर्व्यवहार होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

यह एक सरल डायग्राम है जिसको आप अपनी प्रस्तुति के लिए प्रयोग कर सकते हैं : ये सूचनाचित्र आप जो चर्चा कर रहे हैं उसे दृश्य रूप में दिखाने में उपयोगी होते हैं। ऐसे और संसाधनों के लिए, हमारी वेबसाइट पर आइए : www.girlsnotbrides.org

जब आप चित्र प्रस्तुत करें तब के लिए नोट्स : अपने समूहों को समझाइए कि यदि हम इसे होने से नहीं रोकते हैं, तो इससे प्रभावित होते जाने वाले लोगों की एक लंबी शृंखला बन जाएगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि बचपन में जबरन ब्याह दी जाने वाली बहुत सी महिलाएँ अपने बच्चों के साथ ऐसा होने से रोकने के अपने अधिकार और शक्तियाँ खो बैठती हैं। हमारा सुझाव है कि आप चित्र के बारे में विस्तार से बात करें और विभिन्न सहभागियों से इसका प्रत्येक भाग पढ़वाएँ और इस बारे में बात करवाएँ कि वे उनके बारे में क्या सोचते हैं।

आपकी प्रस्तुति के लिए पृष्ठभूमि जानकारी

बाल विवाह के दुष्परिणाम

- बाल विवाह मानवाधिकारों का एक उल्लंघन है। यह कम उम्र लड़कियों को उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास और संरक्षण के अधिकार से पूरी तरह वंचित कर देता है। ये स्थितियाँ न केवल खुद लड़कियों को, बल्कि उनके बच्चों और गृहस्थियों को, और समुदायों एवं पूरे-के-पूरे समाज को भी प्रभावित करती हैं।
- स्वास्थ्य : छोटी उम्र में विवाह से लड़कियाँ स्वस्थ जीवन के अधिकार से वंचित रह जाती हैं, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि अकसर उन्हें कम उम्र में माँ बनने पर मजबूर किया जाता है, जिससे गर्भावस्था या प्रसव के दौरान मृत्यु होने या चोट/क्षति पहुँचने का जोख़िम बढ़ जाता है। इससे नवजात शिशु के लिए भी मृत्यु और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जटिलताओं का जोख़िम बढ़ता है।
- इससे लड़कियों के लिए एचआईवी/एड्स का संपर्क/जोख़िम बढ़ सकता है क्योंकि वे सुरक्षित यौन व्यवहारों पर अपनी बात नहीं मनवा सकती हैं। इससे उनके साथ भौतिक, यौन और भावनात्मक हिंसा होने का जोख़िम बढ़ता है। 18 साल से कम उम्र में ब्याह दी जाने वाली लड़कियों के साथ ससुराल में हिंसा होने की संभावना, बाद में ब्याही जाने वाली लड़कियों की तुलना में अधिक होती है क्योंकि संबंधों में शक्ति का संतुलन बिगड़ा हुआ होता है।

- इससे लड़कियाँ अपने खुद के जीवन के बारे में चुनने और खुद के लिए मुख्य निर्णय करने के अधिकार से वंचित हो जाती हैं। बालिका वधुओं की इस बारे में नहीं चलती कि वे विवाह करेंगी या नहीं, करेंगी तो कब और किससे करेंगी।
- बाल विवाह लड़कियों को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर देता है। विवाह होने पर अकसर लड़की को स्कूल छोड़ना पड़ता है। इससे, उसके लिए नौकरी और लड़कों के समान आर्थिक अवसरों तक पहुँच सुनिश्चित करने वाले कौशल सीखने की उसकी योग्यता प्रभावित होती है। इसके बिना, वह ग़रीबी के दुष्चक्र से नहीं निकल पाती है और उसी में फँसी रहती है।

गतिविधि 3: समूह चर्चा - आपको अपने समुदाय में बाल विवाह के कौनसे दुष्परिणाम दिखाई देते हैं?

सहभागियों को बताइए कि अब हम बाल विवाह के दुष्परिणामों और लड़कियों के जीवन पर उनके प्रभावों का अध्ययन कर चुके हैं। यह समझाइए कि आप उनके साथ इस बारे में एक खुली चर्चा करना चाहते हैं कि उनके विचार में बाल विवाह के ऐसे कौनसे दुष्परिणाम हैं जो उन्हें उनके समुदाय में दिखाई देते हैं। ऐसा इसलिए है ताकि वे सोचें कि उनके नज़रिए से और उनके समुदायों में प्रभाव क्या-क्या हैं, और साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए भी है कि वे इस प्रथा से लड़कियों के जीवन में होने वाले सभी दुष्परिणामों को समझते हों।

जहाँ भी ज़रूरत हो, सहभागियों से कहिए कि वे अपनी कही बातों को और स्पष्ट करें, तथा और समझाएँ, या अपने खुद के अनुभव से उदाहरण दें। उदाहरण के लिए, यदि वे कहें "हिंसा", या "ख़राब स्वास्थ्य", तो उनसे कहिए कि वे और समझाएँ या उदाहरण देकर बताएँ कि उनका क्या अर्थ है। प्रशिक्षक होने के नाते, उसके बाद आपको समूह के विभिन्न सदस्यों की कही बातों को फ़्लिप चार्ट पेपर पर लिखना चाहिए। संपूर्ण समूह के साथ खुली चर्चा के लिए आपके पास 15 मिनट हैं।

गतिविधि 4: समूह कार्य – आपके समुदाय में रोकथाम की कौनसी रणनीतियाँ सफल रहेंगी?

समूह बनाना

इस गतिविधि के लिए, हमारा सुझाव है कि बाल विवाह को ख़त्म करने के लिए जिम्मेदार तीन मुख्य स्टेकहोल्डर्स या हितधारकों में बाँट दीजिए । वे हैं सरकार, सामाजिक संस्थाएं, और समुदाय। सभी सहभागियों को इन तीन समूहों में बाँट दीजिए जो फिर इन हितधारकों के रूप में अभिनय करेंगे, ताकि वे यह समझ सकें कि प्रत्येक समूह को किन चीजों पर फ़ोकस करने की ज़रूरत है, और प्रत्येक समूह बाल विवाह ख़त्म करने में योगदान देने की दृष्टि से क्या महत्व रखता है। आपको "सरकार", "सामाजिक संस्था", और "समुदाय नेता" लिखे कागज़ चाहिए होंगे; उन्हें मोड़कर कटोरे में रख दीजिए ताकि लोग उन पर लिखे शब्द न पढ़ सकें। (समूह में लोगों की संख्या में तीन से भाग दीजिए, उसके बाद प्रत्येक हितधारक समूह के लिए उतनी ही संख्या में कागज़ की पर्चियाँ बनाइए - प्रत्येक सहभागी के लिए एक।) कटोरा घुमाइए और हर किसी से एक पर्ची उठवाइए (अभी उसे खोलकर पढ़ने को मत कहिए)। तीनों समूहों से कहिए कि वे एक-दूसरे को पुकार-पुकार कर अपने समूह सदस्य ढूंढें और फिर उन्हें अलग-अलग मेज़ों पर बैठ जाने को कहिए। उनके समूह बनवाने के लिए आपके पास 5 मिनट हैं।

समूह कार्य

तीनों समूहों को समझाइए कि बाल विवाह उनके देश में अत्यधिक व्याप्त है और और उन्हें उसका ख़ात्मा करने के लिए अग्रणी कर्ता की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें रोकथाम के लिए तीन मुख्य हस्तक्षेप या रणनीतियाँ तैयार करनी हैं। उनके लिए इस बारे में विचार करना अच्छा रहेगा कि उनके देश/समुदाय में इस मुद्दे पर पहले

से क्या किया जा रहा है, और फिर यह कि, इसके हल के लिए और क्या करने की ज़रूरत है और इसमें मदद के लिए उनकी भूमिका क्या होगी।

अन्य समूह कार्यों की ही तरह यहाँ भी, हर समूह को एक नोट टेकर चुनना होगा जो चर्चा के मुख्य बिंदु नोट करके बड़े समूह के सामने वापस प्रस्तुत करेगा। समझाइए कि वे बाल विवाह ख़त्म करने के तरीकों के संबंध में मदद के लिए गर्ल्स नॉट ब्राइड्स बदलाव का सिद्धांत प्रयोग कर सकते हैं। समूहों के पास अपने बीच इस पर चर्चा के लिए 15 मिनट हैं। समूहों से कहिए कि वे अपनी-अपनी रणनीतियाँ लिखें और बड़े समूह के सामने प्रस्तुत करें : सभी समूहों के लिए वापस प्रस्तुति देने हेतु 10 मिनट हैं, इसलिए सुनिश्चित कीजिए कि वे अपनी प्रस्तुतियाँ सरल और संक्षिप्त रखें।

गतिविधि 5: प्रशिक्षक प्रस्तुति - रोकथाम की रणनीतियाँ

यह प्रशिक्षक के रूप में आपके द्वारा संचालित होने वाला अगला प्रस्तुति सत्र है, और इसका फ़ोकस बाल विवाह के रोकथाम की विभिन्न रणनीतियों पर व्यवस्थित और विस्तृत चर्चा करने पर है। यह दिखाना मददगार है कि रोकथाम की रणनीतियों पर आपकी प्रस्तुति और, समूह ने दुष्परिणामों के बारे में पिछले विचार-मंथन सत्र से जो कुछ पहले ही लाकर रख दिया है, उनके बीच क्या जुड़ाव हैं और नकारात्मक परिणामों को सीमित करने के लिए ये रणनीतियाँ किस प्रकार कार्य करती हैं। हमारा सुझाव है कि आप इस प्रस्तुति के लिए 10 मिनट का उपयोग करें और, यदि किसी के पास कोई प्रश्न हो या कोई चीजों को फिर से विस्तार से समझना चाहता हो तो, अंत के 5 मिनटों में एक खुली चर्चा करवाएँ।

आपकी प्रस्तुति के लिए पृष्ठभूमि जानकारी

बाल विवाह की रोकथाम कैसे करें

- क्योंकि बाल विवाह के बहुत सारे कारण हैं, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि ऐसे कई तरीके हैं जिनसे हम इस प्रथा को समाप्त करने के लिए काम कर सकते हैं।बाल विवाह की रोकथाम करने का मतलब है कि हमें सभी स्तरों - विश्व-स्तर से लेकर सीधे सामुदायिक-स्तर तक - पर कदम उठाने होंगे। और हमें विभिन्न क्षेत्रों में साथ मिलकर कार्य कर रहे इतने सारे अलग-अलग समूहों - सरकारों से लेकर सामाजिक संस्थाओं, माता-पिता और समुदाय के नेताओं से लेकर सीधे आप, यानि सबसे सीधे तौर पर प्रभावित समूहों तक - से एक समावेशी और सामूहिक पद्धति चाहिए।
- गर्ल्स नॉट ब्राइड्स का बदलाव का सिद्धांत दिखाता है कि बाल विवाह की रोकथाम करने और विवाहित लड़कियों की सहायता करने के लिए हर किसी को भूमिका निभानी है। यह हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सरकारें क्या कर सकती हैं ...

- बाल विवाह प्रतिबंधित करने के कानून बनाएँ और उनमें अपवाद संभव बनाने वाले खंडों/भागों, जैसे माता-पिता या धार्मिक सहमति के साथ कम उम्र में विवाह, को हटाएँ।
- सरकारों को ऐसी राष्ट्रीय रणनीतियाँ बनानी होंगी जो बाल विवाह को रोकने या उसे टालने की कार्य योजनाएँ हों। सबसे ग़रीब और सर्वाधिक हाशिये पर मौजूद लड़कियों को लक्ष्य बनाने के लिए इन राष्ट्रीय रणनीतियों में पृथक निवेश आवश्यक है, क्योंकि वे ही बाल विवाह के प्रति सबसे अधिक असुरक्षित होती हैं।
- अच्छी गुणवत्ता की सेवाएँ जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और संरक्षण, प्रदान करें और यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य करें कि लड़कियाँ, चाहे वे जिस भी पृष्ठभूमि या आय-वर्ग की हों, इन सेवाओं तक पहुँच सकती हों। इससे माता-पिता भी अपनी लड़कियों को स्कूल भेजने के लिए और उन्हें अधिकतम संभव समय तक स्कूल भेजते रहने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

सामाजिक संस्थाएं/ संगठन (सीएसओ) क्या कर सकते हैं ...

- मुद्दे पर और उसमें जो भी कुछ शामिल है उन सबके बारे में जागरुकता फैलाएँ! चूंकि कई देशों में यह अभी-भी एक वर्जित विषय है, अतः चर्चाओं को प्रोत्साहित करने से समुदायों को जागरुक बनाने और शिक्षित करने में मदद मिलती है। लोगों के मौलिक मानवाधिकारों से संबंधित जानकारी के जरिए बाल विवाह के दुष्परिणाम शेयर करना - इससे लोगों को बाल विवाह से लड़कियों और महिलाओं पर पड़ने वाले विभिन्न प्रभावों को समझने में मदद मिलती है। पुरुषों और लड़कों को जोड़ना जरुरी है ताकि वे भी बाल विवाह को खत्म करने की लड़ाई में सक्रिय हो सकें।
- लड़कियों और उनके समुदायों को बाल विवाह को ना कहने के लिए सशक्त बनाने वाली परियोजनाएँ कार्यान्वित करें। ऐसा कौशल निर्माण करके, ज्ञानवर्धन करके, और लड़कियों की फ़ैसले लेने की योग्यताओं और अवसरों तक पहुँच को बढ़ाने में मदद करने वाले सहयोग नेटवर्क सुलभ करा कर किया जा सकता है। साथियों के नेटवर्क इसमें बहुत महत्वपूर्ण हैं।
- अन्य स्टेक होल्डर्स / हितधारकों के साथ कार्य करें : बाल विवाह के विरुद्ध सरकारी कानून का समर्थन करें, जहाँ ऐसे कानून मौजूद नहीं हैं वहाँ ऐसे कानून बनाए जाने के पक्ष में आवाज़ उठाएँ। धार्मिक नेताओं और समुदाय के बुजुर्गों को एकजुट करें और परंपरागत प्रथाओं, जैसे बाल विवाह, के हानिकारक प्रभावों पर शिक्षित करें।

समुदाय के और परंपरागत नेता क्या कर सकते हैं ...

- राय बदलने में सहायता करें - लड़कियों और महिलाओं को नुकसान पहुँचाने वाली परंपरागत और सांस्कृतिक प्रथाएँ बदली जा सकती हैं। “यह हमारी संस्कृति है” कहना अब काफ़ी नहीं रहा - और नकारात्मक प्रभावों को समझने तथा प्रथाओं को बदलने में, विशेष रूप से शिक्षा तक लड़कियों की पहुँच से जुड़े पारंपरिक, भेदभावपूर्ण विचारों को बदलने के संबंध में, परंपरागत और धार्मिक नेता बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।
- बाल विवाह के विरुद्ध कानून पारित करवाने में और इन कानूनों का समर्थन हो यह सुनिश्चित करने में सरकार और नागरिक समाज के प्रयासों का समर्थन करें। साथ ही, जानकारी को दूर-दूर तक फैलाने में भी मदद करें ताकि समुदाय का कोई भी सदस्य इस बदलाव में पीछे न छूटे।
- यदि प्रभावित समुदायों के पुरुष, बच्चियों से विवाह करने का विकल्प न चुनें तो बाल विवाह होंगे ही नहीं। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि पुरुषों को लड़कियों के अधिकारों के बारे में और, कम उम्र में विवाह किस प्रकार लड़कियों के स्वास्थ्य और प्रसन्नता के लिए किस प्रकार हानिकारक है और पारिवारिक इकाई के लिए किस प्रकार विनाशकारी है इस बारे में, शिक्षित किया जाए। चूंकि अधिकांश परंपरागत या धार्मिक नेता पुरुष होते हैं, अतः वे महिलाओंएवं लड़कियों का मूल्य समझने के लिए समुदाय में बदलाव लाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

गतिविधि 6: खुली चर्चा और सत्र समापन

हमारा सुझाव है कि आप संपूर्ण सत्र के अंत के कुछ मिनट एक खुले स्थान के रूप में रखिए ताकि कोई भी प्रश्न पूछ सके, मुद्दों पर दोबारा चर्चा को कह सके, या अन्य सत्रों की पुनरावृत्ति को कह सके, या उसके लिए जो भी महत्वपूर्ण बात हो उसे चिह्नित कर सके। यह समय यह पूछने का एक महत्वपूर्ण सत्र भी हो सकता है कि समूह के विचार में उसने अब तक क्या सीखा है। उसके बाद, आपने जो मुद्दे कवर किए हैं उन्हें, दीवार पर मौजूद चार्टों को दोहरा कर सारांशित कर सकते हैं। हमेशा की तरह, सभी को उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद कहिए, और अगले सत्र की रूपरेखा समझाइए।

Photo © Allison Joyce / *Girls Not Brides*

मॉड्यूल 2 -
अपने समुदाय में बाल विवाह पर शोध करना

मॉड्यूल का संक्षिप्त विवरण
Missing text for Module Overview
in translation version
?????????

मॉड्यूल 2 - सत्र 1: जेंडर विश्लेषण

मॉड्यूल का लक्ष्य: समूह के हर व्यक्ति द्वारा यह समझना कि जेंडर समानता से हमारा क्या अर्थ है और जेंडर विश्लेषण कैसे करते हैं। हम यह भी छानबीन करेंगे कि बाल विवाह के मुद्दे से निपटने के लिए लड़कों और पुरुषों को शामिल करना क्यों ज़रूरी है?

सहभागियों की संख्या : 24 (अधिकतम)

आवश्यक समय : 2 घंटे, 35 मिनट

सत्र की रूपरेखा :

- लिंग के बारे में जानना; जेंडर समानता क्या है
- जेंडर विश्लेषण कैसे करें
- यह समझना कि उद्देश्य के समर्थकों के रूप में पुरुषों और लड़कों के साथ कैसे कार्य किया जाए

पहले से तैयार करने की चीजें :

- पृष्ठभूमि विषय-वस्तु पढ़ें और उसे अच्छी तरह जान लें ताकि विस्तृत समूह के सामने इसे प्रस्तुत करने में आपको आत्मविश्वास महसूस हो
- प्रस्तुति स्लाइडें (इलेक्ट्रॉनिक या कागज़ी)
- यदि आप समूह के साथ ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करेंगे तो उसका अभ्यास कीजिए
- समूह के हर सदस्य के लिए जेंडर व्यवहारों की तालिका की कॉपियाँ बनाइए।

आवश्यक सामान :

- फ़्लिप चार्ट पेपर
- मार्कर या मोटे पेन
- प्रस्तुतियाँ

	आवंटित समय	गतिविधि
1	5 मिनट	स्वागत • पुनर्परिचय और रिमाइंडर (यदि स्वतंत्र सत्र संचालित कर रहे हों) या • ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि और सत्र के लक्ष्य का संक्षिप्त परिचय
2	5 मिनट	खुली चर्चा : जेंडर क्या है?
3	20 मिनट	समूहों में चर्चा : जेंडर की पहली यादें/ आप जेंडर विशेष के है इसकी महसुसियत की पहली याद
4	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : जेंडर क्या है?
5	10 मिनट	खुली चर्चा : जेंडर समानता
6	25 मिनट	समूहों में चर्चा : जेंडर असमानता
7	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : जेंडर समानता बनाम जेंडर असमानता क्या है?
8	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : जेंडर विश्लेषण

9	35 मिनट	समूह कार्य : जेंडर विश्लेषण करना
10	5 मिनट	विचार-मंथन : पुरुषों और लड़कों को शामिल क्यों करें?
11	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : पुरुषों और लड़कों के साथ कार्य करना
12	10 मिनट	निष्कर्ष और सत्र का समापन

2.1 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

गतिविधि 1: स्वागत

यदि आप इसे एक स्वतंत्र सत्र के रूप में कर रहे हैं

अपने समूह का फिर से एक साथ स्वागत करें। मॉड्यूल 1 के पिछले सत्र की भांति, यदि आप इसे एक स्वतंत्र सत्र के रूप में कर रहे हैं (जैसे, यह पिछले सत्र के बाद का दिन या सप्ताह है), तो हर किसी से दोबारा उसका परिचय दिलवाएँ ताकि उन सभी को एक-दूसरे के नाम याद हो जाएँ। उन्हें याद दिलाइए कि हम सभी यहाँ साथ क्यों हैं और फटाफट से उन्हें संवेदनशीलता चेतावनी और वे मूल नियम फिर से याद दिलाइए जो की आपने साथ मिलकर तय किए थे। समूह को समझाइए कि इस सत्र में हम लिंग के मुद्दे की और, एडवोकेसी के लिए जेंडर विश्लेषण कैसे करें इस बात की छानबीन करेंगे। पिछले सत्रों में आपने जो मुख्य बिंदु कवर किए हैं उन्हें फटाफट दोहरा लेना भी उपयोगी रहेगा। हमारा सुझाव है कि आप पहले की तरह प्रस्तुति स्लाइडों को संक्षेप में अवश्य दोहराएँ - पर यदि आपके पास समय की कमी है तो आपकी पिछली प्रस्तुतियों का एक फटाफट दोहराव, समूहों को आपके द्वारा कवर हो चुके मुद्दों पर वापस सही गति पर लाने में मदद करेगा।

यदि आप इसे पूरी प्रशिक्षण कार्यशाला के भाग के रूप में कर रहे हैं

यदि आप इसे पूरी प्रशिक्षण कार्यशाला (सभी सत्र संयुक्त) के भाग के रूप में आयोजित कर रहे हैं, तो हमारा सुझाव है कि यही समय है एक ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करने का, और आपको रिमाइंडर देने की या सत्र की पुनरावृत्ति करवाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। आप बस सत्र के मुख्य लक्ष्य, वे मुख्य विषय-बिंदु जिन पर आप चर्चा करने जा रहे हैं, और संवेदनशीलता तथा एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करने के बारे में एक संक्षिप्त रिमाइंडर पेश कर दीजिए।

ऊर्जावान बनाने वाली संभावित गतिविधि : बाज़ार में खरीददारी

ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि सभी को आपस में जुड़ने में मदद करती है और एक मज़ेदार और तनाव रहित माहौल बनाती है। यह गतिविधि यह सुनिश्चित करने के लिए भी अच्छी है कि लोग जगे हुए, सतर्क, और कार्य करने के लिए तैयार हों।

समूह को समझाइए कि यह एक याददाश्त का खेल है। सभी को एक गोले में खड़ा कीजिए/बैठाइए: शुरू करने के लिए कोई एक व्यक्ति चुनिए और समझाइए कि हर किसी को उससे पहले बोली गई खरीददारी की सूची में एक वस्तु जोड़कर बोलना होगा, इसलिए उन्हें ठीक से सुनना भी होगा। पहला व्यक्ति कहेगा, "बाज़ार में मैंने खरीदा...", और फिर वह किराने की उस वस्तु का नाम लेगा जो वह खरीदना चाहता है। उसके बाद अगला व्यक्ति कहेगा : "बाज़ार में मैंने xxx खरीदा (पिछले व्यक्ति ने जो खरीदा था) और मैंने yyy जोड़ा (टोकरी में कोई सब्जी / फल / किराने की कोई वस्तु जोड़िए)। गोले में हर व्यक्ति इसी प्रकार, कुछ भी भूले या छोड़े बिना करता जाएगा, जिससे खरीददारी की सूची बढ़ती जाएगी।

गतिविधि 2: खुली चर्चा - जेंडर क्या है?

पूरे समूह से यह बताने को कहिए कि जब वे "जेंडर" शब्द सुनते हैं तो उनके मन में क्या आता है। प्रशिक्षक के रूप में आपको, सहभागियों की कही बातें फ़्लिप चार्ट पेपर पर लिख लेनी चाहिए। 5 मिनट तक खुली चर्चा करवाएँ।

गतिविधि 3: समूह चर्चा - जेंडर की पहली यादें

सहभागियों से कहिए कि वे अपनी दायीं ओर बैठे व्यक्ति की ओर मुड़ें और जोड़ा बना लें। प्रत्येक जोड़े से कहिए कि जब उन्हें एहसास हुआ कि वे लड़का हैं या लड़की, या जब उन्हें जेण्डरों के बीच का अंतर महसूस हुआ तब की अपनी सबसे शुरुआती यादों के बारे में, और उससे उन्हें कैसा महसूस हुआ था इस बारे में 10 मिनटों तक चर्चा करें। सभी जोड़ों को अपनी चर्चाएं एक कागज़ पर लिख लेनी चाहिए। उसके बाद प्रत्येक जोड़े को, अपने साझेदार के अनुभव पर बड़े समूह के सामने संक्षेप में चर्चा करनी है। इसे 10 मिनटों तक कीजिए। जब सभी लोग शेयर कर चुके हों, तो पूछिए कि क्या किसी को किसी और बात पर चर्चा करनी है, और एक मुक्त स्थान चर्चा के लिए कुछ मिनट रखिए। और अपने अनुभव भी शेयर कीजिए।

गतिविधि 4: प्रस्तुति - जेंडर क्या है?

जब आप बाल विवाह से निपटने के लिए कार्य करते हैं, तो यह समझना महत्वपूर्ण है कि किस प्रकार जेंडर मानदंड बाल विवाह की प्रथा को कायम रखने में एक भूमिका निभाते हैं। सामाजिक जेंडर (जेंडर) और जैविक जेंडर (सेक्स) दो अलग-अलग चीजें हैं। जैविक जेंडर (सेक्स) का अर्थ पुरुष और महिलाओं की जैविक विशेषताओं से है। उदाहरण के लिए : पुरुषों में शुक्राणु उत्पन्न होते हैं और महिलाओं में अंड कोशिकाएँ। सामाजिक जेंडर (जेंडर) का अर्थ समाज द्वारा पुरुषों और महिलाओं के लिए परिभाषित भूमिकाओं और व्यवहारों से है। जब हम पुरुषों और महिलाओं से एक निश्चित ढंग से व्यवहार करने की अपेक्षा सिर्फ़ इसलिए रखते हैं कि वे पुरुष और महिला हैं, तो हम "जेंडर मानदंडों" का पालन कर रहे होते हैं। अलग-अलग संस्कृतियों में अलग-अलग जेंडर मानदंड हो सकते हैं या पुरुषोंएवं महिलाओं से उनकी व्यवहार की अपेक्षाएँ अलग-अलग हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ संस्कृतियाँ महिलाओं से यह अपेक्षा करती हैं कि वे घर पर रहें और घरेलू कार्य करें, और पुरुष बाहर जाकर कार्य करें। इन मानदंडों को जेंडर भूमिकाएँ भी कहा जाता है; ये वे विशिष्ट भूमिकाएँ हैं जो समाज में, या यहाँ तक कि परिवार में भी, पुरुषों एवं महिलाओं से अपेक्षित

होती हैं। सामाजिक जेंडर (जेंडर) का अर्थ किसी समाज विशेष में पुरुष या महिला होने के साथ जुड़े आर्थिक, सामाजिकऔर सांस्कृतिक विशेषताओं और अवसरों से होता है। यह निर्धारित करता है कि कोई पुरुष या महिला क्या कर सकते हैं, वे क्या हो सकते हैं, और किसी समाज विशेष में उनके पास क्या हो सकता है। एक से दूसरी पीढ़ी में, अलग-अलग समयों पर, और अलग-अलग संस्कृतियों में जेंडर भूमिकाएँ बदल सकती हैं।

- मनुष्य नर या मादा पैदा होता है, पर वह लड़की और लड़का होना सीखता है जो बड़े होकर महिला और पुरुष बनते हैं।
- जेंडर भूमिकाएँ किसी समाज, समुदाय या अन्य सामाजिक समूह विशेष में सीखे गए व्यवहार होते हैं। वे उन गतिविधियों, कार्यों और ज़िम्मेदारियों का निर्धारण करते हैं जिन्हें नर या मादा के लिए उपयुक्त समझा जाता है।
- लड़कियों और लड़कों को यह सिखाया जाता है कि उनके लिए सही व्यवहार और रवैया, भूमिकाएँ और गतिविधियाँ क्या हैं, और कैसे उन्हें दूसरे लोगों से संबंधित होना चाहिए। यही सीखा हुआ व्यवहार जेंडर पहचान बनाता है, और जेंडर भूमिकाएँ तथा ज़िम्मेदारियाँ तय करता है।
- अलग-अलग संस्कृतियों में, और एक ही संस्कृति में अलग-अलग सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक समूहों में जेंडर भूमिकाएँ बेहद अलग-अलग होती हैं।
- जेंडर भूमिकाएँ समय के साथ भी बदल सकती हैं। किसी समाज में लड़कियों और लड़कों तथा महिलाओं और पुरुषों के लिए समाज द्वारा परिभाषित भूमिकाएँ पीढ़ियों से गुजरते हुए बदल सकती हैं, वहीं कुछ अन्य समाजों में वे इसी जरिए से कहीं अधिक लंबे समय तक जारी रह सकती हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीन मिस्र में पुरुष घर पर रहते थे और बुनाई करते थे। महिलाएँ पारिवारिक व्यवसाय संभालती थीं। महिलाओं को विरासत में संपत्ति मिलती थी और पुरुषों को नहीं। आधुनिक मिस्र में ये भूमिकाएँ बदल चुकी हैं।

उदाहरण प्रस्तुति :जेंडर

- जेंडर का अर्थ समाज में किसी पुरुष या महिला को सौंपी गई आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों से है।
- एक से दूसरी पीढ़ी में और अलग-अलग संस्कृतियों में जेंडर भूमिकाएँ बदल सकती हैं और अलग-अलग होती हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीन मिस्र में पुरुष घर पर रहते थे और बुनाई करते थे। महिलाएँ पारिवारिक व्यवसाय संभालती थीं। महिलाओं को विरासत में संपत्ति मिलती थी और पुरुषों को नहीं। आधुनिक मिस्र में ये भूमिकाएँ पूरी तरह बदल चुकी हैं।
- यह निर्धारित करता है कि कोई पुरुष या महिला क्या कर सकते हैं, वे क्या हो सकते हैं, और किसी समाज विशेष में उनके पास क्या हो सकता है।

जैविक जेंडर (सेक्स) और जेंडर के बीच अंतर

जैविक जेंडर (सेक्स)

- जैविक होता है (भौतिक शरीर)।
- जन्म से मिलता है। यह प्राकृतिक है और इसका अर्थ लड़कों और लड़कियों के जननांगों में दिखाई देने वाले अंतरों तथा यौन क्रिया एवं संतानोत्पत्ति के दौरान नरएवं मादा की भूमिकाओं और कार्यों के संबंधित अंतरों से है।
- बदला नहीं जा सकता - सिवाय हार्मोन रिप्लेसमेंट या सर्जरी के जरिए।

जेंडर

- सांस्कृतिक होता है।
- सामाजिकीकरण के जरिए सीखा जाता है (समाज के द्वारा बनाया जाता है इसलिए सिखाया और सीखा जाता है)।
- बदला जा सकता है और इसे चुनौती दी जा सकती है : महिलाएं इंजीनियर, पायलट आदि का कार्य कर सकती हैं।

गतिविधि 5: समूह चर्चा - जेंडर समानता क्या है?

पूरे समूह के साथ एक खुली चर्चा में, सहभागियों से यह विचार-मंथन करने को कहिए कि वे जेंडर समानता शब्द के बारे में क्या सोचते हैं। वे जो कहें उसे एक फ़्लिप चार्ट पेपर पर लिख लीजिए। उनके जो भी प्रश्न हों उन पर चर्चा के लिए 10 मिनट दीजिए।

गतिविधि 6: समूहों में चर्चा - जेंडर असमानता

सहभागियों को दो समूहों में बाँट दीजिए : बस कमरे को बीचो-बीच से दो भागों में अलग कर दीजिए - हर भाग में एक समूह। उनसे यह चर्चा करने को कहिए कि उनके विचार से उनके जीवन में जेंडर असमानता के क्या-क्या उदाहरण हैं। उन्हें विभिन्न स्तरों और संदर्भों से उदाहरण बताने चाहिए : जैसे व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामुदायिक और सामाजिक स्तर। उनसे एक नोट टेकर चुनने को कहिए जो संपूर्ण समूह के सामने वापस प्रस्तुति देगा। उदाहरणों पर चर्चा करने के लिए उनके पास 10 मिनट हैं।

प्रत्येक समूह से कहिए कि उन्होंने जिन मुख्य निष्कर्षों या उदाहरणों पर चर्चा की उस पर वे वापस प्रस्तुति दें। इसके बाद उदाहरणों की, वे क्यों होते हैं इस बात की, और उनके क्या दुष्परिणाम होते हैं इस बात की एक खुली पड़ताल कीजिए। उदाहरण के लिए, यदि कोई समूह लिखे कि कार्यस्थल पर महिलाओं को मिलने वाले असवरों में असमानता मौजूद है, तो समूह से इस बात की छानबीन करवाइए कि महिलाओं को कौनसे अवसरों से वंचित रखा जा रहा है, ऐसा क्यों होता है, और इन असमानताओं के दुष्परिणाम क्या हैं। इस चर्चा और पड़ताल के लिए 15 मिनट दीजिए।

गतिविधि 7: प्रस्तुति – जेंडर समानता बनाम जेंडर असमानता क्या है?

एक प्रशिक्षक के रूप में आपको अब इस बात पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति देनी है कि जेंडर समानता से आपका क्या अर्थ है और जेंडर असमानता के कारण और दुष्परिणाम क्या हैं। अपनी प्रस्तुति के लिए आपके पास 10 मिनट हैं। नीचे हमने प्रत्येक अवधारणा के लिए मुख्य विचार, और प्रस्तुति स्लाइडों के उदाहरण दिए हैं जिन्हें आप समूह को दिखा सकते हैं।

जेंडर समानता

- जेंडर समानता का इतना सा मतलब नहीं है कि सभी गतिविधियों में पुरुष और महिलाएँ या लड़के और लड़कियाँ बराबर संख्या में भाग ले रहे हों, या फिर यह कि महिलाएँ और पुरुष समान हैं। इसका यह मतलब है कि पुरुषों और महिलाओं को समाज में समान मान्यता और स्थिति मिले और उन्हें बराबर का सम्मान मिले।
- इसका यह मतलब है कि हमारी समानताओं और असमानताओं को मान्यता दी जाती है और उन्हें समान महत्व दिया जाता है, ताकि हम सभी हमारा पूर्ण मानव सामर्थ्य हासिल कर सकें। इसका यह मतलब है कि हम सभी राष्ट्रीय, राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में समान रूप से भाग ले सकते हैं, योगदान दे सकते हैं और उससे लाभान्वित हो सकते हैं।
- जेंडर समानता का अर्थ महिलाओं और पुरुषों की भूमिकाओं, और उनके योगदानों, गतिविधियों और कार्यों को समान महत्व देने से है।
- यह रूढ़ियों और पूर्वग्रहों को रोकने का कार्य करती है ताकि महिलाएं और पुरुष, दोनों ही अपने समाज में आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक विकास में समान रूप से योगदान दे सकें और उससे लाभान्वित हो सकें।
- जेंडर समानता का मुख्य बिंदु यह है कि महिलाओं और पुरुषों में जो अंतर हैं उनसे उनकी जीवन स्थितियों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं होना चाहिए; और न ही उन अंतरों के कारण जीवन के विभिन्न पहलुओं में महिलाओं और पुरुषों के बीच शक्ति या सत्ता का समान साझाकरण रुकना चाहिए।
- जेंडर समानता का अर्थ महिलाओं और पुरुषों के लिए समान अवसरों और परिणामों से है। इसमें संसाधनों, अवसरों और सेवाओं की पहुँच में सभी प्रकार की असमानताओं का उन्मूलन, और समान अधिकारों को बढ़ावा देना शामिल है।
- समानता का यह अर्थ नहीं है कि महिलाओं को पुरुषों के समान होना चाहिए। समानता को बढ़ावा देना यह मानता है कि पुरुषों और महिलाओं की अलग-अलग भूमिकाएँ और ज़रूरतें हैं, और विकास नियोजन तथा कार्यक्रमों में इन भूमिकाओं और ज़रूरतों को ध्यान में रखने पर ज़ोर देता है।

जेंडर असमानता क्या है?

- पुरुष और महिलाएँ शारीरिक रूप से अलग हैं पर इन अंतरों की जो सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और कानूनी व्याख्या है वह उनके बीच असमानता उत्पन्न करती है।
- महिलाओं और लड़कियों से भेदभाव - जैसे जेंडर-आधारित हिंसा, आर्थिक भेदभाव, प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी असमानताएँ, और हानिकारक परंपरागत प्रथाएँ - असमानता का सबसे व्यापक और हठी रूप बना हुआ है।
- सामाजिक व्यवस्थाओं/समाज में असमानता : जब पुरुष के कार्य का दर्जा ऊँचा हो और उसे महिला के कार्य (जैसे बच्चे जन्मना, खाना पकाना और साफ-सफाई) से अधिक मूल्यवान और महत्वपूर्ण माना जाए। यह तब भी होती है जब महिलाओं को सेवाओं (उदाहरण के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य) तक कम पहुँच मिलती है, और जब सीधे तौर पर महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध, उनके जेंडर के कारण, हिंसा होती है।
- आर्थिक असमानताएँ : महिलाओं को आर्थिक संसाधनों, जैसे कौशल प्रशिक्षण, पूंजी, उधार, श्रम और भूमि के अवसरों, तक सीमित पहुँच मिलती है और उन्हें रोज़गार और करियर की उन्नति के सीमित अवसर मिलते हैं।
- राजनैतिक असमानता : समाज में औपचारिक निर्णय प्रक्रिया के सभी स्तरों पर, और विशेष रूप से क्षेत्रीयएवं राष्ट्रीय स्तरों पर, महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है।
- कानूनी असमानता : कई देशों का कानूनी तंत्र पारिवारिक कानून, विरासत, संपत्ति और भूमि स्वामित्व, नागरिकता और आपराधिक कानून में महिलाओं से भेदभाव करता है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के मामलों में मुकदमा करना और चलाना विशेष रूप से कठिन होता है।

उदाहरण प्रस्तुति : जेंडर समानता

- जेंडर समानता का यह मतलब नहीं है कि महिलाएँ और पुरुष समान हैं, बल्कि यह है कि उन दोनों का महत्व समान है और उनसे समान व्यवहार किया जाना चाहिए।
- महिलाओं और पुरुषों की भूमिकाओं को समान महत्व देना।
- रूढ़ियों और पूर्वग्रहों की बाधाएँ पार करने के लिए यह अत्यावश्यक है।
- महिलाओं और पुरुषों में शक्ति या सत्ता का समान साझाकरण।
- संसाधनों, अवसरों और सेवाओं की पहुँच में सभी प्रकार की असमानताओं का उन्मूलन, और समान अधिकारों को बढ़ावा।
- समानता यह मानती है कि पुरुषों और महिलाओं की अलग-अलग भूमिकाएँ और ज़रूरतें हैं।

गतिविधि 8: प्रस्तुति - जेंडर विश्लेषण

समझाइए कि अब हम सीखने जा रहे हैं कि जेंडर विश्लेषण क्या होता है। इस प्रस्तुति के लिए आपके पास 10 मिनट हैं।

जेंडर विश्लेषण क्या है?

- जेंडर विश्लेषण जेंडर असमानता उत्पन्न या उसे और मज़बूत करने वाले मुख्य मुद्दों पर शोध करने और उनकी तलाश करने का एक तरीका है। ऐसा इसलिए है ताकि आप कारणों को पूरी तरह समझ सकें और उन पर ठीक से ध्यान देकर उन्हें ठीक किया जा सके।
- इससे आपको पुरुषों और महिलाओं के बीच के असमान अंतरों को समझने में मदद मिलती है। इससे आपको घर, समुदाय और देश में पुरुषों और महिलाओं के बीच जो भी फ़ासले हैं उनकी पहचान करने, उन्हें समझने और उन्हें समझाने में मदद मिलती है।
- इससे आपको यह देखने में मदद मिलती है कि कैसे जेंडर अंतर और शक्ति/सत्ता संबंध बाल विवाह को प्रभावित करते (और अकसर और मज़बूत करते) हैं।
- यह एक शोध विधि है जो महिलाओं और पुरुषों के पास जो शक्ति है उसके अंतर को; उनकी अलग-अलग ज़रूरतों, बाधाओं और अवसरों को; और उनके जीवन पर इन अंतरों के प्रभाव को देखती है।

जेंडर विश्लेषण करते समय आप पुरुषों और महिलाओं की भूमिका या पद/स्थान को समझने के लिए पाँच मुख्य मुद्दों पर नज़र डाल सकते हैं :

- समाज के कानून, नीतियाँ और नियम।
- सांस्कृतिक प्रथाएँ और मान्यताएँ।
- जेंडर भूमिकाएँ, ज़िम्मेदारियाँ और प्रत्येक पर बिताया गया समय।
- संसाधनों की पहुँच या उन पर नियंत्रण।
- शक्ति/सत्ता और निर्णय लेने के पैटर्न।

जेंडर विश्लेषण लड़कियों और लड़कों/महिलाओं और पुरुषों की भूमिकाओं, ज़िम्मेदारियों, ज़रूरतों और अवसरों पर नज़र डालकर किसी परिस्थिति विशेष के बारे में जानकारी इकट्ठा करता है, उसका विश्लेषण करता है और उसकी व्याख्या करता है। इसका लक्ष्य है :

- समूहों के बीच के अंतर पहचानना।
- यह समझना कि ये अंतर मौजूद क्यों हैं।
- यह देखना कि कौनसे विशिष्ट कदम/मुद्दे बाल विवाह को प्रभावित करते हैं।

बाल विवाह की जाँच-पड़ताल के लिए जेंडर विश्लेषण करते समय स्वयं से पूछने के कुछ प्रश्न :

- लड़कियों के कौनसे विशेष समूह बाल विवाह से प्रभावित होते हैं?
- सबसे असुरक्षित कौन है?
- जब लड़कियों का विवाह किया जाता है तो वे अमूमन किस उम्र की होती हैं?
- क्या वे स्कूल में हैं या छोड़ चुकी हैं?
- क्या वे समुदाय के किसी अल्पसंख्यक या सीमांत (हाशिये पर मौजूद) समूह की हैं?

उदाहरण प्रस्तुति : जेंडर विश्लेषण क्या है?

- जेंडर विश्लेषण से जेंडर असमानता में योगदान देने वाले मुख्य मुद्दों की पहचान में मदद मिलती है।
- घर, समुदाय और देश में पुरुषों और महिलाओं के बीच जो भी फ़ासले हैं उन्हें रेखांकित करता है।
- समझाता है कि कैसे जेंडर मानदंड और शक्ति/सत्ता संबंध बाल विवाह को प्रभावित करते (और अकसर और मज़बूत करते) हैं।
- महिलाओं और पुरुषों, लड़कियों और लड़कों की भूमिकाओं और मानदंडों के बीच के अंतर को जाँचता है : उनके पास जो शक्ति होती है उसका अंतर; उनकी अलग-अलग ज़रूरतें, बाधाएँ, और अवसर; और उनके जीवन पर इन अंतरों का प्रभाव।

गतिविधि 9: समूह कार्य - जेंडर विश्लेषण करना

सभी को चार या पाँच सहभागियों के समूहों में बाँटिए (यह संख्या इस पर निर्भर करेगी कि आपके पूर्ण प्रशिक्षण में कितने लोग हैं और आप कितने समूह बनाना चाहते हैं)। जैसे आपने मॉड्यूल 1, सत्र 2, गतिविधि 2.2 में किया था, प्रत्येक व्यक्ति से एक, दो, तीन आदि गिनवाकर उन्हें बाँटिए, आपको उस अंतिम संख्या पर रुकना है जितने समूह आप बनाना चाहते हैं (मान लें कि आप पाँच समूह चाहते हैं, तो पाँचवें व्यक्ति को पाँच पर रुक जाना है)। इसके बाद अगले व्यक्ति से दोबारा एक से शुरू करवाइए। उसके बाद सभी एक वाले इकट्ठे हो जाएंगे, और बाकी संख्या वाले भी ऐसे ही करेंगे। उन्हें समूहों में बाँटने में लगभग 5 मिनट लगेंगे।

हर समूह को नीचे दी गई जेंडर व्यवहार तालिका दीजिए। उन्हें वे पाँच मुख्य मुद्दे याद दिलाइए जिनकी पड़ताल आप किसी समाज या समुदाय में पुरुषों और महिलाओं की स्थिति का आंकलन करने के लिए कह सकते हैं - उन्हें ऊपर समझाया गया है।

समझाइए कि प्रत्येक समूह को पर्चे में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देकर जेंडर विश्लेषण पूरा करना है। यदि उन्हें प्रश्नों के उत्तर न पता हों, तो उनसे सोचने को कहिए कि वे कैसे और पता लगा सकते हैं : जानकारी के लिए उन्हें किससे पूछना चाहिए या कहाँ जाना चाहिए? प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर एकत्र करने के लिए उनके पास 20 मिनट हैं।

इसके बाद, एक 10 मिनट की खुली चर्चा में, सभी से पूछिए कि उन्होंने अपने समुदाय में जेंडर भूमिकाओं के बारे में क्या जाना या सीखा है। उनसे पूछिए कि क्या वे यह देख सकते हैं कि कैसे जेंडर मुद्दे और बाल विवाह एक-दूसरे से संबंधित हैं। इसे एक खुला स्थान बनने दीजिए जहाँ वे अपने विचार रख सकें या कोई भी प्रश्न पूछ सकें।

गतिविधि 9 के लिए: समूह कार्य - जेंडर विश्लेषण करना

जेंडर व्यवहार तालिका: बाल विवाह की पड़ताल पर केंद्रित एक जेंडर विश्लेषण
यह तालिका पाँच क्षेत्रों का एक विस्तृत जेंडर विश्लेषण दिखाती है। इन प्रश्नों के उत्तर ढूंढने से आपको एक अधिक शक्तिशाली और अधिक प्रभावी पहल तैयार करने में मदद मिलेगी।

जेंडर विश्लेषण के क्षेत्र	मार्गदर्शक प्रश्न	उत्तर ढूंढने में आपकी मदद करने वाले संसाधन
1. कानून, नीतियाँ और नियम	1. 1. क्या जेंडर भेदभाव को रोकने के लिए विवाह की न्यूनतम आयु, विवाह पंजीकरण और जन्म पंजीकरण के राष्ट्रीय कानून हैं? 2. 2. क्या ये कानून राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर लागू हैं? क्या महिलाएँ और लड़कियाँ न्याय (जैसे पुलिस और न्यायालय) तक पहुँचने में समर्थ हैं या उन्हें ऐसा करने में संघर्ष करना पड़ता है? क्या लोग, परिवार और समुदाय इन कानूनों से अवगत हैं? 3. 3. कानून और नीतियाँ स्थानीय स्तर पर विवाह से जुड़े फ़ैसलों को असलियत में किस प्रकार प्रभावित करते हैं? क्या राष्ट्रीय कानून से ऊपर, प्रथागत कानून बाल विवाह की अनुमति देते हैं? उदाहरण के लिए, यदि राष्ट्रीय कानून विवाह की न्यूनतम आयु बताता है, तो क्या लोग वास्तव में यही कानून मान रहे हैं?	1. मुद्दे पर कार्य करने वाले नीति-निर्माता, स्थानीय कानूनी संस्थान और सामाजिक संस्थाएं। आप इन्हें इंटरनेट पर भी खोज सकते हैं या गर्ल्स नॉट ब्राइड्स की वेबसाइट पर देश विशिष्ट जानकारी देख सकते हैं। 2. मदद कर सकने वाले विभिन्न लोगों से बात कीजिए : न्यायाधीश, पुलिस, सरकारी अधिकारी और प्रशासनिक कर्मचारी; आपके समुदाय में सक्रिय या कार्य कर रहे स्थानीय कानूनी संस्थान और सामाजिक संस्थाएं; खुद महिलाएँ और लड़कियाँ। 3. परंपरागत, धार्मिक और सामुदायिक नेता; स्थानीय सरकारी अधिकारी; बुजुर्ग; महिलाएँ और लड़कियाँ; पुरुष और लड़के।
2. सांस्कृतिक प्रथाएँ और मान्यताएँ	1. पत्नियों और माताओं के रूप में लड़कियों और महिलाओं के बारे में और, पतियों और पिताओं के रूप में लड़कों और पुरुषों के बारे में कौनसी स्वीकृत प्रथाएँ और विश्वास हैं? 2. विवाह के साथ कौनसी सांस्कृतिक और परंपरागत प्रथाएँ जुड़ी हुई हैं? इनमें दुल्हन की कीमत, दहेज, महिला ख़तना (एफ़जीएम/सी), बहुविवाह, दुल्हन अपहरण और महिला की पवित्रता पर ज़ोर देना शामिल हो सकते हैं। क्या विवाह का अर्थ कोई आर्थिक लेनदेन है, जैसे दहेज या दुल्हन की कीमत?	परंपरागत, धार्मिक और सामुदायिक नेता; बुजुर्ग; माता-पिता; महिलाएँ और लड़कियाँ; पुरुष और लड़के।

3. जेंडर भूमिकाएँ, ज़िम्मेदारियाँ और उन पर कितना समय बिताया गया है	1. महिलाएँ और लड़कियाँ घरेलू कामों और देखभाल में कितना समय बिताती हैं? इसमें छोटे भाई-बहनों, बूढ़े माता-पिता, या परिवार के शारीरिक रूप से अपंग सदस्यों की देखभाल करना शामिल हो सकता है। इसकी तुलना में पुरुष और लड़के इन कामों में कितना समय बिताते हैं? क्या कभी लड़कियों को घर के काम और देखभाल के काम करने के लिए स्कूल छुड़वा दिया जाता है? 2. छोटी उम्र में (18 से पहले) ब्याह दी गईं महिलाएँ और लड़कियाँ, अविवाहित महिलाओं और लड़कियों की तुलना में अपना समय किस प्रकार अलग ढंग से बिताती हैं? और क्या लड़कियों और लड़कों से की जाने वाली इस अपेक्षा में कोई अंतर है कि वे अपने समय का उपयोग कैसे करेंगे?	महिलाएँ और लड़कियाँ, पुरुष और लड़के, परिवार के बुजुर्ग।
4. संसाधनों की पहुँच और उन पर नियंत्रण	1. जब बात आमदनी तक पहुँच, ज़मीन की मिलकियत/ का मालिकाना, या अन्य परिसंपत्तियों और संसाधनों (जैसे फोन) तक पहुँच की हो, तो पुरुषों और महिलाओं के बीच क्या अंतर है? 2. क्या बचपन में ब्याह दी गईं महिलाओं और लड़कियों को समाज में अलग-थलग महसूस होता है? उदाहरण के लिए, क्या उन्हें अपनी सहेलियों से मिलने या स्कूल जाने की अनुमति नहीं है?	महिलाएँ और लड़कियाँ, पुरुष और लड़के।
5. शक्ति/सत्ता और निर्णय लेने के पैटर्न	1. लड़की का विवाह करना है या नहीं, और करना है तो कब और किससे, इस बारे में परिवार या समुदाय में निर्णय कौन लेता है? कौनसे सामुदायिक और धार्मिक नेता विवाह से जुड़े निर्णयों को प्रभावित करते हैं? 2. विवाह की उम्र और, पति-पत्नी के बीच उम्र का अंतर, संबंधों को किस प्रकार प्रभावित करते हैं? विवाह में शक्ति/सत्ता किसके पास है और कौन सारे निर्णय लेता है?	परंपरागत, धार्मिक और सामुदायिक नेता; बुजुर्ग; माता-पिता; महिलाएँ और लड़कियाँ, पुरुष और लड़के।

Photo © Samantha Sophia/ Unsplash

गतिविधि 10: विचार-मंथन और खुली चर्चा - पुरुषों और लड़कों के साथ कार्य करना

एक समूह चर्चा के रूप में, सहभागियों से यह समझाने को कहिए कि क्यों हमें पुरुषों और लड़कों के साथ कार्य करना चाहिए, और विशेष रूप से क्यों हमें बाल विवाह के हल की दिशा में कार्य करते समय उन्हें शामिल करना चाहिए। उनसे उनके उत्तर बुलवाइए और आप उनके विचार नोट करने के लिए उनके द्वारा बोले गए उत्तरों को किसी फ़्लिप चार्ट पेपर पर लिख सकते हैं। इस पर एक फटाफट विचार-मंथन करने के लिए आपके पास 5 मिनट हैं।

गतिविधि 11: प्रस्तुति - पुरुषों और लड़कों के साथ कार्य क्यों किया जाए?

समुदायों में बाल विवाह के हल की दिशा में कार्य करते समय पुरुषों और लड़कों के साथ कार्य करने से संबंधित निम्नलिखित मुद्दों पर प्रस्तुति देने के लिए आपके पास 10 मिनट हैं।

युवा पुरुषों के साथ कार्य क्यों किया जाए?

लड़कों का भी बचपन में विवाह होता है, आज जीवित 15.6 करोड़ पुरुषों का विवाह 18 साल से कम उम्र में हुआ है। परन्तु बाल विवाह से प्रभावित होने वाली लड़कियों की संख्या, लड़कों के अनुपात में अत्यधिक है, उनके इस प्रथा से प्रभावित होने की संभावना लड़कों की तुलना में लगभग सात गुनी है। यह याद रखना ज़रूरी है कि युवा पुरुष, पीड़ित और बदलाव के कारक, दोनों हैं।

हालिया शोध बताते हैं कि जेंडर समानता हासिल करने में लड़कों और पुरुषों को शामिल करना बहुत ज़रूरी है। पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को बेहतर बनाने के लिए यह ज़रूरी है कि पुरुष और लड़के, महिलाओं और लड़कियों के प्रति अपने रवैयों और व्यवहारों में बदलाव लाएँ। यदि हम बाल विवाह ख़त्म करना चाहते हैं, तो इसे हासिल करने में लड़कों और पुरुषों को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी ही होगी। यह बहुत ज़रूरी है कि वे यह समझें और मानें कि यह एक हानिकारक प्रथा है। इन कोशिशों से पुरुषों और लड़कों को बाहर रखने का यह मतलब होगा कि युवा महिलाओं और लड़कियों द्वारा महसूस किए गए लक्षणों मात्र पर ही काम हो सकेगा। मुख्य समस्या, जैसे पुरुषों और महिलाओं के बीच शक्ति/सत्ता के असंतुलित संबंध, निर्विरोध चालू रहेगी।

बाल विवाह ख़त्म करने के लिए हमें समाज की उन सांस्कृतिक और जेंडर भूमिकाओं को समझना होगा जो इस प्रथा में योगदान देती हैं। कई देशों में पुरुषों और लड़कों का समाजीकरण घर का कमाऊ सदस्य बनने, हावी होने और परिवार के अधिकांश निर्णय लेने की दृष्टि से किया जाता है। महिलाओं का पालन-पोषण गृहस्थी की देखभाल करने, जैसे खाना पकाना, साफ़-सफ़ाई, बच्चे पैदा करना, और उनकी देखभाल करना, की दृष्टि से किया जाता है। बाल विवाह ख़त्म करने के लिए समाज में हर किस की भूमिका पर सवाल करना होगा और समाज के सभी स्तरों पर सामाजिक मानदंडों और व्यवहारों को बदलने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। पिता, भाई, पति, ग्राम प्रधान, धार्मिक नेता, निर्णयकर्ता - इस हानिकारक प्रथा को ख़त्म करने के लिए हमें सभी के साथ मिलकर काम करना होगा, उन सभी पुरुषों/लड़कों का समर्थन हासिल करना होगा जो जानते हैं कि यह ग़लत है, और जो नहीं जानते उन्हें समझा-बुझाकर राजी करने के लिए साथ मिलकर काम करना होगा। बाल विवाह को खत्म करने में पुरुषों और लड़कों को जोड़ना ज़रूरी है क्योंकि :

- बाल विवाह केवल महिलाओं या लड़कियों का मुद्दा नहीं है।
- निर्णयकर्ताओं और भावी पतियों के रूप में, पुरुष और लड़के बाल विवाह को ख़त्म करने की कोशिशों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।
- जिन समुदायों में छोटी उम्र में या बाल विवाह आम है वहाँ धार्मिक बुजुर्ग और सामुदायिक नेता अकसर मुख्य निर्णयकर्ता होते हैं। वे अकसर पुरुष होते हैं। इन शक्तिशाली पुरुषों को संलग्न करना और उन्हें शिक्षित करना, बाल विवाह के प्रति समुदाय के रवैये को बदलने की कुंजी है।
- पुरुष या लड़का होने का क्या अर्थ है इससे जुड़ी सामाजिक अपेक्षाएँ यह तय करती हैं कि पुरुष और लड़के किस प्रकार व्यवहार करते हैं।
- पुरुषों और लड़कों को जेंडर भूमिकाओं पर सवाल उठाने चाहिए।
- पिता, पति, बेटे और भाई जैसी भूमिकाएं को ध्यान रखने वाले, सहयोगी और अहिंसक होने, साझा ढंग से निर्णय लेने और घरेलू कामों में हाथ बँटाने वाला बनने की ओर बदलने की ज़रूरत है।
- पुरुषों और लड़कों के पास इन मानदंडों पर सवाल उठाने की जगह नहीं है।
- पुरुषों और लड़कों का महिलाओं और लड़कियों के जीवन पर सीधा प्रभाव होता है।
- यदि हम पुरुषों और लड़कों को संलग्न नहीं करते हैं तो हम बाल विवाह जैसे संवेदनशील मुद्दों पर बदलाव नहीं ला सकते हैं।
- पुरुषों और लड़कों को लड़कियों के अधिकारों के बारे में जानना होगा और यह जानना होगा कि कैसे कम उम्र में विवाह उनके स्वास्थ्य और उनकी ख़ुशी के लिए हानिकारक हो सकता है और पारिवारिक इकाई के लिए किस प्रकार विनाशकारी हो सकता है।

या या

उदाहरण प्रस्तुति : पुरुषों और लड़कों को जोड़ना

- हम सभी को बाल विवाह को बढ़ावा देने वाले जटिल जेंडर और सांस्कृतिक मानदंडों को समझना होगा। बाल विवाह केवल महिलाओं/लड़कियों का मुद्दा नहीं है।
- समुदाय में/घर में निर्णय अधिकतर पुरुषों द्वारा ही लिए जाते हैं। निर्णयकर्ताओं और भावी पतियों के रूप में, पुरुष और लड़के बाल विवाह को ख़त्म करने की कोशिशों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।
- पुरुषों और लड़कों का समाजीकरण घर का कमाऊ सदस्य बनने, हावी होने और परिवार के अधिकांश निर्णय लेने की दृष्टि से किया जाता है। महिलाओं का पालन-पोषण घर की देखभाल करने (खाना पकाने, साफ़-सफ़ाई करने, बच्चे पैदा करने और उनकी देखभाल करने) की दृष्टि से किया जाता है।
- पिता, पति, बेटे और भाई की पारंपरिक भूमिकाओं को ध्यान रखने वाले, सहयोगी और अहिंसक होने, साझा ढंग से निर्णय लेने और घरेलू कामों में हाथ बँटाने वाला बनने की ओर बदलने की ज़रूरत है।
- पुरुषों और लड़कों को जेंडर भूमिकाओं पर सवाल उठाने होंगे और उन्हें बदलना होगा।
- पुरुषों और लड़कों का महिलाओं और लड़कियों के जीवन पर सीधा प्रभाव होता है।

गतिविधि 12: निष्कर्ष और समापन

अन्य सत्रों की भांति, कार्यशाला के अंतिम 10 मिनटों का उपयोग चर्चा को निष्कर्ष पर पहुँचाने में कीजिए और समूह के पास जो भी प्रश्न हों उनके उत्तर देने के लिए भी समय दीजिए। सत्र में उनकी ऊर्जा और कड़ी मेहनत के लिए उन्हें धन्यवाद दीजिए, और आपने जो मुख्य मुद्दे कवर किए हैं उनका एक फटाफट रिमाइंडर दीजिए।

Photo © Graham Crouch / *Girls Not Brides*

मॉड्यूल 3: कदम उठाइए - एडवोकेसी रणनीति विकसित करना

मॉड्यूल का संक्षिप्त विवरण

- सत्र 1: लक्ष्य एवं उद्देश्य - जो बदलाव आप देखना चाहते हैं उसे परिभाषित करना
- सत्र 2: एडवोकेसी रणनीतियाँ विकसित करना और संदेश बनाना

मॉड्यूल 3 - सत्र 1:
लक्ष्य एवं उद्देश्य

उद्देश्य : जो बदलाव आप देखना चाहते हैं उसे परिभाषित करना और वह बदलाव हासिल करने के लिए आपको जो कदम उठाने होंगे उन्हें परिभाषित करना

सहभागियों की संख्या : 24

समय : 1 घंटा 20 मिनट

सत्र की रूपरेखा :
- सीखिए कि जो बदलाव आप देखना चाहते हैं उसे कैसे परिभाषित करें
- अपने लक्ष्य एवं उद्देश्य कैसे तय करें
- आपका आदर्श भविष्य क्या है
- आपको जो बदलाव चाहिए वह कैसे हासिल करें

पहले से तैयार करने की चीजें :
- पृष्ठभूमि विषय-वस्तु पढ़ें और उसे अच्छी तरह जान लें ताकि विस्तृत समूह के सामने इसे प्रस्तुत करने में आपको आत्मविश्वास महसूस हो
- प्रस्तुति स्लाइडें (इलेक्ट्रॉनिक या कागज़ी)।
- यदि आप समूह के साथ ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करेंगे तो उसका अभ्यास कीजिए

आवश्यक सामान :
- पत्रिकाएँ, कैंची और गोंद
- फ़्लिप चार्ट पेपर
- मार्कर या मोटे पेन
- टेप या फिर दीवार पर कागज़ रोकने के लिए कुछ सामान
- प्रस्तुतियाँ

	आवंटित समय	गतिविधि
1	5 मिनट	स्वागत • पुनर्परिचय और रिमाइंडर (यदि स्वतंत्र सत्र संचालित कर रहे हों) या • ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि और सत्र के लक्ष्य का संक्षिप्त परिचय (यदि इसे मॉड्यूल 2 के तुरंत बाद अनुवर्तन (फ़ॉलो-ऑन) के रूप में कर रहे हों)
2	35 मिनट	समूह कार्य : आपका आदर्श भविष्य क्या है?
3	15 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : लक्ष्य एवं उद्देश्य तय करना
4	15 मिनट	समूह कार्य : अपना लक्ष्य परिभाषित करना - आप क्या बदलाव देखना चाहते हैं?
5	10 मिनट	चर्चाओं को निष्कर्ष पर पहुँचाना और सत्र का समापन

3.1 आपकी प्रशिक्षक मार्गदर्शिका

गतिविधि 1: सत्र का परिचय, संवेदनशीलता एवं संरक्षण चेतावनी

प्रशिक्षक के रूप में, ऊपर दिए गए मॉड्यूल के संक्षिप्त विवरण और सत्र योजना के साथ आरंभ कीजिए। इसके बाद संवेदनशीलता एवं संरक्षण चेतावनी पर बात कीजिए (जो प्रशिक्षक मार्गदर्शिका के आरंभ में है)। ऐसा इसलिए है ताकि सभी सत्र समान ढंग से आरंभ हों, और आप हमेशा अपने समूह को संरक्षण का महत्व याद दिलाएँ।

यदि आप इसे एक स्वतंत्र सत्र के रूप में कर रहे हैं

अपने समूह का फिर से एक साथ स्वागत करें। मॉड्यूल 1 और 2 के पिछले सत्रों की भांति, यदि आप इसे एक स्वतंत्र सत्र के रूप में कर रहे हैं (जैसे, यह पिछले सत्र के बाद का दिन या सप्ताह है), तो हर किसी से दोबारा उसका परिचय दिलवाएँ ताकि उन सभी को एक-दूसरे के नाम याद हो जाएँ। उन्हें याद दिलाइए कि हम सभी यहाँ साथ क्यों हैं और फटाफट से उन्हें संवेदनशीलता चेतावनी और वे मूल नियम फिर से याद दिलाइए जो की आपने साथ मिलकर तय किए थे। समूह को समझाइए कि कार्यशाला सत्र का प्रयोजन क्या है। पिछले सत्रों में आपने जो मुख्य बिंदु कवर किए हैं उन्हें फटाफट दोहरा लेना भी उपयोगी रहेगा। हमारा सुझाव है कि आप पहले की तरह प्रस्तुति स्लाइडों को संक्षेप में अवश्य दोहराएँ - पर यदि आपके पास समय की कमी है तो आपकी पिछली प्रस्तुतियों का एक फटाफट दोहराव, समूह को आपके द्वारा कवर हो चुके मुद्दों पर वापस सही गति पर लाने में मदद करेगा।

या

यदि आप इसे पूरी प्रशिक्षण कार्यशाला के भाग के रूप में कर रहे हैं

यदि आप इसे पूरी प्रशिक्षण कार्यशाला (सभी सत्र संयुक्त) के भाग के रूप में आयोजित कर रहे हैं, तो हमारा सुझाव है कि यही समय है एक ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करने का, और आपको रिमाइंडर देने की या सत्र की पुनरावृत्ति करवाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। आप बस सत्र के मुख्य लक्ष्य, वे मुख्य विषय-बिंदु जिन पर आप चर्चा करने जा रहे हैं, और संवेदनशीलता तथा एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करने के बारे में एक संक्षिप्त रिमाइंडर पेश कर दीजिए।

ऊर्जावान बनाने वाली संभावित गतिविधि : हाथी कहता है कि...

ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि सभी को आपस में जुड़ने में मदद करती है और एक मज़ेदार और तनावरहित माहौल बनाती है। यह गतिविधि यह सुनिश्चित करने के लिए भी अच्छी है कि लोग जगे हुए, सतर्क, और कार्य करने के लिए तैयार हों।

- सभी से एक गोले में या एक-दूसरे की ओर मुँह करके दो कतारों में खड़े होने को कहिए। गेम के नियम समझाइए, जो इस तरह हैं कि जब आप कहें : "हाथी कहता है कि..." और फिर कोई गतिविधि जोड़ें, जैसे "एक पैर पर खड़े हो जाओ"। तो समूह को हाथी के आदेशानुसार करना होगा और आपने जो स्थिति बताई है उन्हें उसी स्थिति में जम जाना होगा।
- पर यदि आप "हाथी कहता है कि ..." कहे बिना कोई गतिविधि करने का आदेश देते हैं तो उन्हें आदेश अनसुना कर देना है (और पिछले आदेश वाली स्थिति में जमे रहना है)। अभ्यास का समय! उदाहरण के लिए, कहिए कि : "हाथी कहता है कि... अपनी दायीं हथेली से अपना बायाँ कान छुओ" – और अपनी बांह का उपयोग यूँ करिए मानो वह हाथी की सूंड़ हो और उससे अपना कान छुइए।
- अब कहिए : "अपने सिर और अपने पेट को साथ-साथ खुजाओ।" सहभागियों को अपनी दायीं हथेली से अपना बायाँ कान छूने की स्थिति में जमे रहना चाहिए क्योंकि आपने "हाथी कहता है कि..." आदेश नहीं जोड़ा। इसी तरह तब तक जारी रखिए जब तक सहभागी पर्याप्त मज़ा न कर लें।

गतिविधि 2: समूह कार्य - तुम्हारा आदर्श भविष्य क्या है?

अपने सहभागियों को छोटे-छोटे समूहों (चार या पाँच के समूह ठीक रहेंगे) में बाँटिए, और प्रत्येक समूह से कल्पना करने को कहिए कि वे दस सालों से देश से बाहर हैं। वे अब वापस लौटे हैं और लौटने पर पाते हैं कि बाल विवाह के मुद्दे पर जो समस्याएँ उन्होंने पहचानी थीं उनके लिहाज से उनके सपनों के समाज को जैसा होना चाहिए वैसा वह बन चुका है। समस्याएँ हल हो चुकी हैं और समाज वैसे कार्य कर रहा है जैसा वे हमेशा से चाहते थे। समूहों से कहिए कि वे रंग, आकृतियों, शब्दों और/या चित्रों का उपयोग करके चित्र बनाकर दिखाएँ कि ऐसा समाज कैसा दिखेगा (वे पत्रिकाओं से भी चित्र प्रयोग कर सकते हैं)। उनसे इसका एक स्पष्ट लक्ष्य तय करवाइए कि आदर्श समाज कैसा होगा। उनके पास अपना आदर्श समाज डिजाइन करने और अपने समूहों के अंदर अपनी योजनाओं पर चर्चा करने के लिए कुल 15 मिनट हैं।

इसके बाद प्रत्येक समूह को बाकी के समूह के सामने अपना चित्र संक्षेप में प्रस्तुत करने दीजिए। उनकी प्रस्तुति के दौरान, प्रस्तुतियों से निकलने वाले महत्वपूर्ण विषयों के मुख्य शब्द लिखते जाइए। सभी समूहों को वापस प्रस्तुति देने के लिए कुल 10 मिनट दीजिए।

जब प्रत्येक समूह प्रस्तुति दे चुका हो तो उसके बाद यह देखने की कोशिश कीजिए कि आपने जो मुख्य शब्द लिखे थे, क्या संपूर्ण समूह उनका उपयोग करके साथ मिलकर एक लक्ष्य तय कर सकता है। उनका लक्ष्य कथन क्या होगा इस पर एक खुली चर्चा के लिए 10 मिनट दीजिए।

गतिविधि 3: प्रशिक्षक प्रस्तुति - लक्ष्य एवं उद्देश्य तय करना

यह समय अब आपके द्वारा उद्देश्य क्या हैं, उन्हें कैसे तय करें, और स्मार्ट (SMART) उद्देश्य बनाने के बारे में बात करते समय हमारा क्या अर्थ है, इन चीजों की व्याख्या पर प्रस्तुति दिए जाने का है। निम्नांकित प्रस्तुति के लिए आपके पास 10 मिनट हैं। अंतिम 5 मिनटों का उपयोग जो भी प्रश्न हों उनके उत्तर देने के लिए, या समूह के पास जो भी बिंदु हों उन पर बात करने के लिए कीजिए।

लक्ष्य तय करने का मतलब है कि :

1) वह अंतिम बदलाव परिभाषित करना जिसमें आप योगदान देना चाहते हैं। लक्ष्य, उस दुनिया की एक स्पष्ट कल्पना है जो आप बनाना चाहते हैं - वह वांछित अंतिम अवस्था जिसे आप साकार देखना चाहते हैं और वह अंतिम विज़न जिसे आप अपने काम के जरिए हासिल करना चाहते हैं। इसे प्रेरक होना चाहिए और इससे यह स्पष्ट व्याख्या मिलनी चाहिए कि आप किसके लिए लड़ रहे हैं। लक्ष्य कोई ऐसी चीज नहीं जिसे आप अकेले अपने बूते हासिल कर सकते हों। उदाहरण के लिए, गर्ल्स नॉट ब्राइड्स में हमारा अंतिम विज़न और लक्ष्य है: बाल विवाह से मुक्त एक ऐसी दुनिया जिसमें लड़कियाँ और महिलाएँ, लड़कों और पुरुषों के बराबर हैसियत रखती हों और वे अपने जीवन के सभी पहलुओं में अपना पूरा सामर्थ्य हासिल करने में सक्षम हों।
2) अपने कार्यों के आकार और स्तर के जरिए सोचना। पता कीजिए कि आपमें से प्रत्येक व्यक्ति अपने लक्ष्य को हासिल करने में कितना समय दे सकता है। यथार्थवादी रहिए। आप जितना सीखते हैं, और साथ कार्य करने के लिए आप जितने लोगों को शामिल करते हैं, आपका लक्ष्य और आपकी आकांक्षाएँ भी उतना ही बढ़ सकते हैं। आप अपना लक्ष्य किसी समुदाय या जनसमूह विशेष पर फ़ोकस करना, कोई विशिष्ट लक्ष्य समूह चुनना, और उनके विशिष्ट मुद्दों पर ध्यान देना चाह सकते हैं।
3) आपके समुदाय में आपके शोध, और जेंडर विश्लेषण द्वारा जो चीजें सामने आई हैं उनका आंकलन करना। अब एक लक्ष्य के रूप में आपको किस चीज पर काम करने की प्रेरणा और उत्साह महसूस हो रहा है? इससे ऐसे कौनसे विशिष्ट मुद्दे सामने आए जिन पर आप काम कर सकते हैं?

या या

उदाहरण प्रस्तुति :
लक्ष्यों और उद्देश्यों की परिभाषाएँ और उनके बीच के अंतर

लक्ष्य	उद्देश्य
परिभाषा • वह मुख्य ध्येय जिसे आप हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। • यह वह बड़ी तस्वीर या विज़न है जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। • यह कुछ ऐसा है जिसकी दिशा में हम प्रयास करना चाहते हैं। • लक्ष्यों को सख़्त तौर पर मापा नहीं जा सकता है या वे मूर्त नहीं होते हैं। • इसकी समय सीमा लंबी होती है। उदाहरण : "मैं बाल विवाह को खत्म करने में सफल होना चाहता/ती हूँ।"	परिभाषा • यह वो लक्ष्य है जो हम हमारी कोशिशों या कार्यों के जरिए हासिल करना चाहते हैं; यह हमारा प्रयोजन या ध्येय है। • ये छोटे-छोटे, अधिक विशिष्ट चरण हैं जो आपको अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद देंगे। • मापे जाने योग्य और मूर्त होने चाहिए। • कार्रवाई की समय सीमा मध्यम से अल्प अवधि की होती है। उदाहरण : "मैं महीना ख़त्म होते-होते बाल विवाह पर शोध करना चाहता/ती हूँ।"

या या

उदाहरण प्रस्तुति :
अपना लक्ष्य परिभाषित करना

- लक्ष्य उस दुनिया की एक स्पष्ट कल्पना तय करता है जो आप बनाना चाहते हैं।
- यह वह अंतिम, वांछित अवस्था या स्थिति है जो आप अपना कार्य पूरा होने पर साकार हुई देखना चाहते हैं।
- सबसे पहले, आपको यह रूपरेखा बनानी होगी कि आप क्या बदलना चाहते हैं, वे मुख्य मुद्दे क्या हैं जिन पर आप काम कर रहे हैं, और उन्हें हासिल करने के लिए आपको क्या कदम उठाने होंगे।
- इससे आपको अस्पष्ट विचारों की स्थिति से बाहर निकलकर, उन विशिष्ट कदमों और हासिल किए जाने योग्य बदलावों की योजना बनाने में मदद मिलती है जो आप अपने समुदाय/देश में देखना चाहते हैं।
- लक्ष्य लंबे समय के होते हैं (जैसे कोई पंचवर्षीय योजना), पर ऐसे कुछ बेहद विशिष्ट कदम होते हैं जो आप उन्हें हासिल करने के लिए उठा सकते हैं।

जब आप लक्ष्य कथन बना चुके हों, तो आपको अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए बाल विवाह की समस्या के ठोस समाधानों पर व्यवस्थित और विस्तृत ढंग से विचार करना होगा। ये आपको अपने काम के जरिए लक्ष्य हासिल करने में और, अपने काम पर फ़ोकस करने और उसे तथा ऐसा करने के लिए आपको जो चाहिए उसे प्राथमिकता के क्रम में रखने में मदद करेंगे। आपके उद्देश्य दिखाते हैं कि अल्प अवधि में आप कौनसे विशिष्ट बदलाव या परिणाम हासिल करना चाहते हैं।

एक समूह के रूप में, उन उद्देश्यों पर विचार-मंथन कीजिए जो आपको आपके लक्ष्य तक पहुँचने में सहायता देंगे। उन्हें स्मार्ट (SMART) होना चाहिए, यानि उन्हें ऐसा होना चाहिए :

- विशिष्ट (Specific): वे आपको विशिष्ट रूप से बताते हैं कि आप जो हासिल करना या बदलना चाहते हैं (आप किस समूह के किस व्यवहार को प्रभावित करना चाहते हैं, या आप अपने हस्तक्षेप के फलस्वरूप क्या परिणाम देखना चाहते हैं) उसका कितना अंश (एक स्पष्ट संख्या लक्ष्य - जैसे 40%), और उनमें एक समय-सीमा होती है जब तक आप उसे हासिल करने का ध्येय रखते हैं (कार्य करने के लिए एक स्पष्ट दिनांक - जैसे, 2020 तक)।
- मापे जाने योग्य (Measurable): यानि उद्देश्य से संबंधित जानकारी को एकत्र किया जा सकता है, उसका पता लगाया जा सकता है, या प्राप्त किया जा सकता है (कम-से-कम संभावित रूप से तो) ताकि आप आपके हस्तक्षेप के फलस्वरूप होने वाले प्रभाव का आंकलन कर सकें और बदलाव को माप सकें।
- हासिल करने योग्य (Achievable) : आपके उद्देश्य यथार्थवादी होने चाहिए और आप जो बदलाव देखना चाहते हैं वे संभव होने चाहिए। इसका यह मतलब है कि न केवल खुद उद्देश्य संभव हों, बल्कि इस बात की संभावना भी हो कि आप सामूहिक रूप से (सहयोगियों/मित्रों के साथ कार्य करते हुए) उन्हें हासिल करने में सफल हो पाएंगे।
- विज़न के साथ प्रासंगिक (Relevant) : इस बात की एक स्पष्ट समझ मौजूद होती है कि समूह के संपूर्ण विज़न या आप जो कार्य कर रहे हैं उसमें ये उद्देश्य किस प्रकार फ़िट होते हैं।
- समयबद्ध (Timed) : आपका समूह इसकी एक स्पष्ट समय-रेखा तैयार कर सकता है कि ये उद्देश्य कब हासिल होंगे। इस बात को उद्देश्य में ही स्पष्ट कर दें।

या या

उदाहरण प्रस्तुति :
उद्देश्य परिभाषित करना

अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए बाल विवाह की समस्या के ठोस समाधानों का एक सेट बनाइए। ये वे छोटे-छोटे कदम हैं जो आपको अपने विज़न को हासिल करने में मदद के लिए उठाने होंगे। उद्देश्यों को स्मार्ट (SMART) होना चाहिए, यानि :

- विशिष्ट (Specific): आप जो हासिल करना या बदलना चाहते हैं उसके लिए एक स्पष्ट संख्या या लक्ष्य; आप अपने हस्तक्षेप के फलस्वरूप क्या परिणाम देखना चाहते हैं; और एक समय-सीमा जिस तक आप उसे हासिल करना चाहते हैं।
- मापे जाने योग्य (Measurable) : यानि उद्देश्य से संबंधित जानकारी को एकत्र किया जा सकता है, उसका पता लगाया जा सकता है या प्राप्त किया जा सकता है ताकि आप आपके हस्तक्षेप के फलस्वरूप होने वाले प्रभाव का आंकलन कर सकें और बदलाव को माप सकें।
- हासिल करने योग्य (Achievable): यथार्थवादी, और जो बदलाव आप देखना चाहते हैं उसे सहयोगियों/मित्रों के साथ कार्य करते हुए हासिल करना संभव होना चाहिए।
- लक्ष्य के साथ प्रासंगिक (Relevant): समूह के संपूर्ण लक्ष्य या आप जो कार्य कर रहे हैं उसमें फ़िट होता हो।
- समयबद्ध : वे कब हासिल होंगे इस बात की एक स्पष्ट समय-रेखा।

गतिविधि 4: समूह कार्य – अपना लक्ष्य परिभाषित करना : आप क्या बदलाव देखना चाहते हैं?

प्रशिक्षक, समूह से :

अब जबकि आप कई प्रशिक्षण सत्रों से गुज़र चुके हैं, आपको कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में पता होना चाहिए, जैसे बाल विवाह से संबंधित बुनियादी मुद्दों और इसके कारणों को समझना। आपने अपने समुदाय या देश में इनकी पड़ताल की है, साथ-ही-साथ इस बारे में भी विस्तार से विचार किया है कि कैसे जेंडर इन मुद्दों को प्रभावित करता है और कई तरीकों से प्रभाव डालता है। इसलिए आप कदम उठाने और अपने कार्य के लिए एक लक्ष्य विकसित करने के लिए तैयार हैं।

अन्य सत्रों में आपने जो भी तरीके प्रयोग किए हैं उनमें से किसी भी समय न खाने वाले तरीके से समूह को तीन छोटे-छोटे समूहों में बाँटें। समूहों से इस बारे में फटाफट विचार-मंथन करवाइए कि उनके विचार में लक्ष्य और उद्देश्य क्या होते हैं - और उन्हें हासिल करने के लिए उन्हें कौनसे कदम उठाने होंगे। समूह चर्चा के लिए 10 मिनट दीजिए और फिर एक खुली चर्चा के लिए उन्हें 5 मिनट दीजिए जिसमें वे इस बारे में चर्चा करेंगे कि उन्हें सबसे महत्वपूर्ण क्या लगा और उनके विचार क्या हैं।

गतिविधि 5: चर्चा को निष्कर्ष पर पहुँचाना और सत्र का समापन

सत्र के अंतिम 10 मिनटों में, आप खुली चर्चा के रूप में कुछ प्रश्न पूछकर यह जाँच सकते हैं कि हर किसी ने उन विचारों को समझ लिया हो जिन पर आपने चर्चा की है।

- लक्ष्य क्या होता है?
- उद्देश्य क्या होता है?
- लक्ष्य और उद्देश्य के बीच क्या अंतर है?
- स्मार्ट (SMART) उद्देश्य क्या होता है?

उनसे कहिए कि आज उन्होंने जो मुख्य चीज सीखी है वह शेयर करें, उसके बाद सत्र समाप्त कर दें।

मॉड्यूल 3 - सत्र 2: एडवोकेसी रणनीति तैयार करना

उद्देश्य : एडवोकेसी रणनीति तैयार करना औरआपके श्रोताओं के "दिल, दिमाग़ और हाथों" तक पहुँचने वाला - यानि उन्हें सोचने, महसूस करने और कुछ करने के लिए प्रेरित कर सकने वाला - एक अच्छा संदेश क्या होगा यह जानना। इसमें हमने इस बारे में विचार शामिल किए हैं कि मीडिया के साथ कैसे कार्य किया जाए और यह समझना कि ऐसी संचार गतिविधियाँ किस प्रकार की जाएँ।

सहभागियों की संख्या : 24

समय : 2 घंटे, 10 मिनट

सत्र की रूपरेखा :

- एडवोकेसी रणनीति तैयार करना
- संदेश क्या होता है और प्रभावी संदेश कैसे तैयार करें
- शक्तिशाली संदेश और प्रभाव रचित करने के लिए संचार का उपयोग कैसे करें

पहले से तैयार करने की चीजें :

- पृष्ठभूमि विषय-वस्तु पढ़ें और उसे अच्छी तरह जान लें ताकि विस्तृत समूह के सामने इसे प्रस्तुत करने में आपको आत्मविश्वास महसूस हो
- प्रस्तुति स्लाइडें (इलेक्ट्रॉनिक या कागज़ी)
- यदि आप समूह के साथ ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करेंगे तो उसका अभ्यास कीजिए
- आप समूह से जिस भी तालिका या टेम्प्लेट का उपयोग करवाना चाहते हैं उसकी कॉपी प्रिंट कर लीजिए
- "फुसफुसाहट (विस्पर, विस्पर)" गेम के लिए कागज़ के कई टुकड़ों पर कुछ मूर्खतापूर्ण, मज़ेदार वाक्य लिखिए।

आवश्यक सामान :

- फ़्लिप चार्ट पेपर
- मार्कर या मोटे पेन
- टेप या फिर दीवार पर कागज़ रोकने के लिए कुछ सामान
- प्रस्तुतियाँ
- हर किसी के लिए दोनों तालिकाओं की कॉपियाँ

	आवंटित समय	गतिविधि
1	10 मिनट	आपका स्वागत है • पुनर्परिचय और रिमाइंडर (यदि स्वतंत्र सत्र संचालित कर रहे हों)
2	15 मिनट	समूह कार्य : अपनी आवाज़ और ताक़त ढूंढना
3	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : एडवोकेसी रणनीति क्या होती है
4	40 मिनट	समूह कार्य : अपनी एडवोकेसी रणनीति बनाना
5	10 मिनट	ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि
6	15 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : प्रभावी संदेश तैयार करना
7	15 मिनट	समूह कार्य या ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि : प्रभावी संचार
8	10 मिनट	निष्कर्ष और सत्र का समापन

3.2 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

गतिविधि 1: परिचय

अन्य सभी सत्रों की भांति, अपने समूह का संक्षिप्त स्वागत कीजिए। मॉड्यूल के संक्षिप्त विवरण के साथ सत्र आरंभ कीजिए। समूह को समझाइए कि इस सत्र में हम एक एडवोकेसी रणनीति तैयार करेंगे और यह जाँचेंगे कि आपकी एडवोकेसी पहल के लिए संचार क्यों महत्वपूर्ण है और लक्ष्य-विशिष्ट संदेश कैसे बनाए जाएँ। इसके बाद संवेदनशीलता एवं संरक्षण चेतावनी पर बात कीजिए (जो प्रशिक्षक मार्गदर्शिका के आरंभ में है) ताकि सभी सत्र एक समान ढंग से आरंभ हों।

यदि आप इसे एक स्वतंत्र सत्र के रूप में कर रहे हैं

अपने समूह का फिर से एक साथ स्वागत करें। मॉड्यूल 1 और 2 के पिछले सत्रों की भांति, यदि आप इसे एक स्वतंत्र सत्र के रूप में कर रहे हैं (जैसे, यह पिछले सत्र के बाद का दिन या सप्ताह है), तो हर किसी से दोबारा उसका परिचय दिलवाएँ ताकि उन सभी को एक-दूसरे के नाम याद हो जाएँ। उन्हें याद दिलाइए कि हम सभी यहाँ साथ क्यों हैं और फटाफट से उन्हें संवेदनशीलता चेतावनी और वे मूल नियम फिर से याद दिलाइए जो की आपने साथ मिलकर तय किए थे। समूह को समझाइए कि कार्यशाला सत्र का प्रयोजन क्या है। पिछले सत्रों में आपने जो मुख्य बिंदु कवर किए हैं उन्हें फटाफट दोहरा लेना भी उपयोगी रहेगा। हमारा सुझाव है कि आप पहले की तरह प्रस्तुति स्लाइडों को संक्षेप में अवश्य दोहराएँ - पर यदि आपके पास समय की कमी है तो आपकी पिछली प्रस्तुतियों का एक फटाफट दोहराव, समूह को आपके द्वारा कवर हो चुके मुद्दों पर वापस सही गति पर लाने में मदद करेगा।

या

यदि आप इसे पूरी प्रशिक्षण कार्यशाला के भाग के रूप में कर रहे हैं

यदि आप इसे पूरी प्रशिक्षण कार्यशाला (सभी सत्र संयुक्त) के भाग के रूप में आयोजित कर रहे हैं, तो हमारा सुझाव है कि यही समय है एक ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करने का, और आपको रिमाइंडर देने की या सत्र की पुनरावृत्ति करवाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। आप बस सत्र के मुख्य लक्ष्य, वे मुख्य विषय-बिंदु जिन पर आप चर्चा करने जा रहे हैं, और संवेदनशीलता तथा एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करने के बारे में एक संक्षिप्त रिमाइंडर पेश कर दीजिए।

गतिविधि 2: अपनी आवाज़ और ताक़त ढूंढना

प्रशिक्षक के रूप में इस सत्र का ध्येय :

यह गतिविधि सहभागियों को इस उद्देश्य से एक स्थान प्रदान करने के लिए है कि वे अपने-अपने समुदायों में संभावित बदलावकर्ताओं के रूप में अपनी खुद की भूमिका - विशेष रूप से बाल विवाह ख़त्म करने के लिए कार्यरत युवा कार्यकर्ता और एडवोकेट होने, या बनने से संबंधित भूमिका - के बारे में सोचें। यह गतिविधि उनका आत्मविश्वास और इस तथ्य में उनका विश्वास बढ़ाने का ध्येय रखती है कि वे इस मुद्दे पर कदम उठा सकते हैं और वे जो करते हैं उससे बदलाव आ सकता है। वे एक आदर्श भविष्य के अपने विचार पहले ही विकसित कर चुके हैं; अब समय है कि वे देख सकें कि उनमें से हर कोई उस भविष्य का निर्माण करने में मदद करने में समर्थ है।

इस नाटक अभ्यास के लिए आपके पास 15 मिनट हैं :

1. अपने समूह के सभी सहभागियों से जोड़े बनाने को कहिए। यदि संभव हो तो, उन्हें किसी ऐसे के साथ जोड़ा बनाने को प्रोत्साहित कीजिए जिसके साथ उन्होंने पहले कभी नज़दीकी से काम नहीं किया हो।
2. उन्हें बताइए कि साथ मिलकर वे एक नाटक अभ्यास करेंगे जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को एक चर्चा में एक चरित्र का अभिनय करना है। जोड़े में से एक व्यक्ति उस समुदाय का एक प्रभावी वयस्क बनेगा जिसमें वे रहते हैं; उदाहरण के लिए, वे कोई प्रधानाध्यापक या कोई सामुदायिक नेता बन सकते हैं। चर्चा में दूसरा चरित्र, समुदाय के एक युवा व्यक्ति की भूमिका निभाएगा।
3. अब समय है कि आप दृश्य तय करें। आपको जिस परिस्थिति का अभिनय करना है वह इस प्रकार है : वयस्क को विश्वास नहीं कि बाल विवाह कोई मुद्दा है, या यह कि युवा लोग इस प्रथा को ख़त्म करने के लिए कदम उठा सकते हैं। वह यह भी सोचता है कि युवाओं को ऐसे मुद्दों में दखल नहीं देना चाहिए क्योंकि वे सामुदायिक और परंपरागत प्रथाएँ हैं। हालांकि, युवा व्यक्ति को बाल विवाह के बारे में पूरे उत्साह के साथ परवाह है, और वह सच में यह मानता है कि युवाओं को प्रथा को ख़त्म करने के प्रयासों में शामिल होना चाहिए, और यह कि उनके समुदाय में इस प्रथा को बदले जाने की ज़रूरत है।
4. समूहों से नाटक अभ्यास में 5 मिनट बिताने को कहिए - इसमें वे विभिन्न भूमिकाएँ निभाएंगे - और इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति इस मुद्दे पर युवाओं द्वारा कदम उठाए जाने के पक्ष/विपक्ष में अपने-अपने तर्क रखेगा।
5. नाटक ख़त्म हो जाने पर, उन सभी से इन प्रश्नों के बारे में सोचने को कहिए:

    - युवाओं को इस मुद्दे में शामिल नहीं होना चाहिए यह कहने के लिए वयस्क ने किन तर्कों का उपयोग किया?
    - युवा व्यक्ति ने किन तर्कों का उपयोग किया?
    - आपके विचार में आपके जोड़े में चर्चा/बहस में जीत किसकी हुई?
    - एक युवा कार्यकर्ता के रूप में अपने तर्क को और मज़बूती देने में किस चीज से मदद मिल सकती थी?

अब नीचे दी गई उदाहरण प्रस्तुति का उपयोग करे कुछ मुख्य संदेश शेयर कीजिए। समूह से पूछिए कि क्या यह संभव है कि युवाओं में इनमें से भले ही सभी नहीं पर कम-से-कम कुछ कौशल हों?

उदाहरण प्रस्तुति 1

एक प्रभावी एडवोकेट बनने के लिए ज़रूरी है:

- उत्साह और ऊर्जा।
- चर्चा और लड़ाई जारी रखने की दृढ़ता।
- आप क्या बदलाव देखना/हासिल करना चाहते हैं इस बात की एक स्पष्ट सोच (विज़न)।
- दूसरों के साथ काम करने की योग्यता।
- अपने उद्देश्य के लिए थोड़ा समय और ऊर्जा लगाने की इच्छा।
- यह समझ कि हर किसी के विचार आप जैसे नहीं हो सकते हैं, और जिनके नहीं हैं उनको समझा-बुझाकर कैसे राज़ी किया जाए।
- अपना संदेश साफ़ और सरल तरीके से समझाकर लोगों को अपने पाले में लाने के लिए शक्तिशाली संचार कौशल।

उदाहरण प्रस्तुति 2

युवा, बाल विवाह के मुद्दों के बहुत अच्छे एडवोकेट होते हैं क्योंकि :

- वे मुद्दे से सीधे तौर पर प्रभावित और उसमें शामिल होते हैं।
- उनके पास ऐसी जानकारी तक पहुँच होती है जो वयस्कों की पहुँच में नहीं भी हो सकती है, और परंपराओं या सामाजिक मानदंडों, जो समान बने रहने की बजाय पीढ़ी-दर-पीढ़ी बदल सकते हैं, के बारे में भिन्न विचार होते हैं।
- वे ऐसी लड़कियों की पहचान में मदद कर सकते हैं जोख़िम में हैं, और अकसर वे हस्तक्षेप में मदद भी कर सकते हैं।
- वे उस दबाव को समझ सकते हैं जो युवाओं पर उनके माता-पिता और समुदायों की ओर से होता है, विशेष रूप से परंपरागत प्रथाओं से संबंधित दबाव।
- वे यह विश्लेषण कर सकते हैं कि मुद्दे के लिए प्रस्तावित कोई समाधान काम करेगा या नहीं, और ऐसे समाधान या हस्तक्षेप का सुझाव दे सकते हैं जो दूसरों ने सोचे भी नहीं होते।

समूह चर्चा

अब समूह से पूछिए कि यह अभ्यास करने के बाद उन्हें कैसा महसूस हो रहा है; वे अपने एहसासों को संक्षेप में प्रदर्शित करके उत्तर दें। यदि उनका विश्वास है कि युवा लोग बाल विवाह ख़त्म करने के लिए कदम उठा सकते हैं, और वे बदलाव के प्रभावी कारक बन सकते हैं, तो उन्हें कमरे के एक ओर चले जाना चाहिए। यदि नहीं, तो उन्हें दूसरी ओर चले जाना चाहिए। यदि किसी युवा का यह नहीं मानना है कि वे इस मुद्दे पर कदम उठा सकते हैं/उन्हें इस मुद्दे पर कदम उठाना चाहिए, तो उनसे कहिए कि वे अपने तर्काधार को समझाएँ और एक समूह के रूप में इस पर विस्तृत चर्चा करें। प्रत्येक व्यक्ति को इस बारे में सशक्त महसूस करना चाहिए कि वह बदलाव ला सकता है, और यह कि वह बदलावकर्ता है। उन्हें प्रशिक्षण में भाग लेते रहने के लिए प्रोत्साहित कीजिए, और कहिए कि प्रशिक्षण जारी रखिए, हो सकता है कि आपके विचार बदल जाएँ। समझाइए कि अगला अभ्यास - एडवोकेसी रणनीति तैयार करना - उन्हें यह देखने में मदद देगा कि कैसे वे बदलाव के शक्तिशाली पक्ष-समर्थक बन सकते हैं। कमरे में मौजूद हर व्यक्ति के पास प्रभाव डालने और अपनी परिस्थिति बदलने की शक्ति है। इसी प्रकार हम यह देखेंगे कि रणनीति बनाने से किस प्रकार आपको, बदलाव के एक युवा एडवोकेट के रूप में, सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।

गतिविधि 3: प्रशिक्षक प्रस्तुति - एडवोकेसी रणनीति विकसित करना

अब समय है कि आप, यानि प्रशिक्षक, इस बारे में प्रस्तुति दे कि युवा कार्यकर्ताओं के कार्य और एडवोकेसी के लिए एडवोकेसी रणनीति विकसित करने हेतु समूह को क्या करना है। आपके पास वे मुख्य विचार प्रस्तुत करने के लिए 10 मिनट हैं जिन्हें हमने नीचे शामिल किया है।

समूह के सामने प्रस्तुति

अब जबकि आपने अपने मुख्य लक्ष्य और उद्देश्य तैयार कर लिए हैं, आप उन्हें अधिक विस्तार से छोटे-छोटो टुकड़ों में बाँटने को और यह विचार करने को तैयार हैं कि उन्हें हासिल करने के लिए आप साथ मिलकर कौनसे व्यावहारिक कदम उठा सकते हैं - एक बार में एक कदम। एडवोकेसी रणनीति इस प्रक्रिया की योजना बनाने में मदद करने का एक तरीका है। यह आपको उस प्रत्येक अलग-अलग गतिविधि की योजना बनाने में सक्षम बनाती है जो उस "बड़ी तस्वीर" या लक्ष्य को हासिल करने में योगदान देगी जिसकी दिशा में आप कार्य कर रहे हैं। इससे आपको व्यवस्थित और विस्तृत ढंग से यह सोचने में भी मदद मिलती है कि आपकी टीम में से कौन वह गतिविधि करेगा, और आपका लक्ष्य श्रोतावर्ग या हितधारक कौन होंगे। इसमें आप उन कदमों की योजना बना रहे हैं जो आपको अपना वांछित बदलाव हासिल करने के लिए उठाने होंगे। आपकी रणनीति वह गतिविधि समूह समझाएगी जो दीर्घकालिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए की जानी हैं। सरल शब्दों में, आपको इन प्रश्नों के उत्तर ढूंढने चाहिए :

- इस समय हम कहाँ हैं?
- हम कहाँ जाना चाहते हैं?
- हम वहाँ कैसे पहुँचें?

हर कदम में निम्नलिखित शामिल होने चाहिए :

- आप जिस परिवेश / संदर्भ में कार्य करते हैं उसके अवसरों और चुनौतियों को देखते हुए, प्रभावी ढंग से कार्य करने के तरीके।
- आपके पास जो संसाधन उपलब्ध हैं उनका आवंटन।
- हितधारकों, और आप जिस नेटवर्क में कार्य करते हैं उसके बीच के संबंधों को कैसे संभालें।
- आपके लक्ष्य में आपकी सहायता करने वाले विशिष्ट श्रोतावर्गों और समूहों को लक्ष्य बनाने के लिए ढाले गए संदेश।

अपनी एडवोकेसी रणनीति की योजना बनाते समय रणनैतिक ढंग से सोचना, इस कार्य को संभालने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। रणनैतिक और व्यवस्थित ढंग से सोचने, यानि चरण-दर-चरण व्यवस्थित और विस्तृत ढंग से यह सोचने कि क्या किया जाना है, से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि आप प्रत्येक आवश्यक गतिविधि पर ध्यान दें, और इससे दूसरों को आपकी योजनाओं से अवगत कराने और यह दिखाने में भी मदद मिलती है कि वे किस तरह उनमें शामिल हो सकते हैं।

आप कहाँ जाना चाहते हैं, आपको यह लक्ष्य तय करना होगा, और फिर उसके लिए छोटे-छोटे लक्ष्य तय करने होंगे। बिना सोचे-समझे एवं सक्रिय दृष्टिकोण के बिना ऐसा नहीं किया जा सकता है। आप जो बदलाव देखना चाहते हैं उन्हें हासिल करने में मदद के लिए रणनैतिक संदेश आवश्यक और अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये लक्ष्य समूह को ध्यान में रख कर बनाना गए हों , और आपके मुद्दों के संबंध में प्रभावी संचार और एडवोकेसी कर सकते हों। इससे व्यापक और बड़े लक्ष्यों को कहीं बेहतर ढंग से आसान कदमों में बाँटने में भी मदद मिलती है।

यह आपको तय करना है कि आपने जो समय-रेखा तैयार की है और आपका जो अंतिम लक्ष्य है उसके अनुसार, आपकी रणनीति पर हर महीने चर्चाएवं समीक्षा उपयोगी रहेगी या हर दो महीनों में एक बार। एडवोकेसी रणनीतियों की डिजाइन और उनका कार्यान्वयन सीधा-सादा नहीं होता है, और आपके आगे बढ़ने के साथ-साथ उनमें बदलाव और सुधार की ज़रूरत पड़ेगी, क्योंकि आप जिस संदर्भ और परिवेश में कार्य करते हैं वे भी बदल सकते हैं। वास्तविक कार्यान्वयन शुरू करने पर आपको कुछ गतिविधियों की समीक्षा करने और उन पर दोबारा काम करने की ज़रूरत पड़ेगी। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए है कि आप जिस समूह या समुदाय में कार्य कर रहे हैं आप उसके मुद्दों की पूरी शृंखला पर सर्वोत्तम संभव ध्यान दे रहे हों, और किसी को छोड़ नहीं रहे हों, या वास्तविकता पर ध्यान देने में विफल नहीं हो रहे हों। अब हम एक प्रस्तावित टेम्प्लेट देखेंगे जिसमें उस पहेली के हर टुकड़े के उदाहरण हैं जो आपको अपनी रणनीति को आकार देने के लिए तैयार करनी होगी।

हमारा सुझाव है कि आप सहभागियों को उदाहरण एडवोकेसी रणनीति और हमने नीचे जो टेम्प्लेट फ़ॉर्म दिया है, दोनों की एक-एक कॉपी दे दें।

उदाहरण तालिका (जो नीचे दी गई है) का उपयोग करते हुए, अपने समूह के साथ इसकी पड़ताल कीजिए और समझाइए कि आपकी रणनीति तैयार करने के लिए प्रत्येक स्तंभ में आपको क्या शामिल करना होगा। आप निम्नांकित चरण समझा सकते हैं :

- सबसे पहले सबसे ऊपर की पंक्ति में अपने लक्ष्य भरिए - यह वह अंतिम बदलाव है जो आप अपने कार्य के जरिए हासिल करना चाहते हैं।
- इसके बाद, एकदम बायें वाले स्तंभ में अपने उद्देश्य जोड़िए। ऐसे तीन से पाँच उद्देश्य लिखने की कोशिश कीजिए जो आप अपने कार्य के जरिए हासिल करना चाहते हैं।
- प्रत्येक स्तंभ में बायें से दायें काम करते हुए कुछ विचारों पर अपने समूह में साथ मिलकर विचार-मंथन कीजिए, जैसे कौनसी गतिविधियाँ चाहिए, उन्हें कौन कर सकता है, और प्रत्येक अनुभाग में उन्हें शामिल कीजिए।
- यदि आप वह जेंडर विश्लेषण पूरा करने में सफल रहे थे जिसकी हमने पहले पड़ताल की थी, तो यहाँ उसकी मदद लीजिए। वह, और आपने जो भी अन्य शोधएवं विश्लेषण किया हो वे, यह तय करने में आपकी मदद करेंगे कि आपके लक्ष्य कौन हैं, यथार्थवादी समय-सीमाएँ क्या रहेंगी, और संभव समाधान क्या हो सकते हैं।
- यदि आप अटक जाएँ या आपको और प्रेरणा चाहिए हो तो तालिका में शामिल उदाहरण पढ़ें।

1. एक पूर्ण एडवोकेसी रणनीति टेम्प्लेट का उदाहरण

लक्ष्य : यह एक प्रेरणादायक विवरण है कि आप लम्बे समय में क्या हासिल करना चाहते हैं, यानि वह "बड़ी तस्वीर" जो आप अपने कार्य या अपने हस्तक्षेप के जरिए हासिल करना चाहते हैं।
उदाहरण : एक साल के अंदर दो गाँवों में बाल विवाह में 25% की कमी लाना।

उद्देश्य आप क्या हासिल करना चाहते हैं? वह अंतिम बदलाव क्या है जो आप देखना चाहते हैं?	लक्ष्य आप जो बदलाव देखना चाहते हैं उसे हासिल करने के लिए वे सबसे महत्वपूर्ण लोग कौन हैं जिन्हें आपको लक्ष्य बनाना या प्रभावित करना होगा?	सहयोगी/मित्र आपको किन लोगों के साथ कार्य करना होगा और कौन लोग आपके कार्य में आपकी मदद करेंगे?	गतिविधियाँ प्रत्येक लक्ष्य हासिल करने और सफल होने के लिए आपको कौनसे कदम उठाने होंगे या कौनसे कार्य करने होंगे?	संसाधन अपना लक्ष्य वास्तव में हासिल करने के लिए आपको क्या चाहिए होगा? यदि आपको धन या बजट की ज़रूरत होगी, तो स्पष्ट कीजिए कि आपको कितना धन या बजट चाहिए होगा और वह कहाँ से आएगा।	संभावित जोख़िम इस मुद्दे पर आपके कार्य से कौनसे जोख़िम, नकारात्मक प्रभाव या चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं? इस बारे में भी सोचें कि कौनसे जेंडर मुद्दे शामिल हैं।	समय-सीमाएँ इस बारे में बेहद स्पष्ट रहिए कि कौनसे कदम उठाए जाने हैं, वे किस क्रम में उठाए जाने हैं, और उन्हें कब तक पूरा कर लेना है।	कौन ज़िम्मेदार है? स्पष्ट कीजिए कि किस कार्य विशेष का नेतृत्व कौन करेगा, और वह पूरा हो यह सुनिश्चित करने में उसकी क्या भूमिका है।	सफलता के मानदंड आप कैसे जानेंगे कि आपने अपने लक्ष्य हासिल कर लिए या नहीं, और आपको जो चाहिए उसे हासिल करने के लिए अपनी स्थिति को ट्रैक करने हेतु आपको क्या चाहिए?
बाल विवाह के प्रभावों पर चर्चा के लिए एक रेडियो चर्चा आयोजित कीजिए	• स्थानीय शिक्षा अधिकारी • पुलिस प्रमुख एवं अन्य अधिकारी • समुदाय के लोग	• स्थानीय मीडिया • स्थानीय अध्यापक • पुलिस बल	• विचार पेश करने के लिए स्थानीय रेडियो स्टेशन जाना • रिश्ते के किसी भाई/बहन, जो किसी रेडियो डीजे को जानता/ती हो, से बात करना और उससे सलाह मांगना कि इसे कैसे पेश किया जाए और चर्चा की संरचना क्या हो	• आने-जाने का खर्चा • सुनिश्चित करें कि युवा महिलाएँ कार्यक्रम/पैनल का हिस्सा हों	स्थानीय समुदाय उक्त विचारों के विरोध में है, इसलिए बुजुर्गों को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बुलाइए	दो महीनों में : फ़रवरी के आख़िर तक पूरा	पीटर : डीजे या रेडियो होस्ट से बात करने के लिए सेलीन : स्क्रिप्ट और बातचीत के मुख्य बिंदु तैयार करने के लिए	रेडियो टॉक शो पूरा होता है

2. आपकी एडवोकेसी रणनीति के लिए टेम्प्लेट : आपके समूहों में उपयोग के लिए

लक्ष्य :

उद्देश्य आप क्या हासिल करना चाहते हैं? वह अंतिम बदलाव क्या है जो आप देखना चाहते हैं?	लक्ष्य आप जो बदलाव देखना चाहते हैं उसे हासिल करने के लिए वे सबसे महत्वपूर्ण लोग कौन हैं जिन्हें आपको लक्ष्य बनाना या प्रभावित करना होगा?	सहयोगी/मित्र आपको किन लोगों के साथ कार्य करना होगा और कौन लोग आपके कार्य में आपकी मदद करेंगे?	गतिविधियाँ प्रत्येक लक्ष्य हासिल करने और सफल होने के लिए आपको कौनसे कदम उठाने होंगे या कौनसे कार्य करने होंगे?	संसाधन अपना लक्ष्य वास्तव में हासिल करने के लिए आपको क्या चाहिए होगा? यदि आपको धन या बजट की ज़रूरत होगी, तो स्पष्ट कीजिए कि आपको कितना धन या बजट चाहिए होगा और वह कहाँ से आएगा।	संभावित जोख़िम इस मुद्दे पर आपके कार्य से कौनसे जोख़िम, नकारात्मक प्रभाव या चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं? इस बारे में भी सोचें कि कौनसे जेंडर मुद्दे शामिल हैं।	समय-सीमाएँ इस बारे में बेहद स्पष्ट रहिए कि कौनसे कदम उठाए जाने हैं, वे किस क्रम में उठाए जाने हैं, और उन्हें कब तक पूरा कर लेना है।	कौन ज़िम्मेदार है? स्पष्ट कीजिए कि किस कार्य विशेष का नेतृत्व कौन करेगा, और वह पूरा हो यह सुनिश्चित करने में उसकी क्या भूमिका है।	सफलता के मानदंड आप कैसे जानेंगे कि आपने अपने लक्ष्य हासिल कर लिए या नहीं, और आपको जो चाहिए उसे हासिल करने के लिए अपनी स्थिति को ट्रैक करने हेतु आपको क्या चाहिए?

अपनी एडवोकेसी रणनीति में संभावित गतिविधियाँ चुनने में आपकी मदद के लिए यहाँ कुछ प्रश्न दिए जा रहे हैं :

1) आपके लक्ष्य या लक्ष्यों की व्यक्तित्व की विशेषताएँ क्या हैं; उनकी पसंद-नापसंद क्या हैं और उन्हें किन चीजों में रुचि है या कौनसी चीजें उन्हें आकर्षित करती हैं? उनके कार्य के बारे में आप क्या जानते हैं और आप उनका ध्यान किस प्रकार आकर्षित कर सकते हैं? इस बारे में सोचिए कि उनका ध्यान खींचने या उनमें रुचि जगाने के लिए पहले कौनसी गतिविधियाँ या युक्तियाँ सफल रही थीं, या यह कि उन तक सीधे पहुँचने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। उदाहरण के लिए, यदि आपका लक्ष्य कोई शांत राजनीतिज्ञ है जो बड़े ध्यानाकर्षण या मीडिया को पसंद नहीं करता है, तो बाल विवाह को खत्म करने के लिए कौनसे तरीके सफल हैं, और यह मुद्दा क्यों महत्वपूर्ण है, इससे संबंधित स्पष्ट प्रमाणों वाली एक संक्षिप्त रिपोर्ट उसके लिए ज़्यादा उपयुक्त और प्रासंगिक रहेगी, बजाय इसके कि आप उसके कार्यालय के सामने कोई बड़ा विरोध प्रदर्शन करें या कोई याचिका दायर कर दें।
2) क्या आपके पास अपनी गतिविधियों के लिए बजट है? यदि नहीं, तो जलपान, स्थान के किराये आदि की लागतों वाला कोई कार्यक्रम आयोजित करना अयथार्थवादी होगा। ऐसी चीजों के बारे में सोचें जो आप बिना खर्चे के कर सकते हों : जैसे, मीडिया को शामिल करने में अकसर कोई खर्चा नहीं होता है। या, यदि गतिविधि आवश्यक है, तो किसी साझेदार के साथ मिलकर उसे करने पर विचार करें; इससे खर्चे कम करने में मदद मिल सकती है, या फिर वह साझेदार अतिरिक्त बजट के रूप में सहयोग कर सकता है।
3) इसे देने के लिए सच में आपके पास कितना समय है? इस पर आप सच में कितना समय खर्च कर सकते हैं और आप क्या हासिल करने का लक्ष्य बना रहे हैं इस बारे में यथार्थवादी रहिए।

उदाहरण प्रस्तुति :
एडवोकेसी रणनीति तैयार करना

- एडवोकेसी रणनीति आपको उस प्रत्येक कदम या गतिविधि की योजना बनाने में मदद करती है जो आपको "बड़ी तस्वीर" या अपने कार्य के लिए आपने जो लक्ष्य तय किया है उसे हासिल करने में मदद करेगा/गी।
- सरल शब्दों में कहें तो, रणनीति से आपको इस बारे में स्पष्ट होने में मदद मिलती है कि : इस समय हम कहाँ हैं, हम कहाँ जाना चाहते हैं और वहाँ पहुँचने के लिए हमें क्या चाहिए होगा।
- एडवोकेसी रणनीति की गतिविधियाँ आपको इनमें मदद देती हैं :
  - किसी परिवेश विशेष में काम करने से उत्पन्न हो सकने वाले अवसरों और चुनौतियों का और, चुनौती या जोख़िम से पार पाने के लिए आपको कौनसे कदम उठाने होंगे इस बात का आंकलन करना।
  - यह सुनिश्चित करना कि आपने उपलब्ध संसाधन और बजट आवंटित किए हों, और कार्य एवं गतिविधियाँ, जैसे रिपोर्टिंग और मूल्यांकन आदि, आवंटित किए हों।
  - अन्य हितधारकों या कर्ताओं के साथ संबंधों का प्रबंधन करना, और अपना नेटवर्क संभालना। इससे आपको यह देखने में भी मदद मिलेगी कि आपको किसके साथ काम करना है।
  - जिस लक्ष्य श्रोतावर्ग को आपको संबोधित करना है उसे राज़ी करने के लिए अपने संदेश किस प्रकार ढालें।
- रणनैतिक नियोजन एक व्यवस्थित पद्धति है जो दूसरों को किसी मुद्दे में शामिल होने के लिए हमारी योजना से अवगत कराना संभव बनाती है।
- रणनैतिक संदेश बनाने से आपको प्रासंगिक श्रोतावर्ग को लक्ष्य बनाने में और अधिक प्रभावी संचार उत्पन्न करके कहीं बड़ा प्रभाव हासिल करने में मदद मिलेगी।
- इससे आपको अपनी पूरी बड़ी तस्वीर वाले लक्ष्य (या विस्तृत ध्येय) को कहीं बेहतर ढंग से संभाले जा सकने वाले कदमों में बाँटने में भी मदद मिलती है। इनसे आपको वह बदलाव हासिल करने के और नज़दीक पहुँचने में मदद मिलेगी जो आप अपने कार्य के फलस्वरूप होता देखना चाहते हैं।

गतिविधि 4: समूह कार्य - अपनी एडवोकेसी रणनीति बनाना

सभी को एक, दो, तीन करके तब तक दोहराते हुए गिनिए जब तक हर किसी को एक संख्या न मिल जाए, और फिर समान संख्या वालों को एक साथ इकट्ठा कर लीजिए, इस प्रकार अपने सहभागियों को तीन समूहों में बाँटिए। समझाइए कि अब हम समूहों में, साथ मिलकर एक एडवोकेसी रणनीति तैयार करने जा रहे हैं। यह एक रणनीति या योजना है जो हमें यह तय करने में मदद करेगी कि हमने जो मुख्य लक्ष्य चुना है उसे हासिल करने के लिए हमें कौनसी गतिविधियाँ करनी हैं, कब करनी हैं और किसे करनी हैं। प्रत्येक समूह को टेम्प्लेट रणनीति में दिए गए स्तंभों की पड़ताल करनी है और अपनी एडवोकेसी रणनीति तैयार करने के लिए अधिकतम संभव चीजें भरनी हैं। प्रत्येक समूह से कहिए कि वह तालिका में अपने उद्देश्य भरे और वे विभिन्न गतिविधियाँ सोचे जो वह उद्देश्य हासिल करने में योगदान देने के लिए कर सकता है, और फिर उन्हें दिए गए पर्चे में लिख ले। यदि आप उसी समूह के साथ कार्य कर रहे हैं जो पहले था, तो उनसे उन लक्ष्य टेम्प्लेटों का पुनः संदर्भ लेने को कहिए जिन पर उन्होंने पिछले सत्रों में कार्य किया था। इससे उन्हें यह पहचानने में मदद मिली कि उन्हें कौनसे लक्ष्य चाहिए, उनके उद्देश्य क्या थे, इत्यादि, और इसलिए यह, इस संदेश में जो कहना चाहते हैं उसे और निखारने में मदद करेगी।

अपनी एडवोकेसी गतिविधियों की योजना बनाते समय उन्हें जिन विभिन्न क्षेत्रों और मुद्दों के बारे में सोचने की ज़रूरत है उनपर उनसे विचार करवाने के लिए यह अभ्यास एक उदाहरण मात्र है, इसलिए परीक्षण मॉडलों का अध्ययन कर लेना सभी के लिए अच्छा है ताकि वे इसमें शामिल सभी चीजें देख सकें। उन्हें इस बारे में सोचने के लिए भी याद दिलाइए कि समय-सीमा क्या होगी, प्रत्येक कार्य के लिए कौन ज़िम्मेदार होगा, और इसे साकार करने के लिए उन्हें कौनसे संसाधन चाहिए होंगे। टेम्प्लेट के विभिन्न अनुभागों की पड़ताल करने और योजना बनाना शुरू करने के लिए उनके पास 20 मिनट होंगे।

प्रत्येक समूह से कहिए कि वह अपनी एडवोकेसी रणनीति और अपने मुख्य लक्ष्य को हासिल करने की अपनी कार्य योजना पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दे। उन्होंने जो मुख्य गतिविधियाँ लिखी थीं उन पर वापस प्रस्तुति देने के लिए उनमें से प्रत्येक को 5 मिनट दीजिए। प्रस्तुतियों का कुल समय आपके समूहों की कुल संख्या पर निर्भर करेगा, पर तीन समूहों के आधार पर, इस सत्र के लिए 15 मिनट दीजिए।

इस गतिविधि के अंत में आख़िर के 5 मिनट इसलिए दीजिए कि समूह जो भी फ़ीडबैक या प्रश्न हो वह प्रदान कर या पूछ सके। यह महत्वपूर्ण है कि हर कोई समझता हो कि इसे कैसे करना है और इस योजना को पूरा करने के लिए क्या-कुछ चाहिए।

गतिविधि 5: ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि

जब आप ऊपर बताया गया समूह कार्य अभ्यास पूरा कर लें, तो आपको कमरे में ऊर्जा के स्तर का आंकलन करना चाहिए। हमारा सुझाव है कि आप ऊर्जावान बनाने वाली इस गतिविधि का उपयोग अपने समूह को यह दिखाने के एक साधारण किंतु प्रभावी तरीके के रूप में कीजिए कि किस प्रकार संदेश, एक-स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचते-पहुँचते बदल जाते हैं या पूरी तरह अलग संदेश बन जाते हैं। इससे यह बात साफ़ करने में मदद मिलती है कि स्पष्ट, सरल संचार और संदेश का होना कितना महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से तब जब बाल विवाह जैसे जटिल मुद्दों पर चर्चा की जा रही हो।

फुसफुसाहट (विस्पर, विस्पर)...

समूह से कहिए कि वह दो कतारें बनाए, सभी कमरे में आगे की ओर मुँह करके खड़ा हो, और पक्का कीजिए कि हर कतार के बीच थोड़ी जगह हो। पहले से ही कुछ कागज़ के टुकड़ों पर कुछ मज़ेदार, झूठे समाचार या बाल विवाह से जुड़े वे विश्वास लिख लीजिए जो आपके समूह के लिए उपयुक्त हों। हर कतार के पहले व्यक्ति को एक कथन दीजिए। उससे कहिए कि वह बिना बोले वह संदेश पढ़े और फिर उससे पीछे खड़े व्यक्ति के कान में फुसफुसाए। पीछे वाला हर व्यक्ति यही कार्य करेगा : उसे जो संदेश मिला है वह अपने पीछे खड़े व्यक्ति के कान में फुसफुसाएगा। इसे तब तक जारी रखिए जब तक संदेश कतार के अंत तक न पहुँच जाए। अंतिम सहभागियों से कहिए कि उन्हें जो संदेश मिला उसे ज़ोर से बोलकर सुनाएँ। यह आमतौर पर काफ़ी मज़ेदार होता है क्योंकि एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हुए संदेश बिगड़ जाते हैं।

इसका उपयोग सत्र के मुख्य विचार से परिचय कराने के एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में कीजिए, वह विचार है - संदेश भेजने और ग़लतफ़हमी के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए - मुख्य संदेश बनाना। सहभागियों से पूछिए कि क्या गड़बड़ हुई और क्यों हुई, और उनके विचार में वे इसकी रोकथाम कैसे कर सकते थे या इसे किस प्रकार बेहतर बना सकते थे। इस ऊर्जावान बनाने वाली संपूर्ण गतिविधि के लिए 10 मिनट दीजिए।

गतिविधि 6: प्रशिक्षक प्रस्तुति - प्रभावी संदेश विकसित करना

एक प्रशिक्षक के रूप में आपकी ओर से एक और संक्षिप्त प्रस्तुति का समय। इस सत्र के लिए आपको 10 मिनट (अधिकतम 15 मिनट) आवंटित हुए हैं। सत्र का लक्ष्य समूह के सामने यह प्रस्तुत करना है कि आपका संचार प्रभावी हो यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य संदेश किस प्रकार विकसित किए जाएँ, और इससे आपकी सक्रियता को मज़बूत बनाने में मदद मिलती है। इसलिए समूह को निम्नलिखित समझाना महत्वपूर्ण है।

अपनी एडवोकेसी रणनीति तैयार करने के बाद, मुख्य संदेशों की पहचान करना महत्वपूर्ण है। ये छोटे-छोटे कथन होते हैं जो आपके मिशन और लक्ष्य का, जो बदलाव आप देखना या हासिल करना चाहते हैं उसका, और आप उसे कैसे हासिल करना चाहते हैं इस बात का, वर्णन करते हैं। संदेश आपके लक्षित श्रोतावर्ग को साफ़-साफ़ बताता है कि मुद्दा क्या है, उसे हासिल करने में मदद के लिए उनसे क्या करने को कहा जा रहा है/उन्हें क्या करना होगा, वह किए जाने योग्य क्यों है, और उस कार्य का सकारात्मक प्रभाव क्या होगा।

आपकी एडवोकेसी रणनीति को एकसाथ बनाए रखने के लिए एक शक्तिशाली और व्यापक कथन या संदेश महत्वपूर्ण होता है। यदि आपके संदेशों की संख्या बहुत अधिक हुई, या वे अस्पष्ट या बहुत जटिल हुए, तो हो सकता है कि वे आपके लक्षित श्रोतावर्ग का ध्यान आकर्षित न कर पाएँ या लंबे समय तक टिकने वाला प्रभाव न डाल पाएँ। ज़रूरी नहीं कि वह बस एक वाक्य ही हो, पर कोशिश कीजिए कि वह संक्षिप्त हो और केवल मुद्दे की बात करता हो, ताकि आपके लक्षित वर्ग का ध्यान उस पर बना रहे।

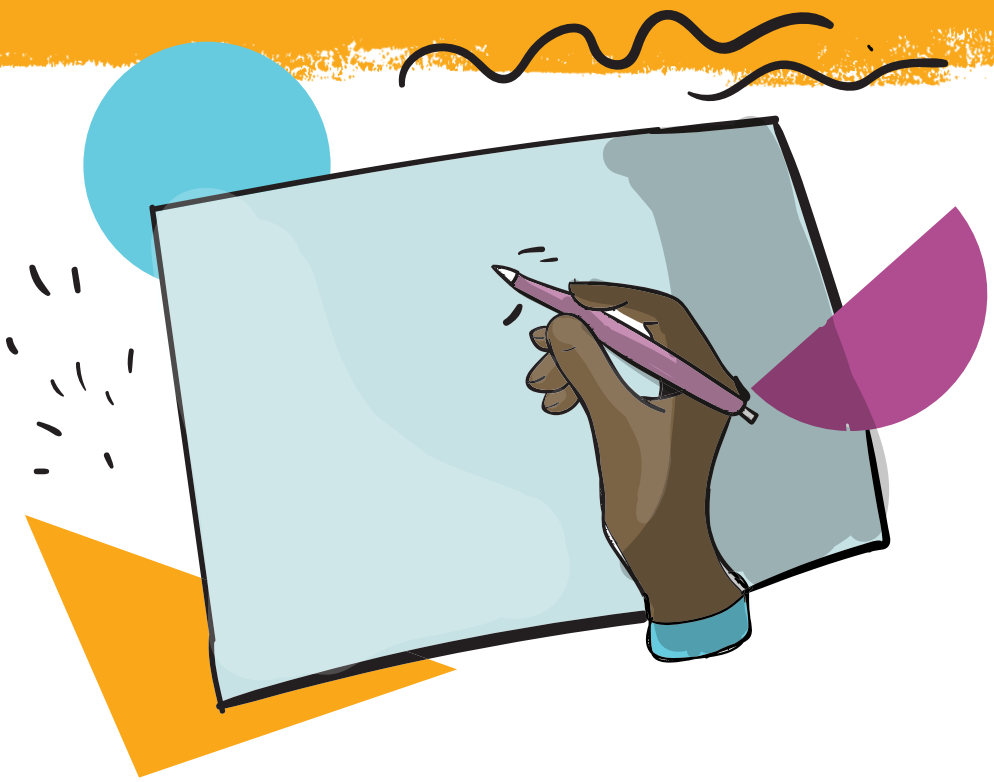

आपके संदेश ऐसे होने चाहिए जो :

- लोगों को समझा-बुझाकर राज़ी करे और प्रेरित करे, तथा उन्हें इस बारे में प्रेरणा महसूस कराए कि किस प्रकार वे बदलाव ला सकते हैं।
- मुद्दे के बारे में जागरुकता फैलाए, और उन्हें इस बात की परवाह करवाए कि यह क्यों महत्वपूर्ण है।
- आपके मुद्दे के इर्द-गिर्द एक भावनात्मक एहसास बनाते हों। उदाहरण के लिए, लोगों को अन्याय से, या बाल विवाह के बुरे कारणों से अवगत कराने से समर्थन जुटाने में मदद मिलेगी। आपको उन्हें बताना होगा कि उन्हें परवाह क्यों होनी चाहिए।
- मीडिया और अपने समुदाय के महत्वपूर्ण प्रभावकों में रुचि जगाए और उनमें शामिल होने की चाह पैदा करे।
- प्रभावी हो और उस "संचार के हो-हल्ले" से अलग दिखे जो लोगों पर रोज़ बरसता है। सभी समाचार और सभी प्रकार के मीडिया के रूप में बहुत सारी चीजों के संपर्क में आता है - कोशिश कीजिए कि आपका संदेश साधारण पर शक्तिशाली हो जो बाकियों से अलग दिखे।

संदेश में ये चीजें होनी चाहिए :

- एक मूल कथन जो आपका केंद्रीय विचार या समस्या का कारण समझाता हो। यह दिखाता है कि बदलाव इतना महत्वपूर्ण क्यों है और आपका अंतिम लक्ष्य क्या है। आपका मुख्य लक्ष्य अंततः यह है कि आप अपने एडवोकेसी के जरिए क्या हासिल करना चाहते हैं, इसलिए सभी हितधारकों को उसे साफ़ और सीधे तौर पर समझना और हासिल करना होगा।
- प्रमाणों के कुछ उदाहरण जो समझने में आसान तथ्यों और आँकड़ों द्वारा कथन का समर्थन करें।
- ऐसी सहज भाषा जो आपके मुख्य लक्ष्य वर्ग को आकर्षित करे। उदाहरण के लिए, जिस परिस्थिति और उसके प्रभावों की ओर आप ध्यान आकर्षित कर रहे हैं उसका कोई वास्तविक जीवन से उदाहरण देना लोगों का ध्यान आकर्षित करने और लोगों को उसे समझने में मदद देता है, क्योंकि इससे आपके मुद्दे पर संचार करते समय एक इंसानी चेहरा जुड़ जाता है।
- कौन से कदम उठाए जाने होंगे, और बदलाव में योगदान देने के लिए आपका श्रोतावर्ग क्या कर सकता है, ताकि समस्या के समाधान तक पहुँचा जा सके।

उदाहरण प्रस्तुति :
अपना संदेश तैयार करना

संदेश आपके लक्ष्य श्रोतावर्ग को बताता है कि उन्हें आपके लक्ष्य को हासिल करने में मदद देने के लिए क्या करना चाहिए : उनसे क्या करने को कहा जा रहा है, वह किए जाने योग्य क्यों है, और शामिल होने का सकारात्मक प्रभाव क्या होगा।

संदेश में ये चीजें होनी चाहिए:
- आप क्या हासिल करना चाहते हैं।
- आप उसे क्यों हासिल करना चाहते हैं (और दूसरों को भी उसे हासिल करने की चाहत क्यों होनी चाहिए)।
- आपके पास उसे हासिल करने की क्या योजना है।
- आप अपने श्रोतावर्ग से क्या विशिष्ट कार्य करवाना चाहते हैं।

संदेश ऐसा हो जो :
- लोगों को समझा-बुझाकर राज़ी करे और प्रेरित करे, तथा उन्हें इस बारे में प्रेरणा महसूस कराए कि किस प्रकार वे बदलाव ला सकते हैं।
- मुद्दे के बारे में जागरुकता फैलाए, और उन्हें इस बात की परवाह करवाए कि यह क्यों महत्वपूर्ण है।
- समर्थन जुटाने के लिए अन्याय की समझ पैदा करे : उन्हें बताइए कि उन्हें परवाह क्यों होनी चाहिए।
- मीडिया और अपने समुदाय के महत्वपूर्ण प्रभावकों में रुचि जगाए और उन्हें शामिल करे।
- प्रभावी हो और उस "संचार के हो-हल्ले" से अलग दिखे जो लोगों पर रोज़ बरसता है।

प्रस्तुति का अनुभाग 2: अच्छा संदेश कैसे बनता है?

संचार, या आप अपना संदेश सामने वाले तक कैसे पहुँचाते हैं, आपके एडवोकेसी कार्य का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इस बारे में व्यवस्थित और विस्तृत ढंग से सोचना ज़रूरी है कि आपको लोगों को अपनी बात पर राज़ी करने के लिए कौनसे संदेश सबसे प्रभावी रहेंगे, विशेष रूप से आपके विभिन्न लक्ष्य समूहों के लिए। विचार-मंथन करने और आपस में चर्चा करने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि आपकी टीम या समूह के हर सदस्य के पास समान जानकारी और समान समझ हो - साथ मिलकर कार्य करना शक्तिशाली संचार रचने में काफ़ी मदद करता है, विशेष रूप से काफ़ी चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में, जैसे अपने संदेश बनाना।

प्रभावी संदेश:

- आप जो बदलाव लाना चाहते हैं उसे सारांश में बताता है।
- संक्षिप्त और सरल होता है।
- श्रोतावर्ग के अनुरूप ढला हुआ होता है।
- में आप अपना लक्ष्य/उद्देश्य कब तक हासिल करना चाहते हैं इस बात की समय सीमा होती है।
- में यह बात शामिल होती है कि बदलाव महत्वपूर्ण क्यों है।
- याद रखने योग्य होता है।
- में भावनात्मक और तार्किक संदेश होता है।
- यह चर्चा करनी और व्यवस्थितएवं विस्तृत ढंग से सोचना ज़रूरी है कि कौनसे संदेश सबसे प्रभावी रहेंगे।

शक्तिशाली संदेशों की रचना कैसे की जाए इस बारे में नीचे प्लान इंटरनेशनल टूलकिट से कुछ उपयोगी सुझाव दिए जा रहे हैं। इससे कार्यकर्ता इस बारे में सोचने को प्रोत्साहित होंगे कि अच्छे संदेश से आपको उन समूहों, जिन्हें आप लक्षित कर रहे हैं या आपको जिन्हें संलग्न करना है, से जुड़ने में किस प्रकार मदद मिलेगी। लोग आपके उद्देश्य पर सोचें और कदम उठाएँ इसके लिए आपको तीन क्षेत्रों को लक्ष्य बनाना चाहिए।

- उनका दिमाग़ : यह वह बौद्धिक और मेधावी संदेश है जिससे वे एक ऐसी चीज के बारे में सोचते, से अवगत होते या को जानते हैं जिसके बारे में वे पहले नहीं जानते थे, और साथ में उस नकारात्मक रुझान के दुष्परिणामों और प्रभावों के बारे में भी जान जाते हैं।
- उनका दिल : यह अधिक भावनात्मक और व्यक्तिगत है, और इससे उन्हें कुछ ऐसा इतने ज़ोरों से महसूस होता है कि उनमें कदम उठाने की चाह जगती है।
- और आख़िर में उनके हाथ : यह उन्हें सरल भाषा और तरीकों में दिखाता है कि वे बदलाव में योगदान देने और आपके उद्देश्य में मदद करने के लिए क्या कर सकते हैं या क्या कदम उठा सकते हैं।
- हालांकि यह न भूलें कि - संदेश हमेशा संक्षिप्त और केवल मुद्दे पर केंद्रित होने चाहिए।

या या

उदाहरण प्रस्तुति :
प्रभावी संदेश

प्रभावी संदेश:

- आप जो बदलाव लाना चाहते हैं उसे सारांश में बताता है।
- संक्षिप्त और सरल होता है।
- श्रोतावर्ग के अनुरूप ढला हुआ होता है।
- में आप अपना लक्ष्य/उद्देश्य कब तक हासिल करना चाहते हैं इस बात की समय सीमा होती है।
- में यह बात शामिल होती है कि बदलाव महत्वपूर्ण क्यों है।
- याद रखने योग्य होता है।
- में भावनात्मक और तार्किक संदेश होता है।
- यह चर्चा करनी और व्यवस्थितएवं विस्तृत ढंग से सोचना ज़रूरी है कि कौनसे संदेश सबसे प्रभावी रहेंगे।
- आप जिन लक्ष्य वर्गों से जुड़ना चाहते हैं उन तक अपना संदेश पहुँचाने में आपको विभिन्न प्रकार की मीडिया के साथ कार्य करने से बहुत मदद मिलेगी।

प्रस्तुति का अनुभाग 3: मीडिया के साथ कार्य करना

किसी भी अच्छे एडवोकेसी या अभियान पहल के लिए मीडिया के साथ कार्य करना आवश्यक होता है। इसमें सभी प्रकार के मीडिया शामिल होते हैं - अधिक परंपरागत रूपों के साथ-साथ नए प्लेटफ़ॉर्म भी, जैसे सोशल मीडिया। आप जिन लक्ष्य वर्गों से जुड़ना चाहते हैं उन तक अपना संदेश पहुँचाने में आपको विभिन्न प्रकार की मीडिया के साथ कार्य करने से बहुत मदद मिलेगी।

आप जिन लक्ष्य वर्गों से जुड़ना चाहते हैं उन तक अपना संदेश पहुँचाने में मदद के लिए मीडिया अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, और आपको अपना संदेश कहीं अधिक लोगों तक पहुँचाने में मदद देगा। निम्नांकित पर विचार करें :

- संबंधित मीडिया संपर्कों, जिनमें युवा-केंद्रित रेडियो स्टेशन और टीवी चैनल और हस्तियाँ शामिल हैं, की सूची बनाना - वे शक्तिशाली सहयोगी सिद्ध हो सकते हैं।
- अपने मुद्दे के बारे में लेख लिखना और उन्हें अपने स्थानीय या राष्ट्रीय समाचार-पत्रों को भेजना।
- सामुदायिक रेडियो कार्यक्रमों पर बोलना भी अपना संदेश लोगों तक पहुँचाने और अपनी आवाज़ सुनाने का एक और महत्वपूर्ण तरीका है।
- अपनी आवाज़ बढ़ाने के लिए अपने खुद के मंच बनाना : इसमें सार्वजनिक थिएटर प्रदर्शन, दीवारों पर चित्रकारी, स्व-प्रकाशित समाचार-पत्र या ऑनलाइन ब्लॉग की रचना आदि गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं। आपके लिए बहुत से विकल्प उपलब्ध हैं।
- इस बारे में थोड़ा शोध कीजिए कि अन्य संगठन किस प्रकार सफल संदेश और अभियान बनाने में सफल हुए हैं।

गतिविधि 7: समूह चर्चा - प्रभावी संचार

आपके समूह के साथ इस गतिविधि के लिए हम दो विकल्प सुझाते हैं :

A) ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि

यदि आपने इस सत्र में गतिविधि 1 से ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि (फुसफुसाहट...) नहीं की थी, तो हमारा सुझाव है कि आप उसे यहाँ फिर से करें। संचार के अभाव के कारण संदेश किस प्रकार बदल सकते हैं या बिगड़ सकते हैं इसका अनुभव कराने से समूहों को अपने मुख्य लक्ष्य और उसे हासिल कैसे किया जाए इस बारे में स्पष्ट, समझ में आने योग्य और प्रभावी एडवोकेसी कथन बनाने/कहने का महत्व समझने में मदद मिलेगी। यदि आप यह करते हैं, तो आपको खुली चर्चा करने की ज़रूरत नहीं है, इसलिए अगले अनुभाग को छोड़कर निष्कर्ष पर पहुँच जाइए।

या B) एक खुली चर्चा आयोजित कीजिए

यदि आपने ऊर्जावान बनाने वाली यह गतिविधि पहले की थी, या यह आपके समूह के लिए प्रासंगिक या उपयुक्त नहीं है, तो अपने समूह के साथ सत्र के समापन के लिए एक वैकल्पिक गतिविधि है। समूह से कहिए कि वे तीन गोले बनाकर बैठ जाएँ। प्रत्येक समूह से कहिए कि वह किसी संदेश के लिए एक कार्य या श्रेणी विशिष्ट - सोचना, महसूस करना या करना - के लिए उदाहरण लक्ष्य और संदेश बताएँ।
उदाहरण के लिए, यदि आपका लक्ष्य स्थानीय शिक्षा अधिकारी है, तो चर्चा के लिए एक कार्य यह होगा कि कुछ स्कूल स्तरों में बाल विवाह विरोधी संदेशों को किस प्रकार मज़बूत बनाया जाए, या लड़कियाँ स्कूल न छोड़ें और उनका विवाह न कर दिया जाए यह सुनिश्चित करने के लिए अध्यापक किन रणनीतियों को कार्यान्वित कर सकते हैं।

प्रत्येक समूह के पास सिर (सोचना), दिल (महसूस करना) या हाथ (करना) के अपने विशिष्ट क्षेत्र के समर्थन में उदाहरण संदेश बताने के लिए 10 मिनट हैं। इसके बाद प्रत्येक समूह संपूर्ण समूह के सामने शेयर कर सकता है कि उनके संदेश क्या हैं : चर्चा के लिए अधिकतम 10 मिनट।

गतिविधि 8: निष्कर्ष

अंतिम अनुभाग में 10 मिनट की चर्चा के बाद, कार्यशाला का समापन कीजिए, सभी को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दीजिए, और सत्र समाप्त कीजिए।

Photo © Princeakachi / Unsplash

मॉड्यूल 4: साथ मिलकर हम अधिक शक्तिशाली हैं!

मॉड्यूल का संक्षिप्त विवरण

- कठिन विषयों पर कार्य करने के लाभ और चुनौतियाँ समझना।
- यह वर्णन करना कि कहीं बड़ी प्रक्रियाओं, जैसे विस्तृत राष्ट्रीय एजेंडाओं, को प्रभावित करने के लिए स्थानीय कार्यों का उपयोग कैसे किया जाए।
- जोख़िम विश्लेषण करने का अभ्यास करना और यह समझना कि वह महत्वपूर्ण क्यों है।

मॉड्यूल 4 - सत्र 1: सक्रियता का जोख़िम भरा पहलू

उद्देश्य : करठन ववषयों पर कायड करने के लाभ और चुनौवतयाँ समझना।

सहभागियों की संख्या : 24

समय : 1 घंटा , 40 मिनट

सत्र की रूपरेखा :

- युवा पक्ष-समर्थक के लिए मौजूद जोख़िम की अवधारणा से परिचय
- जोख़िमों का आंकलन और उनकी रोकथाम कैसे करें

पहले से तैयार करने की चीजें :

- पृष्ठभूमि विषय-वस्तु पढ़ें और उसे अच्छी तरह जान लें ताकि विस्तृत समूह के सामने इसे प्रस्तुत करने में आपको आत्मविश्वास महसूस हो
- प्रस्तुति स्लाइडें (इलेक्ट्रॉनिक या कागज़ी)
- यदि आप समूह के साथ ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करेंगे तो उसका अभ्यास कीजिए
- आप समूह से जिस भी तालिका या टेम्प्लेट का उपयोग करवाना चाहते हैं उसकी कॉपी प्रिंट कर लीजिए : जोख़िम आंकलन का उदाहरण, ख़ाली संस्करण, और युवा कार्य का केस अध्ययन उदाहरण

आवश्यक सामान :

- फ़्लिप चार्ट पेपर, मार्कर या मोटे पेन, टेप या फिर दीवार पर कागज़ रोकने के लिए कुछ सामान
- प्रस्तुतियाँ
- पर्चे

	आवंटित समय	गतिविधि
1	5 मिनट	परिचय
2	5 मिनट	ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि
3	20 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : जोख़िम, जोख़िमों का प्रबंधन करना और युवा कार्यकर्ताओं का संरक्षण करने से हमारा क्या अर्थ है
4	20 मिनट	समूह कार्य : जोख़िम का आंकलन करना
5	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : जोख़िम आंकलन और, हम इसे कैसे करते हैं
6	10 मिनट	समूह कार्य : जोख़िम
7	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : साझेदारी की शक्ति - बदलाव के लिए साथ मिलकर कार्य करना
8	10 मिनट	समूह कार्य : साथ मिलकर कार्य करने के लाभ और चुनौतियाँ
9	10 मिनट	निष्कर्ष

4.1 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

गतिविधि 1: परिचय

पिछले सत्रों में जो परिचय वर्णित है उसकी का उपयोग करते हुए मॉड्यूल का परिचय दीजिए : सामान्य निर्देशों के साथ, संरक्षण का रिमाइंडर, और समूह के कार्य करने के तरीके के नियमों का रिमाइंडर। जैसा कि हमने अन्य सत्र योजनाओं में वर्णित किया है, यदि आप सत्र को किसी अन्य सत्र के तुरंत बाद अनुवर्तन में आयोजित कर रहे हैं, या यदि यह एक स्वतंत्र सत्र है, तो इसका परिचय देने के तरीके अलग-अलग होंगे। कृपया इन परिचयों को दोबारा पढ़िए और उसी मार्गदर्शन का अनुसरण कीजिए।

अब आप समूह को इस सत्र के विषय का परिचय दे सकते हैं - इस गतिविधि के लिए आपके पास 5 मिनट हैं : सत्र का लक्ष्य वयस्क-नेतृत्व के क्षेत्रों में संलग्न होने वाले युवाओं के लिए संभावित रूप से मौजूद चुनौतियों और अवसरों से, और उन संभावित कठिनाइयों से परिचय कराना है जिनसे उनका सामना, बाल विवाह जैसे जटिल मुद्दों पर युवा कार्यकर्ताओं के रूप में कार्य करने के दौरान हो सकता है।

युवा लोगों के पास, उनके जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर अनूठी और महत्वपूर्ण राय तथा विचार होते हैं। उनके लिए क्या सबसे अच्छा है यह जानने के लिए वे ही सबसे अच्छी स्थिति में हैं, और वे लोग ही मुद्दों को कैसे हल किया जाए इस बारे में बेहद रचनाशील भी हैं। इसलिए, उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने वाले निर्णय उनसे नज़दीकी परामर्श के साथ लिए जाने चाहिए। इसके अतिरिक्त, जब युवाओं की बात सुनी जाती है और वे समाज में अग्रणी भूमिका निभाते हैं, तो वे ऐसी योग्यताएँ और कौशल विकसित कर सकते हैं जो उनके आत्मसम्मान, कुशल-क्षेम और संभावनाओं को बेहतर बनाने में मदद देते हैं। लोग आपकी बात सुनें और आपको और आपके विचारों को गंभीरता से ले रहे हों यह सुनिश्चित करने में आपको एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, वह इसलिए क्योंकि आप बेहतर भविष्य की मांग करने वाले एक शक्तिशाली युवा कार्यकर्ता के रूप में मजबूत हैं!

परन्तु युवा कार्यकर्ता होने के साथ कुछ संभावित बाधाएँ और चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं, और यह हमेशा ही आसान कार्य नहीं होता है। अकसर वयस्कों के पास युवाओं के ऊपर नियंत्रक शक्तियाँ होती हैं और अंततः वे ही उनके लिए निर्णय लेते हैं। कई लोग आपके साथ कार्य करने के प्रति इसलिए बेपरवाही दिखा सकते हैं क्योंकि वे आपसे इसलिए "बेहतर जानते" हैं क्योंकि आप इतने छोटे हैं कि आपकी बात उनकी समझ से बाहर होती है। नतीजा यह होता है कि युवाओं को बराबर का साझेदार नहीं माना जाता है। यह एक दुखद वास्तविकता है, और एक ऐसी वास्तविकता है जिसे बदलने के लिए हमें मेहनत करनी होगी। अपनी आवाज़ सुनाने के लिए एक जगह बनाने, और मुद्दे पर अच्छा-ख़ासा शोर मचाने में आपकी मदद के लिए कुछ चरण मौजूद हैं।

अपनी आवाज़ सुनाने की जगह बनाने के लिए आपको अतिरिक्त कोशिशों की ज़रूरत पड़ने वाली है। बाहर कौनसे संभावित जोख़िम या चुनौतियाँ हैं और आप उन्हें किस प्रकार रोक या घटा सकते हैं यह जानकर, आप खुद का संरक्षण कर सकते हैं, सशक्त महसूस कर सकते हैं, और एक युवा कार्यकर्ता के रूप में सफल हो सकते हैं। आपके पास सरल, लेकिन प्रभावी संदेश हों, और अपने एडवोकेसी के लिए एक स्पष्ट योजना हो यह सुनिश्चित करने से आप जान जाएंगे कि आप दुनिया में जो बदलाव देखना चाहते हैं उसे हासिल करने के लिए आपको कौनसे कदम उठाने हैं, किन्हें लक्ष्य बनाना है, और कौनसी गतिविधियाँ करनी हैं। एक नेटवर्क या साझेदारी के रूप में साथ मिलकर कार्य करके, आप एक मज़बूत और एकजुट आवाज़ स्थापित करने में मदद कर सकते हैं। यही कारण है कि हमें आशा है कि यह प्रशिक्षण आपको एक अद्भुत युवा कार्यकर्ता बनने के कुछ महत्वपूर्ण साधन और सुझाव देखने में मदद करेगा!

गतिविधि 2: ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि - गेंद फेंकिए!

सभी को एक गोले में खड़े करवाइए। अब हम एक गेंद को गोले में एक-दूसरे की ओर फेंकने जा रहे हैं। गेंद फेंकने से पहले, आपको ऐसी एक बात ज़ोर से बोलनी है जो आपने प्रशिक्षण में सीखी है : कुछ ऐसा जो आपके लिए नया है या जो आपके कार्य के लिए महत्वपूर्ण होगा। इसके बाद आप गेंद अगले व्यक्ति की ओर फेंकेंगे, और फेंकते समय उनका नाम पुकारेंगे। प्रशिक्षक के रूप में जब आप शुरुआत करें, तो कुछ ऐसा कहिए जो आपने सीखा है, और फिर अपने सामने खड़े व्यक्ति की ओर गेंद फेंकिए। तब तक जारी रखिए जब तक अधिकतर लोग गेंद न फेंक चुके हों, या जब तक 5 मिनट पूरे न हो जाएँ।

गतिविधि 3: प्रशिक्षक प्रस्तुति – जोख़िम, जोख़िमों का प्रबंधन करना और युवा कार्यकर्ताओं का संरक्षण करने से हमारा क्या अर्थ है

समूह के साथ एक फटाफट विचार-मंथन के साथ शुरुआत कीजिए। उनसे यह बताने को कहिए कि जब वे "जोख़िम" शब्द सुनते हैं तो उनके मन में क्या आता है। नोट टेकर से कहिए कि जो कुछ कहा जा रहा है वह फ़्लिप चार्ट पर लिखता जाए। इसके लिए अधिकतम 5 मिनट का समय लीजिए।

अब समय है आपका इस बात प्रस्तुति देने का कि जोख़िम क्या हैं और जब हम एक युवा कार्यकर्ता होने के संभावित जोख़िमों और चुनौतियों के बारे में बात करते हैं तो हमारा क्या अर्थ होता है, और हम हमारे कार्यों में किस प्रकार जोख़िमों की रोकथाम कर सकते हैं। इस पूरे अनुभाग के लिए, विचार-मंथन और प्रस्तुति समेत, आपके पास 10 मिनट हैं।

जोख़िम

जोख़िम एक ऐसी चीज है जो किसी व्यक्ति को क्षति, हानि या ख़तरे के संपर्क में लाता है। आवश्यक नहीं कि हर किसी के लिए जोख़िम समान हों। सभी व्यक्ति विभिन्न जोख़िमों का सामना करते हैं और वे अलग-अलग स्तरों पर इन्हें महसूस कर सकते हैं, इसमें विशेष रूप से जटिल मुद्दे जैसे जेंडर, उम्र, अशक्तता आदि शामिल हैं। किसी भी पहल के जोख़िम और संभावित जोख़िमों का आंकलन करना महत्वपूर्ण है - यह पहल कोई गतिविधि, जैसे कोई मीटिंग, से लेकर, बाल विवाह के हल की दिशा में कार्य करने वाली पूरी-की-पूरी परियोजना तक, कुछ भी हो सकती है।

जब आप अपनी गतिविधियों की योजना बनानी शुरू करें, तो यह महत्वपूर्ण है कि आप पहले से ही एक जोख़िम विश्लेषण कर लें ताकि आप उस संदर्भ को पूरी तरह समझ लें जिसमें आप कार्य कर रहे हैं, और उन संभावित चुनौतियों को भी समझ लें जो आपके सामने आ सकती हैं। जोख़िम वह स्थिति है जो किसी चीज या किसी व्यक्ति को ख़तरे, क्षति या हानि के संपर्क में ले आती है। बाल विवाह के विरुद्ध कार्य करने वाले एक कार्यकर्ता के रूप में, आप जड़ें जमाए हुए सांस्कृतिक विश्वासों, मानदंडों और मान्यताओं को चुनौती देंगे। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आप समय निकाल कर संभावित जोख़िमों के विस्तृत विवरण तैयार करें, और उन्हें या उनसे आप पर, आपके सहकर्मियों पर या आपके कार्य पर पड़ सकने वाले नकारात्मक प्रभाव को सीमित करने के तरीके तय करें।

आपके सामने आ सकने वाले संभावित जोख़िम...

युवा कार्यकर्ताओं के लिए :

- बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिनके विचार या मत रूढ़िवादी होते हैं और वे आपको और आपका कार्य रोकने की कोशिश करेंगे क्योंकि वे समस्याएँ उत्पन्न करना, या लोगों को चुनौतियाँ देना नहीं चाहते हैं, या फिर आप जो उन्हें बता रहे हैं उन्हें उस पर विश्वास नहीं है।
- सामुदायिक, धार्मिक या परंपरागत नेताओं की ओर से प्रतिघात और नाराज़गी।
- परिवार के सदस्यों का आपके विचार नहीं समझना और, आप एक ऐसी प्रथा, जो आमतौर पर काफ़ी हद तक उनकी परंपराओं का एक हिस्सा है, को उनसे रुकवाने की कोशिश कर रहे हैं इसलिए उनका आपसे नाराज़ होना।
- बाल विवाह से लड़ने में समय बिताने से अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों, जैसे आपकी शिक्षा, या नौकरी ढूंढने, से आपका ध्यान हट सकता है, और इससे आपके जीवन पर, और महत्वपूर्ण कार्य करने की आपकी क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

युवा, अविवाहित लड़कियों के लिए:

- माता-पिता द्वारा जबरन ब्याह दिए जाने का जोख़िम बढ़ना।
- जब वे असमानता को पहचानेंगी और अपने समुदाय में तत्काल बदलाव देखना चाहेंगी, पर अंततः ऐसा करने के लिए खुद को शक्तिहीन पाएंगी तो मन में निराशा उत्पन्न होगी।
- लड़कियों का जबरन विवाह का विरोध नहीं कर पाना और सहायता पाने के लिए कोई विकल्प या सेवा का नहीं होना।

विवाहित युवा महिलाओं के लिए :

- पतियों से संभावित दुर्व्यवहार (यह शाब्दिक, शारीरिक या यौन हो सकता है), विशेष रूप से तब जब वे अपने अधिकारों के बारे में और जानकार बन जाएंगी और इस प्रथा के विरुद्ध अधिक खुलकर बोलेंगी।
- समुदाय की ओर से उन लड़कियों और युवा महिलाओं की आलोचना या उनसे प्रतिशोध जो खुलकर इस बात पर प्रश्न उठाती हैं कि वे विवाहित क्यों हैं।
- कइयों को अपनी क्षमता में एडवोकेसी गतिविधियों में मदद करने के साथ-साथ घर पर परिवार की मांगों और अपेक्षाओं के साथ संतुलन बैठाने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।
- यदि वे अपने अनुभव समूह के साथ शेयर करती हैं तो हिंसा के सदमे को फिर से अनुभव करने लगेंगी। यदि वे परिणास्वरूप किसी सहयोग सेवा तक पहुँचने में असमर्थ हैं तो यह विशेष रूप से एक जोख़िम है।
- यदि सहायता मांगने के बाद उन्हें पूरी तरह सहायता नहीं मिलती है तो अपेक्षाओं का विफल होना।
- यदि कोई उनके पद/उनकी स्थिति का विरोध करता है, या बदलाव की मांग करने वाले कार्यकर्ता की उनकी नई भूमिका से ख़तरा महसूस करता है, तो उससे भी संभावित ख़तरा मौजूद हो सकता है।

या या

उदाहरण प्रस्तुति : जोख़िमों से मुकाबला करना

जोख़िम वह स्थिति है जो किसी चीज या किसी व्यक्ति को ख़तरे, क्षति या हानि के संपर्क में ले आती है। जोख़िम विश्लेषण करके और सही उपाय करके इससे बचा जा सकता है। बाल विवाह कार्यकर्ता होने के नाते, आप अकसर गहरी जड़ों वाले सांस्कृतिक विश्वास तंत्रों को और सामुदायिक मान्यताओं को चुनौतियाँ देंगे, और वे आपके लिए एक जोख़िम खड़ा करेंगे।

जोख़िम के दो भाग होते हैं: कुछ ग़लत होने की संभावना, और यदि ऐसा होता है तो होने वाले दुष्परिणाम। युवा कार्यकर्ता के रूप में आपका जिन संभावित हानियों और जोख़िमों से सामना हो सकता है :

- सामुदायिक और/या धार्मिक नेताओं, और परिजनों की ओर से प्रतिघात और नाराज़गी।
- इसके कारण सामाजिक बहिष्कार हो सकता है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घट सकती है क्योंकि आपको आपके विचारों के कारण प्रतिघात का सामना करना पड़ता है।
- वास्तव में अपना कार्य करने में सक्षम हो पाने के लिए आवश्यक संसाधनों या सहयोग का अभाव।
- बाल विवाह से लड़ने में समय बिताने से अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों, जैसे स्कूल और पारिवारिक कर्तव्यों से आपका ध्यान हट सकता है।

युवा, अविवाहित लड़कियों के लिए संभावित जोख़िम :

- माता-पिता द्वारा जबरन ब्याह दिए जाने का जोख़िम बढ़ना।
- जब वे असमानता को पहचानेंगी और उसे बदलने में खुद को शक्तिहीन पाएंगी तो मन में निराशा उत्पन्न होगी।
- लड़कियों का जबरन विवाह का विरोध नहीं कर पाना और सहायता पाने के लिए कोई विकल्प या सेवा का नहीं होना।

- जो युवा महिलाएँ विवाहित हैं/जिनका विवाह हो चुका है उनके लिए संभावित जोख़िम :

- पतियों या उनके परिजनों से संभावित दुर्व्यवहार।
- आवाज़ उठाने के कारण समुदाय की ओर से प्रतिशोध, उनके समकक्षों/सहकर्मियों और परिजनों की ओर से उन पर लांछन लगाया जाना, दूसरे लोगों द्वारा अलग-थलग कर दिया जाना।
- यदि वे अपना अनुभव शेयर करती हैं तो हिंसा के सदमे से दोबारा गुज़रना।
- जो सहयोग उन्होंने मांगा है यदि वह उन्हें नहीं मिलता है तो अपेक्षाओं का विफल होना।

परन्तु चिंता मत कीजिए! बदलाव के एक युवा पक्ष-समर्थक के रूप में आप कई तरीकों से खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के पास बेहतर भविष्य की मांग करने वाले कार्यकर्ताओं के संरक्षण के लिए कई संधिपत्र हैं, जिनमें संघ बनाने की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार शामिल हैं। आप यह जानते हों कि कौनसे कानून और नीतियाँ आपको कानूनी संरक्षण दे सकते हैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपने देश के संविधान और कानूनों का अध्ययन कीजिए। एक समूह के रूप में साथ मिलकर कार्य करने से, बड़ी संख्या में एकजुटता दिखाकर आपकी आवाज़ को और मज़बूत तथा और तेज़ बनाने में मदद मिलती है; एकजुटता दिखाना एक-दूसरे की सुरक्षा करने का सच में एक महत्वपूर्ण तरीका है।

गतिविधि 4: समूह कार्य - जोख़िम का आंकलन करना

सहभागियों से कहिए कि वे समूह कार्य सत्र के लिए चार समूह बना लें; आप समूह बनाने के लिए अन्य कार्यशालाओं में हमारे द्वारा सुझाए गए किसी तरीके का उपयोग कर सकते हैं, या वे जिसके साथ चाहें उसके साथ कार्य कर सकते हैं। उनसे कहिए कि वे एक प्रस्तुतकर्ता चुन लें जो संपूर्ण समूह के सामने फ़ीड बैक प्रस्तुत करेगा। एक समूह के रूप में उनसे चर्चा करवाइए कि उनके विचार में बाल विवाह के विरोध में समर्थन जुटाने वाले व्यक्ति को अपने कार्य में किन जोख़िमों का सामना करना पड़ सकता है।

इस प्रश्न पर एक फटाफट विचार-मंथन के लिए उनके पास 10 मिनट हैं। प्रत्येक समूह से वापस प्रस्तुत करने को कहिए। उन्होंने जो बिंदु उठाए हों उनके इर्द-गिर्द एक समूह चर्चा करवाइए - साथ में और जानकारी मांगिए, जैसे उन्होंने जो जोख़िम बताए हैं उन पर वे कैसे काबू पा सकते हैं, या जोख़िम की रोकथाम के लिए युवा क्या कर सकते हैं। इस चर्चा के लिए 10 मिनट दीजिए।

गतिविधि 5: प्रशिक्षक प्रस्तुति – जोख़िम आंकलन और, हम इसे कैसे करते हैं

एक बार फिर समय है जोख़िम आंकलन को समझने और भविष्य में समस्याओं और चुनौतियों के विरुद्ध सुरक्षा में मदद के लिए इसे कैसे किया जाए इस बारे में समूह के सामने वापस प्रस्तुति देने का। इस अनुभाग को प्रस्तुत करने के लिए आपके पास 5 मिनट हैं।

जोख़िम आंकलन

जोख़िम आंकलन एक साधन है जिससे आपको आपके सामने आ सकने वाले संभावित जोख़िमों और चुनौतियों, तथा उनके प्रभावों के बारे में - व्यवस्थित और सुविचारित एवं विस्तृत ढंग से - सोचने में मदद मिलती है। इससे आपको इस बारे में विस्तार से सोचने में भी मदद मिलेगी कि आप इन संभावित जोख़िमों को किस प्रकार सीमित कर सकते हैं और उनकी रोकथाम के लिए या उन्हें रोकने के लिए आप क्या कर सकते हैं। विवरण के लिए नीचे तालिका देखें, वहाँ इसे पूरा कैसे करें इस बात का एक उदाहरण भी दिया गया है।

संभावित जोख़िम और उसका आंकलन कैसे किया जाए इसके तालिका में दिए गए उदाहरण (1) का समूहों के साथ एक बार फिर अध्ययन कीजिए।

1. जोख़िम रजिस्टर का उदाहरण

संभावित जोख़िम/ ख़तरा?	क्या हो सकता है?	आप जोख़िम कैसे सीमित कर सकते हैं?	इससे बचने के लिए कौन ज़िम्मेदार है?	उपाय कब किए जाने हैं?
जैसे, समुदाय की ओर से प्रतिघात।	धार्मिक नेता आपको नकारता है, या बहुत आक्रामक है।	बिंदुओं पर स्पष्ट रूप से, और गुस्से या प्रतिशोध के बिना चर्चा करने के लिए एक सुरक्षित, और खुला संवाद स्थल बनाइए। उदाहरण के लिए, यह किसी रेडियो शो का भाग हो सकता है। जिन लोगों द्वारा समस्याएँ खड़ी किए जाने की संभावना है उनसे शो से पहले बात कीजिए।	होप और जेकब	शो से एक सप्ताह पहले।

2. अब आपकी बारी है

संभावित जोख़िम/ ख़तरा?	क्या हो सकता है?	आप जोख़िम कैसे सीमित कर सकते हैं?	इससे बचने के लिए कौन ज़िम्मेदार है?	उपाय कब किए जाने हैं?

इस टूल का उपयोग करने के लिए आपको:

- किसी भी गतिविधि की योजना बनाने से काफ़ी पहले जोख़िम आंकलन या रजिस्टर बनाना शुरू कर देना चाहिए।
- आदर्श रूप से, एक समूह के रूप में जोख़िमों पर विचार-मंथन करना चाहिए, ताकि सुनिश्चित हो सके कि आपने प्रत्येक समूह के सामने आ सकने वाली हर संभावना को कवर कर लिया हो।
- सबसे बायें स्तंभ से आरंभ कीजिए, और पूछिए कि आपकी रणनीति योजना की प्रत्येक गतिविधि के लिए आपके पास कौनसे संभावित जोख़िम हैं।
- अन्य चार स्तंभों पर चर्चा करके उन्हें पूरा कीजिए।
- किस जोख़िम के होने की संभावना अधिक है, और कौनसा जोख़िम अन्य से अधिक गंभीर है, इन बातों का आंकलन करके जोख़िमों को प्राथमिकता के क्रम में रखिए।

आपको आगे नहीं बढ़ना चाहिए यदि :

- जोख़िम की संभावना और संभावित गंभीरता तथा प्रभाव अधिक हैं (उदाहरण के लिए, यदि शारीरिक या मौखिक दुर्व्यवहार या चोट की बहुत अधिक संभावना है)।
- ऐसी कोई सहयोग सेवा और/या साझेदार संगठन नहीं है जिससे आप सलाह और सहयोग मांग सकते हों।

समकक्ष/सहकर्मी शिक्षकों या समुदायों में पहुँच-प्रसार के लिए ज़िम्मेदार व्यक्तियों के विचार हेतु प्रश्न

1) बाल विवाह के प्रति स्थानीय लोगों के रवैये क्या हैं?
2) लड़कियों, लड़कों, युवा महिलाओं और पुरुषों के लिए मौजूदा भूमिकाएँ, मानदंड और रूढ़ियाँ क्या हैं?
3) आपका हस्तक्षेप समुदाय के विभिन्न लोगों को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है?
4) आपके कार्य का विरोध कौनसे (व्यक्ति या समूह) कर सकते हैं?
5) इसे संभालने की आपकी रणनीति क्या है?

उदाहरण प्रस्तुति : जोख़िम आंकलन

- जोख़िम आंकलन रजिस्टर संभावित जोख़िमों और उनके प्रभावों के बारे में विस्तार से सोचने का एक साधन है।
- आपको किन संभावित जोख़िमों का सामना करना पड़ सकता है इसे समझने में आपकी मदद के लिए हमने आपकी सहभागी मार्गदर्शिका में जो जोख़िम आंकलन टेम्प्लेट का उदाहरण दिया है उसे प्रयोग कीजिए। सबसे बायें स्तंभ से आरंभ कीजिए, और पूछिए कि आपकी रणनीति योजना की प्रत्येक गतिविधि के लिए आपके पास कौनसे संभावित जोख़िम हैं। वापस अपनी रणनीति योजना का भी संदर्भ लीजिए।
- बारी-बारी से अन्य चार स्तंभों पर चर्चा करके उन्हें पूरा कीजिए।
- किस जोख़िम के होने की संभावना अधिक है, और कौनसा जोख़िम अन्य से अधिक गंभीर है, इन बातों का आंकलन करके जोख़िमों को प्राथमिकता के क्रम में रखिए; अधिक संभावना और अधिक गंभीरता वाले जोख़िमों पर आपको प्राथमिकता से फ़ोकस करना चाहिए।

यदि जोख़िम अधिक है और संभावित गंभीरता तथा प्रभाव भी अधिक हैं (जैसे यदि शारीरिक या मौखिक दुर्व्यवहार या चोट की संभावना अधिक है) तो आगे मत बढ़िए। तब भी जब ऐसी कोई सहयोग सेवा और/या साझेदार संगठन न हो जिनसे आप सहयोग मांग सकते हों।

गतिविधि 6: समूह कार्य - जोख़िम

जोख़िम आकलनों को समझने के लिए, हम युवा कार्य के एक उदाहरण की पड़ताल करेंगे और देखेंगे कि इसके जरिए कौनसे संभावित जोख़िम उत्पन्न हो सकते हैं। समूहों के सामने निम्नलिखित उदाहरण प्रस्तुत कीजिए :

जोख़िम आंकलन के लिए परिस्थिति का उदाहरण

सियेरा लियोन के छः युवाओं (दो लड़कियाँ और चार लड़के) के एक समूह ने अपने देश में बाल विवाह के प्रभावों के बारे में जागरुकता फैलाने का लक्ष्य रखने वाली एक परियोजना तैयार की है। ये छः युवा वह मुख्य टीम हैं जिसने परियोजना विकसित की है और वे एक अन्य युवा कार्यकर्ता की मदद के साथ इसके प्रबंधन के लिए ज़िम्मेदार हैं। समूह एक ऐसे समुदाय में जा रहा है जहाँ वह पहले कभी नहीं गया है, वह वहाँ पर युवा लड़कियों और लड़कों के साथ बाल विवाह की रोकथाम के बारे में जागरुकता फैलाने के कुछ ज़मीनी प्रयास करने जा रहा है। वे जिस इलाके में जा रहे हैं वह बहुत दूर-दराज का इलाका है और वहाँ के समुदाय का बाहरी संगठनों के साथ कोई ख़ास संपर्क नहीं रहा है। वे जिस महीने में जा रहे हैं उस महीने में उस इलाके का मौसम भी बहुत ख़राब रहता है। एक दानदाता, समूह के साथ उनका कार्य देखने के लिए समुदाय से मिलने उनके साथ जा रहा है, और वह एक रिपोर्ट तैयार करेगा।

अब समय है आपके समूहों द्वारा एक कोशिश करने का। उनसे तालिका 2 का उपयोग करके उन अन्य संभावित जोख़िमों की पड़ताल करवाइए जिनसे समूह का सामना संभवतः हो सकता है, और इस बात की भी पड़ताल करवाइए कि वे उन्हें किस प्रकार सीमित कर या रोक सकते हैं। समूहों से चर्चा करवाइए और तालिका भरवाइए, इसके लिए उन्हें 10 मिनट दीजिए। एक संक्षिप्त, खुली चर्चा करवाइए जिसमें प्रत्येक समूह अपने बताए एक जोख़िम पर वापस प्रस्तुति देगा और बताएगा कि जोख़िम को सीमित करने के लिए उसने क्या करने की योजना बनाई। चर्चा के लिए 10 मिनट दीजिए।

अब संपूर्ण समूह के साथ इस बात पर एक खुली चर्चा कीजिए कि बाल विवाह जैसे संवेदनशील मुद्दों पर कार्य कर रहे सहभागियों ने अपने कार्य में किन व्यक्तिगत जोख़िमों का अनुभव या सामना किया है। उनसे कहिए कि वे समूह को बताएँ कि जोख़िम क्या था और उन्होंने उस जोख़िम को सीमित या नियंत्रित करने के लिए क्या किया है। इस सत्र के लिए कोई प्रस्तुति नहीं है - यह एक व्यक्तिगत शेयरिंग सत्र है जिसमें एक-दूसरे से सीखना है और सहभागियों के अनुभवों के बारे में अधिक सुनना है। पर सत्र के अंत में आपको कुछ प्रश्न पूछने चाहिए :

किसी पॉवरपॉइंट प्रस्तुति स्लाइड या फ़्लिप चार्ट पर रखने हेतु प्रश्न

- अपने समुदाय में बाल विवाह ख़त्म करने का एडवोकेट बनते समय आपमें से प्रत्येक किन चीजों से सामना होने की अपेक्षा रखता है?
- आप किन चीजों को व्यक्तिगत जोख़िम के रूप में देखते हैं?
- आपके विचार में आप इन्हें किस प्रकार घटा या रोक सकते हैं?
- आप किस प्रकार एक-दूसरे का सहयोग कर सकते हैं?

यदि आपके पास अपने प्रत्येक सहभागी के साथ इसे करने लायक समय न बचे, तो उनसे उत्तर लिखवाइए और उनसे स्वयं उन पर विचार करवाइए। पर उनसे उस अंतिम प्रश्न पर बोलने को अवश्य कहिए कि वे एक-दूसरे का सहयोग किस प्रकार करना चाहते हैं।

गतिविधि 7: प्रशिक्षक प्रस्तुति : साझेदारी की शक्ति - बदलाव के लिए साथ मिलकर कार्य करना

अपने कार्य के, और एक युवा कार्यकर्ता के रूप में अपने जोख़िमों या चुनौतियों को सीमित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका यह है कि आपके समान मुद्दों पर कार्य कर रहे लोगों को ढूंढिए और उनसे हाथ मिलाकर अपनी आवाज़ और मज़बूत बनाइए। गठबंधन या साझेदारी, अलग-अलग संगठनों के लोगों का समूह, या किसी समुदाय के अंदर का समूह होता है जो एक शेयर लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से साथ कार्य करने के लिए एकसाथ जुड़ते हैं। इनका गठन सीमित या असीमित समय के लिए होता है, और इनके आकार भी अलग-अलग हो सकते हैं। ये बहुत से लोगों को प्रभावित करने वाले किसी विशाल लक्ष्य पर कहीं अधिक लोगों का ध्यान खींचने और कहीं बड़े कदम उठाना संभव बनाने के लिए अस्तित्व में आते हैं। आमतौर पर इनका प्रभाव अलग-अलग संगठनों से अधिक होता है क्योंकि वे कहीं अधिक लोगों तक पहुँच सकते हैं, कहीं अधिक संसाधनों तक पहुँच सकते हैं, और वे कई अलग-अलग परिप्रेक्ष्य एक साथ लाते हैं। अकसर उनका नेतृत्व किसी सह-संयोजक और/या एक मूल कार्यकारी (कोर एक्ज़ीक्यूटिव) टीम द्वारा किया जाता है। हमारा मानना है कि जब आप साथ मिलकर कार्य करते हैं तो आपकी आवाज़ कहीं अधिक तेज़ और मज़बूत होती है।

गठबंधनों के साथ या समूहों में कार्य करना

गठबंधन या साझेदारियाँ/एडवोकेसी समूह बनाना, आपके जैसे समान लक्ष्य वाले ऐसे संगठनों या लोगों के साथ संबंध बनाने की प्रक्रिया है जो इस साझा विज़न को हासिल करने के लिए आपके साथ कार्य करेंगे। समान लक्ष्यों की ज़िम्मेदारी शेयर करने के लिए संगठनों हेतु मंच तैयार करने वाले गठबंधनों के जरिए, एडवोकेसी

कार्य की ताक़त में अच्छी-ख़ासी वृद्धि की जा सकती है। एक गठबंधन के रूप में संगठित होना, कार्यकर्ताओं की आवाज़ें और तेज़ बनाने का एक महत्वपूर्ण रणनैतिक कदम है, और यह आपके लक्ष्यों, जैसे कि वे जो निर्णय लेते हैं, पर और भी अधिक दबाव डालने में मदद करता है।

साथ मिलकर कार्य करने के लाभों में शामिल हैं :

- जानकारी, कौशल, अनुभव, सामग्री, परस्पर सहयोग के अवसर आदि का आदान-प्रदान।
- सामूहिक आवाज़ जो एक संयुक्त बल के रूप में अपनी बात कह सकती है और संदेशों को और भी दूर-दूर तक फैला सकती है।
- पहले से बड़े नेटवर्क और संपर्क : आप अकेले की तुलना में साथ मिलकर कहीं अधिक चीजें हासिल कर सकते हैं।
- निर्णयकर्ताओं या आपके मुख्य लक्ष्यों तक पहले से अधिक पहुँच।
- मानव संसाधन और वित्तीय संसाधनों तक पहले से अधिक पहुँच।
- उन सदस्यों के लिए सुरक्षा जो अकेले कदम उठाने में शायद अक्षम हों, विशेष रूप से तब जब वे किसी विरोधी या कठिन परिवेश में कार्य कर रहे हों।
- प्रयासों के अनावश्यक दोहराव में कमी और दक्षता में वृद्धि।
- बेहतर साख, दबाव और प्रभाव।
- विविधता, परिप्रेक्ष्य को विस्तार देकर और नवाचार लाकर अभियान को और मज़बूत बना सकती है। यह अलग-अलग प्राथमिकताओं और रुचियों वाले कहीं बड़े जनसंख्या आधार को आकर्षित करके पहुँच-प्रसार में भी सहायता कर सकती है।
- व्यक्तियों और संगठनों का व्यक्तिगत एवं पेशेवर विकास: सहकर्मी सहयोग, प्रोत्साहन, प्रेरणा, और पेशेवर मान्यता/सम्मान।

गठबंधन में कार्य करने के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी होती हैं :

- यदि गठबंधन का कार्य सफल नहीं हुआ तो उनके सदस्य संगठनों की प्रतिष्ठा पर असर।
- स्वायत्तता की हानि।
- हितों के टकराव।
- संसाधनों का दोहन।
- समय-खपाऊ, क्योंकि आपको हर किसी को एकसाथ लाना होता है और एक समूह के रूप में आम राय विकसित करनी होती है।
- अलग-अलग दिशाओं में जाते विचार, जो निर्णय लेने की प्रक्रिया और कार्यान्वयन को कमज़ोर या धीमा बनाते हैं।

इन संभावित चुनौतियों के बावजूद, गठबंधन में कार्य करने के लाभों का पलड़ा आमतौर पर चुनौतियों से भारी ही बैठता है क्योंकि ये लाभ, आपकी सामूहिक शक्ति को अधिकतम स्तर पर पहुँचाते हैं और आपको पहले से अधिक मजबूत एडवोकेसी आवाज़ प्रदान करते हैं।

गतिविधि 8: समूह कार्य – साथ मिलकर कार्य करने के लाभ और चुनौतियाँ

सहभागियों को चार छोटे-छोटे समूहों में बाँटिए - किसी ऐसे तरीके से जो पिछले सत्रों में सफल रहा हो। सभी समूह साथ मिलकर इन प्रश्नों पर चर्चा करेंगे :

- क्या आप सामूहिक रूप से कार्य करने के विशिष्ट लाभ बता सकते हैं?
- आपके विचार में इस तरीके से कार्य करने पर कौन सी चुनौतियाँ आ सकती हैं?

गतिविधि 9: निष्कर्ष

अब समय है सत्र के समापन का। आज हमने जोख़िम, जोखञिम की रोकथाम और जोख़िम विश्लेषण के बारे में जो मुख्य बिंदु सीखे उन्हें सारांशित कीजिए। सहभागियों से कहिए कि उन्हें यदि कुछ जोड़ना हो तो जोड़ें या कोई रिक्ति हो तो उसे भर दें। बढ़िया सत्र और उनकी सहभागिता के लिए सभी को धन्यवाद दीजिए। सत्र को निष्कर्ष तक पहुँचाने और जो भी अंतिम प्रश्न या टिप्पणियाँ हों उनके उत्तर देने के लिए अधिकतम 10 मिनट दीजिए।

Photo © Russell Watkins / Department for International Development

मॉड्यूल 5: प्रगति की निगरानी करना, शेयर करना और सीखना

मॉड्यूल का संक्षिप्त विवरण :

- निगरानी और मूल्यांकन (मॉनिटरिंग एंड इवेल्युएशन, एम-एंड-ई) क्या है और आपके कार्य के लिए तथा अपना प्रभाव दिखाने के लिए यह किस प्रकार महत्वपूर्ण है।
- युवा कार्यकर्ता किस प्रकार अपनी गतिविधियों की निगरानी और समीक्षा कर सकते हैं।
- सहकर्मियों और सहयोगियों के साथ सीखने और शेयर करने (ज्ञान सहभाजन) का महत्व।

मॉड्यूल 5: प्रगति की निगरानी करना, शेयर करना और सीखना

उद्देश्य : वनगरानी और मूर्लयांकन (मॉवनटटरंग एंड इवेर्लयुएशन, एम-एंड-ई) क्या है और आपके कायड के वलए तथा अपना प्रभाव दिखाने के वलए यह दकस प्रकार महत्वपूणड है।

सहभागियों की संख्या : 24

समय : 1 घंटा 40 मिनट

सत्र के उद्देश्य :

- यह जानना कि निगरानी और मूल्यांकन क्यों उपयोगी हैं
- यह जानना कि अपनी परियोजना की प्रभावी निगरानी करने के लिए आपको किस प्रकार की जानकारी एकत्र करनी है और कैसे करनी है
- यह जानना कि सीखे गए पाठ कैसे शेयर किए जाएँ और पहल को दीर्घकाल में टिकाऊ बनाने के तरीके क्या हैं

पहले से तैयार करने की चीजें :

- पृष्ठभूमि विषय-वस्तु पढ़ें और उसे अच्छी तरह जान लें ताकि विस्तृत समूह के सामने इसे प्रस्तुत करने में आपको आत्मविश्वास महसूस हो
- प्रस्तुति स्लाइडें (इलेक्ट्रॉनिक या कागज़ी)
- यदि आप समूह के साथ ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करेंगे तो उसका अभ्यास कीजिए

आवश्यक सामान :

- फ़्लिप चार्ट पेपर, मार्कर या मोटे पेन, टेप या फिर दीवार पर कागज़ रोकने के लिए कुछ सामान
- प्रस्तुतियाँ
- पर्चे
- मिठाइयाँ या चॉकलेट

	आवंटित समय	गतिविधि
1	5 मिनट	परिचय
2	5 मिनट	खुली चर्चा : आपको जो जानकारी चाहिए वह कैसे हासिल करें
3	10 मिनट	चर्चा : निगरानी और मूल्यांकन क्या हैं?
4	5 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : अपने कार्य की निगरानी और मूल्यांकन करना
5	10 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : अपनी जानकारी एकत्र करना
6	30 मिनट	समूह कार्य : एम-एंड-ई टेम्प्लेट का उपयोग करना
7	10 मिनट	खुली चर्चा : अपना अनुभव शेयर करना
8	5 मिनट	प्रशिक्षक प्रस्तुति : ज्ञान शेयर करना
9	20 मिनट	चर्चा को निष्कर्ष पर पहुँचाना और प्रशिक्षण का समापन

5.1 आपकी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

गतिविधि 1: परिचय

पिछले सत्रों में जो परिचय वर्णित है उसकी का उपयोग करते हुए मॉड्यूल का परिचय दीजिए : सामान्य निर्देशों के साथ, संरक्षण का रिमाइंडर, और समूह के कार्य करने के तरीके के नियमों का रिमाइंडर। एक बार फिर, यदि आप सत्र को किसी अन्य सत्र के तुरंत बाद अनुवर्तन में आयोजित कर रहे हैं, या यदि यह एक स्वतंत्र सत्र है, तो इसका परिचय देने के तरीके अलग-अलग होंगे। यदि यह एक अनुवर्तन (फ़ॉलो-ऑन) सत्र है, तो हमारा सुझाव है कि आप हर किसी की ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखने के लिए फटाफट एक ऊर्जावान बनाने वाली गतिविधि करवाएँ।

कृपया अन्य परिचयों को दोबारा पढ़िए और उसी मार्गदर्शन का अनुसरण कीजिए। आपके पास परिचयों के लिए और आज के सत्र के विषय को समझाने के लिए 5 मिनट हैं। अपने समूह को संवेदनशीलता एवं संरक्षण चेतावनी के बारे में, और साथ मिलकर आपने जो मूल नियम तय किए थे उनके बारे में याद दिलाना न भूलें।

गतिविधि 2: खुली चर्चा – आपको जो जानकारी चाहिए वह कैसे हासिल करें?

समूह से निम्नांकित प्रश्न पूछकर उनके साथ 5 मिनटों के लिए एक फटाफट विचार-मंथन कीजिए :

- आपकी परियोजना सफल है या नहीं यह जानने के लिए आपको कौनसी जानकारी एकत्र करनी होगी?
- आप यह जानकारी कैसे एकत्र कर सकते हैं?
- अपना कार्य दिखाने के लिए आप दूसरे लोगों के साथ यह महत्वपूर्ण जानकारी (विशेष रूप से आपके प्रभाव से संबंधित जानकारी) कैसे शेयर करेंगे?

गतिविधि 3: खुली चर्चा - निगरानी और मूल्यांकन क्या है?

अब आप समूह को इस सत्र के विषय का परिचय दे सकते हैं। समझाइए कि यह अपनी संपूर्ण परियोजना या अभियान के दौरान अपने कार्य की निगरानी या समीक्षा करे, अपनी परियोजना या कार्य के अंत में आपने जो किया है उसका मूल्यांकन करने, अपने प्रभाव का आंकलन करे, और आपने जो सीखा है उसे शेयर करने के बारे में है।

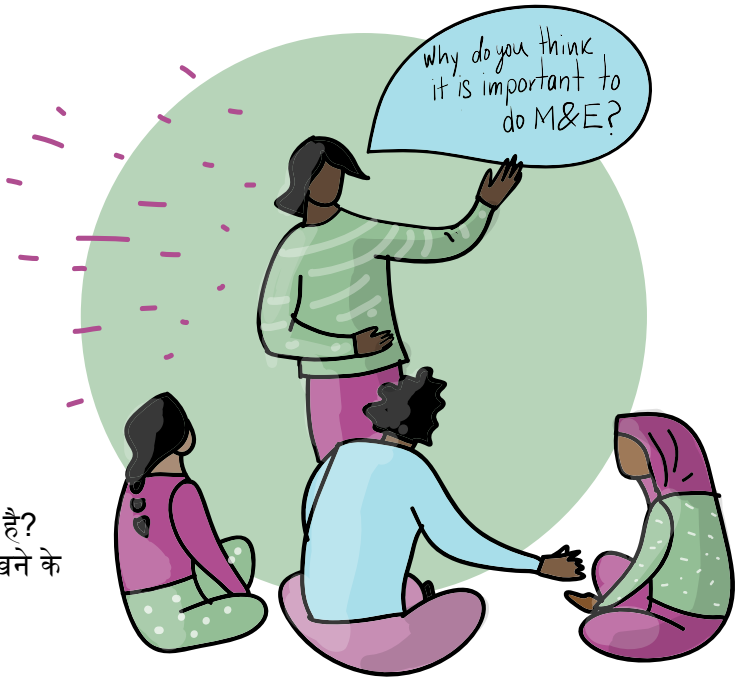

निम्नांकित प्रश्नों पर समूह से एक संक्षिप्त खुली चर्चा कीजिए :

- निगरानी और मूल्यांकन (एम-एंड-ई) के बारे में आप क्या जानते हैं?
- आपके विचार में एम-एंड-ई करना महत्वपूर्ण क्यों है?

लोगों को उत्तर देने और फ़्लिपचार्ट पर मुख्य शब्द लिखने के लिए बुलाइए। चर्चा के लिए आपके पास 5 मिनट हैं।

गतिविधि 4: प्रशिक्षक प्रस्तुति – आपके कार्य की निगरानी और मूल्यांकन करना

अब समय है कि आप समझाएँ कि जब हम निगरानी और मूल्यांकन की बात करते हैं तो उसका क्या अर्थ होता है! अपनी प्रस्तुति के लिए आपके पास 10 मिनट हैं।

निगरानी और मूल्यांकन – जिसे अकसर एम-एंड-ई कहते हैं - गतिविधियों का एक समूह या एक प्रक्रिया है जिससे आपको अपने प्रभाव का आंकलन करने में और अपनी परियोजनाओं या अपनी सक्रियता से बेहतर नतीजे हासिल करने में मदद मिलती है। यह आपके कार्य को ट्रैक करने के, और आप जो कर रहे हैं उनके जरिए कौनसे अल्पकालिक और दीर्घकालिक बदलाव हो रहे हैं इस बात को ट्रैक करने के एक तरीके का वर्णन करता है। यह आपको यह जाँचने का एक तरीका भी प्रदान करता है कि आप जो कुछ कर रहे हैं, आप जो गतिविधियाँ कर रहे हैं और आपको जो प्रभाव मिल रहा है वह वास्तव में सकारात्मक है या नहीं, और आप जिस परिस्थिति को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं उसे बेहतर बनाने में सहायता कर रहा है या नहीं। यदि नहीं, तो तब आप जो कुछ कर रहे हैं उसे बीच में ही बदल सकते हैं और अपने कार्य को और मज़बूत बना सकते हैं।

निगरानी का अर्थ इस बारे में नियमित रूप से जानकारी एकत्र करना है कि आपकी परियोजना का प्रभाव सकारात्मक मिल रहा है या नकारात्मक। इससे जोख़िमों को सीमित करने में, और ऐसी खामियाँ दिखाने में मदद मिलती है जिनपर अपने कार्य की योजना बनाते समय शायद आपका ध्यान नहीं गया था। इससे आपको अपनी पद्धति में या कार्य करने के तरीके में, यहाँ तक कि जो गतिविधियाँ आप कर रहे हैं उनमें कार्य करने के दौरान ही, बदलाव करने का भी अवसर मिलता है, जिससे आप अपने कार्य को, और अंततः अपने प्रभाव को बेहतर बना सकते हैं।

मूल्यांकन आमतौर पर आपकी परियोजना का एक अधिक गहन आंकलन होता है जो आपके द्वारा प्राप्त सफलता का स्तर मापने के लिए किया जाता है। ऐसा परियोजना के बीचोबीच किया जा सकता है, पर आमतौर पर इसे परियोजना के अंत में करते हैं जिसमें किए जा चुके सारे कार्य पर नज़र डाली जाती है और देखा जाता है कि क्या-क्या अच्छे से हुआ और किस-किस चीज में सुधार की ज़रूरत है। आप बदलाव ला रहे हैं, और बदलाव संभव है यह सिद्ध करने के उद्देश्य से, आपके कार्य के लिए प्रमाण एकत्र करना सच में महत्वपूर्ण है। आप प्रभाव डाल रहे हैं यह दिखाने से आपकी आवाज़ को और आपके एडवोकेसी को और मज़बूती देने में, और आपकी बात सुनने के लिए और ज़्यादा लोगों को लाने में मदद मिलती है।

मैं निगरानी और मूल्यांकन करने की जहमत क्यों उठाऊँ?

- निगरानी और मूल्यांकन से आपको यह सिद्ध करने में मदद मिलेगी कि आप बदलाव ला रहे हैं और सफलता हासिल कर रहे हैं।
- निगरानी से आपको अपना कार्य और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी - इससे आप यह समीक्षा कर सकेंगे कि क्या चीज सफल है और क्या नहीं, और आप कार्य करने के अपने तरीके में बदलाव भी कर सकेंगे।

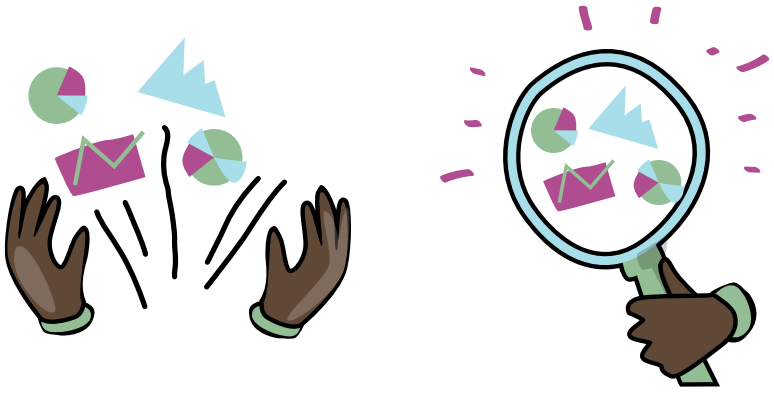

या या

उदाहरण प्रस्तुति : अब एम-एंड-ई का समय है!

निगरानी और मूल्यांकन (एम-एंड-ई) गतिविधियों का एक समूह या एक प्रक्रिया है जिससे आपको अपने प्रभाव का आंकलन करने में और अपनी परियोजनाओं या अपनी सक्रियता से बेहतर नतीजे हासिल करने में मदद मिलती है।

निगरानी का अर्थ इस बारे में नियमित रूप से जानकारी एकत्र करना है कि आपकी परियोजना का प्रभाव सकारात्मक मिल रहा है या नकारात्मक। इससे जोख़िमों को सीमित करने में, और ऐसी खामियाँ दिखाने में मदद मिलती है जिनपर अपने कार्य की योजना बनाते समय शायद आपका ध्यान नहीं गया था।

मूल्यांकन आमतौर पर आपकी परियोजना का एक अधिक गहन आंकलन होता है जो आपके द्वारा प्राप्त सफलता का स्तर मापने के लिए किया जाता है। ऐसा परियोजना के बीचोबीच किया जा सकता है, पर आमतौर पर इसे परियोजना के अंत में करते हैं जिसमें किए जा चुके सभी कार्य पर नज़र डाली जाती है और देखा जाता है कि क्या-क्या अच्छे से हुआ और किस-किस चीज में सुधार की ज़रूरत है।

निगरानी और मूल्यांकन क्यों करें?

- यह समझने के लिए आपकी गतिविधियाँ और संसाधन प्रभावी रहे या नहीं।
- घटित हुईं समस्याओं की पहचान करने और समाधान ढूंढने के लिए।
- यह पता करने के लिए कि गतिविधि की जिस प्रकार से योजना बनाई गई थी वह समस्या को हल करने का सबसे उपयुक्त तरीका था या नहीं, या फिर भविष्य में नियोजन को बेहतर बनाने पर मार्गदर्शन देने के लिए।

याद रखें : कार्यकर्ताओं को हमेशा यह कहने में समर्थ होना चाहिए कि उन्होंने क्या किया, क्यों किया, उसका क्या प्रभाव हुआ, और उन्होंने क्या सीखा।

गतिविधि 5: प्रशिक्षक प्रस्तुति - अपनी जानकारी एकत्र करना

आपकी परियोजना सफल रही या नहीं यह जानने के लिए आप जो जानकारी एकत्र करना चुनते हैं, आवश्यक नहीं कि वह हमेशा औपचारिक ही हो या औपचारिक तरीकों से ही एकत्र की जाए। कभी-कभी व्यक्तिगत दृष्टिकोण और लोगों से उनकी राय या गहरी समझ पूछ लेना मात्र ही जानकारी का सबसे मूल्यवान स्रोत सिद्ध हो जाता है। एक-दूसरे से और परियोजना में शामिल अन्य कर्ताओं से पूछने के लिए उपयोगी प्रश्नों में शामिल हैं :

आंतरिक प्रश्न

- हमने क्या सीखा?
- क्या चीजें अच्छी रहीं? किन चीजों को और बेहतर किया जा सकता था?
- कौनसी युक्तियाँ सबसे सफल रहीं?
- हम किस प्रकार हमारे लक्ष्यों को प्रभावित करने में सफल रहे?
- क्या हमने सभी जोख़िमों का पूर्वानुमान लगा लिया था?

बाहरी प्रश्न - उन लोगों के लिए जिन्हें हमने प्रभावित करने की कोशिश की है

- उनके दृष्टिकोण से क्या चीजें अच्छी रहीं? और क्यों?
- हम किन चीजों को और बेहतर कर सकते थे? कैसे?
- उन्होंने कार्य की संपूर्ण सफलता/प्रभाव को कैसे देखा?

जानकारी के उपयोगी स्रोतों में और अपने कार्य की निगरानी करने के तरीकों में शामिल हैं :

- साधारण सर्वेक्षण
- सांख्यिकी
- मुख्य हितधारकों/स्टेकहोल्डर्स के साक्षात्कार
- मीडिया
- फ़ोकस समूह चर्चाएँ
- परियोजना में शामिल लोगों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें

शीर्ष सुझाव!

- एम-एंड-ई को सरल बनाइए। बहुत समय खाने वाली चीजों से बचिए।
- अत्यधिक जानकारी मत एकत्र कीजिए। आवश्यक चीजों पर टिके रहिए।

या या

उदाहरण प्रस्तुति : एम-एंड-ई के बारे में और जानकारी

- एम-एंड-ई के लिए आप जो जानकारी एकत्र करते हैं, आवश्यक नहीं कि वह हमेशा औपचारिक या जटिल ही हो।
- कभी-कभी हमारे कार्य की निगरानी करने का सबसे अच्छा तरीका होता है प्रश्न पूछना।
- इसे आसान बनाइए - ऐसी विधियाँ चुनिए जिनमें अधिक समय न लगता हो।
- बहुत अधिक जानकारी एकत्र मत कीजिए - विशेष रूप से तब जब आपके पास उसके उपयोग का समय न हो।

(परियोजना के कार्यान्वयन में शामिल लोगों के लिए) आंतरिक प्रश्नों में शामिल हैं :

- हमने क्या सीखा?
- क्या चीजें अच्छी रहीं? किन चीजों को और बेहतर किया जा सकता था?
- कौनसी युक्तियाँ सबसे सफल रहीं?
- हम किस प्रकार हमारे लक्ष्यों को प्रभावित करने में सफल रहे?
- क्या हमने सभी जोख़िमों का पूर्वानुमान लगा लिया था?

बाहरी प्रश्न - उन लोगों के लिए जिन्हें हमने प्रभावित करने की कोशिश की है :

- उनके दृष्टिकोण से क्या चीजें अच्छी रहीं? और क्यों?
- हम किन चीजों को और बेहतर कर सकते थे? कैसे?
- उन्होंने कार्य की संपूर्ण सफलता/प्रभाव को कैसे देखा?

जानकारी के उपयोगी स्रोतों में शामिल हैं :

- साधारण सर्वेक्षण
- सांख्यिकी
- मुख्य हितधारकों/स्टेकहोल्डर्स के साक्षात्कार
- मीडिया
- फ़ोकस समूह चर्चाएँ
- परियोजना में शामिल लोगों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें

गतिविधि 6: समूह कार्य - एम-एंड-ई टेम्प्लेट का उपयोग करना

समूह का परिचय निगरानी और मूल्यांकन टेम्प्लेट (नीचे देखिए) से कराइए और समझाइए कि वे किस प्रकार यह जानकारी टेम्प्लेट में भर सकते हैं। यदि वे मॉड्यूल 3: सत्र 2 में विकसित रणनीति के आधार पर तालिका भरें तो उपयोगी रहेगा। सत्र 2>

समूह को आमंत्रित करने कि वे अपनी पूरी बना ली गई एम-एंड-ई योजनाएँ प्रस्तुत करे और उन्हें साथ मिलकर उन योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए प्रोत्साहित कीजिए। इस बात पर ज़ोर देना न भूलें कि उन्हें :

- समय-खपाऊ विधियों से बचना चाहिए
- केवल आवश्यक जानकारी एकत्र करनी चाहिए।

आपने पहले जो एडवोकेसी रणनीति तैयार की थी वह आपके लिए अपनी गतिविधियों की समीक्षा गढ़ने का मुख्य साधन है। अगला चरण है परिणामों या प्रभाव के बारे में सोचने का। समय-समय पर जानकारी भरकर और व्यवस्थित ढंग से उसकी समीक्षा करके एक बुनियादी एम-एंड-ई टेम्प्लेट का उपयोग कीजिए। आप अपनी एडवोकेसी रणनीति के हिस्से के रूप में पंक्ति 1 से 3 तक पहले ही भर चुके होंगे, अतः अपनी एम-एंड-ई योजना के लिए, अब आपको पंक्ति 4, 5 और 6 पर तथा जोख़िम/धारणाओं पर फ़ोकस करना होगा।

समूह को चर्चा करने और टेम्प्लेट का अधिकतम संभव हिस्सा पूरा करने के लिए 20 मिनट दीजिए। उसके बाद उनके पास, उन्होंने जो भरा है उस पर बात करने के लिए 10 मिनट हैं। एम-एंड-ई पर उनके जो भी विचार या प्रश्न हों उस पर चर्चा के लिए 10 मिनट दीजिए।

एक निगरानी एवं मूल्यांकन टेम्प्लेट

उद्देश्य आप सामूहिक रूप से क्या हासिल करना चाहते हैं? आपके मुख्य लक्ष्य क्या हैं?	गतिविधियाँ/ आउटपुट आप क्या करेंगे? आपके मुख्य आउटपुट क्या हैं?	संसाधन/इनपुट आपको अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद देने के लिए किन ठोस चीजों का होना ज़रूरी है?	आप कैसे मापेंगे कि वह हासिल हुआ या नहीं? आपने अपना लक्ष्य हासिल किया या नहीं यह जानने के लिए आपको कौनसे साधनों (टूल्स), जानकारी के स्रोतों, या संकेतकों को एकत्र करने की ज़रूरत होगी? आप उन्हें कब एवं कैसे एकत्र करेंगे?	इस कम समय में क्या बदलाव हुआ? इस काम समय में आपके आउटपुट और उपलब्धियाँ क्या थे?	लम्बे समय में क्या बदलाव आया? लम्बे समय का स्पष्ट प्रभाव (जैसे, एक वर्ष तक कार्य करने के बाद) क्या था? क्या आपने लम्बे समय में कोई बदलाव देखे हैं?	क्या कोई जोख़िम या अनुमान/धारणाएँ शामिल थे?

गतिविधि 7: खुली चर्चा - अपने अनुभव शेयर करना

इसलिए अपने कार्य के अंत में उसकी निगरानी और मूल्यांकन करना काफ़ी नहीं है - यह भी एक उत्तम परिपाटी है कि आप अपने निष्कर्ष (चाहे सकारात्मक हों या नकारात्मक) दूसरे लोगों के साथ शेयर करें, विशेष रूप से उनसे जिनके साथ आप कार्य करते हैं और जिन्हें आपने अपने कार्य में जोड़ा या शामिल किया है। संपूर्ण समूह से पूछिए कि उनके विचार में वे अपने नेटवर्कों में मौजूद अन्य लोगों - सहयोगियों, समकक्षों/सहकर्मियों, या जिनके साथ वे कार्य करते आ रहे हैं उन लोगों के साथ अपनी सीख और अपने अनुभवों को किस प्रकार शेयर करेंगे। उनसे यह पहचान करने को कहिए कि वे अपनी सीख किन मुख्य लोगों के साथ शेयर करेंगे, उन्हें जो कुछ पता चलता/मिलता है उसे शेयर करने का सबसे अच्छा तरीका क्या होगा, और वे ऐसा क्यों करेंगे/ऐसा करना महत्वपूर्ण क्यों है।

चर्चा के लिए 10 मिनट दीजिए।

गतिविधि 8: प्रशिक्षक प्रस्तुति - ज्ञान शेयर करना

समूह किस प्रकार जानकारी एकत्र कर सकता है और अपने निष्कर्ष या जाँच-परिणाम किस प्रकार शेयर कर सकता है इससे संबंधित सुझावों की निम्नांकित प्रस्तुति के संचालन के लिए 5 मिनट दीजिए।

अगला चरण है आपने जो सीखा और अनुभव किया है उसे सहयोगियों और सहकर्मियों से शेयर करना, विशेष रूप से उनसे जिनके साथ आप कार्य करते आ रहे हैं।आपने जो पाठ और अनुभव सीखे हैं, और जिन विफलताओं और चुनौतियों का अनुभव किया है उन्हें शेयर करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे हर किसी को अपने कार्य को और मज़बूत बनाने में सहायता मिलती है।

आप इनके जरिए पाठ शेयर कर सकते हैं :

- अनौपचारिक चर्चाएँ (जैसे, किसी युवा समूह बैठक में या किसी स्कूल में)।
- ऑनलाइन (ईमेल समूहों, न्यूज़लेटर या फ़ेसबुक समूहों के जरिए)।
- अधिक व्यापक रूप से अन्य गर्ल्स नॉट ब्राइड्स सदस्यों के साथ, जिसके लिए आप गर्ल्स नॉट ब्राइड्स सचिवालय से, या ऐसे ही मुद्दों पर कार्य करने वाले किसी राष्ट्रीय गठबंधनों, जिनमें गर्ल्स नॉट ब्राइड्स की राष्ट्रीय साझेदारियाँ शामिल हैं, से संपर्क कर सकते हैं।
- संक्षिप्त केस अध्ययन में अपने कार्य को दस्तावेज़ीकृत करना।

उदाहरण प्रस्तुति

- ज्ञान और अनुभव शेयर करने से हमारे कार्य को और मज़बूती देने में सहायता मिलती है।
- अपने पाठ अनौपचारिक चर्चाओं (जैसे, किसी युवा समूह बैठक में या किसी स्कूल में) या ऑनलाइन (ईमेल समूह, न्यूज़लेटर या फ़ेसबुक समूहों के जरिए) और अन्य गर्ल्स नॉट ब्राइड्स सदस्यों के साथ अधिक व्यापक रूप से शेयर कीजिए।

गतिविधि 9: चर्चा को निष्कर्ष पर पहुँचाना

बहुत बढ़िया! अब हम प्रशिक्षण के अंत पर पहुंच गए हैं। आपने कर दिखाया। समूह के सामने एम-एंड-ई की मुख्य विचार को दोहराइए, और फिर एक अंतिम समूह अभ्यास करवाइए। अलग-अलग सहभागियों को चुनकर उनसे इन प्रश्नों के उत्तर दिलवाइए :

- निगरानी का क्या अर्थ है?
- एम-एंड-ई महत्वपूर्ण क्यों है?
- इस सत्र में आपने क्या सीखा?
- दूसरों के साथ सीख शेयर करने का एक तरीका बताइए?
- इस प्रशिक्षण के बाद आप क्या चीज अलग ढंग से करेंगे?
- आपने सबसे महत्वपूर्ण चीज क्या सीखी?
- आप अपने कार्य में इस प्रशिक्षण का उपयोग किस प्रकार करेंगे?
- हमारे एडवोकेसी कार्य में हम एक-दूसरे का सहयोग किस प्रकार कर सकते हैं?

उत्तर देने के बदले में पुरस्कार के तौर पर मिठाई दीजिए, और अलग-अलग लोगों से अलग-अलग प्रश्न तब तक पूछते जाइए जब तक समूह के हर व्यक्ति ने एक प्रश्न का उत्तर न दे दिया हो। इस गतिविधि के लिए आपके पास 15 मिनट हैं।

चूंकि यह प्रशिक्षण का अंतिम सत्र है, अतः अपने समूह को एक बढ़िया कार्य कर दिखाने के लिए, और इस प्रशिक्षण को सफल बनाने के लिए उन्होंने जो भी कुछ किया है उस सब के लिए, बधाई दीजिए! एक सौजन्य के तौर पर, आप प्रशिक्षण पूरा करने पर सभी को एक प्रमाणपत्र देकर यह जता सकते हैं कि उसने 'बढ़िया काम किया'।

प्रशिक्षण का समग्र निष्कर्ष

बधाई हो!

अब आप अपना प्रशिक्षण पूरा कर चुके हैं। आपकी कड़ी मेहनत के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई - और हम आशा करते हैं कि यह एक बहुत सफल प्रक्रिया थी। सबसे महत्वपूर्ण बात, हम आशा करते हैं कि आप जिन युवाओं के साथ कार्य कर रहे हैं उन्हें इन सत्रों में मज़ा आया होगा, उन्होंने प्रशिक्षण से चीजें सीखी होंगी, और अब वे बदलाव के समर्थन में अपने कार्य को करने में सशक्त महसूस करेंगे।

हम यह पुरज़ोर सिफ़ारिश करते हैं कि आप जिन युवाओं के साथ कार्य करते आ रहे हैं उनके साथ अपने प्रशिक्षण के अंत में एक मूल्यांकन करें। इस चरण को पूरा करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको इस बात का अनुमान मिलेगा कि सहभागियों ने प्रशिक्षण को किस प्रकार महत्व दिया है, या क्या कुछ सत्र ऐसे थे जिनके लिए अनुवर्तन (फ़ॉलो-अप) की ज़रूरत है। अपने समूह से कौनसे प्रश्न पूछना उपयोगी रहेगा इस बारे में आपकी मदद करने के लिए हमने नीचे एक उदाहरण मूल्यांकन फ़ॉर्म दिया है। प्रशिक्षण के अंत में उनसे इसे, या इस जैसे किसी फ़ॉर्म को भरवाइए। यदि वे चाहें तो बेनामी ढंग से इसे भर सकते हैं, पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको इस बात का एक अनुमान मिल जाए कि उन्हें प्रशिक्षण के बारे में कैसा लगा और उन्होंने अपने कार्य में उसे किस प्रकार प्रयोग करने का सोचा है।

हमारा यह सुझाव भी है कि आप कुछ महीनों में, प्रशिक्षण वाले समान समूह के साथ अनुवर्तन (फ़ॉलो-अप) करके यह जाँचें कि वे कैसा कार्य कर रहे हैं, उनका कार्य कैसा चल रहा है, और प्रशिक्षण में उन्होंने जो जानकारी सीखी उसका उन्होंने अपने कार्य में किस प्रकार उपयोग किया है - या उपयोग किया भी है या नहीं। इसे ट्रैक करना और इसका अनुवर्तन (फ़ॉलो-अप) करना इन दो तरह से उपयोगी होता है - (1) इससे आपको इस बात का एक अनुमान मिल जाता है कि उन्होंने कौनसे कौशल प्रयोग किए हैं या उन्हें किन कौशलों से सर्वाधिक लाभ हुआ है, और, (2) यह देखने के लिए कि जो भी नए कौशल या नई जानकारी उन्हें मिली थी उसे, बाल विवाह ख़त्म करने के अपने कार्य में उन्होंने किस प्रकार व्यावहारिक रूप से शामिल किया है।

हम आपके कमाल के कार्य के लिए आप सभी को शुभकामनाएँ देते हैं। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया जहाँ हर बच्चा वह भविष्य चुन सकता हो जो वह अपने लिए चाहता है, और जहाँ सभी युवाओं के पास अन्याय और असमानता के विरुद्ध बोलने के लिए एक शक्तिशाली आवाज़ हो, का हमारा साझा विज़न हासिल कर सकते हैं। साथ मिलकर हम बाल विवाह ख़त्म कर सकते हैं।

धन्यवाद!

मूल्यांकन फ़ॉर्म : उठो, अपनी आवाज़ उठाओ! प्रशिक्षण

नाम (वैकल्पिक)

उम्र जेंडर

संगठन

देश

कुल मिलाकर, आप युवा सक्रियता प्रशिक्षण को क्या रेटिंग देंगे?

कृपया अपनी राय को 1 (ख़राब) से 5 (उम्दा) के बीच रेटिंग दीजिए।

कृपया तालिका पर चिह्नित कीजिए कि प्रत्येक कथन के लिए आपके ज्ञान का स्तर क्या है।

	बिल्कुल नहीं	थोड़ा	अधिकतर	निश्चित रूप से।
मैं समझा सकता/ती हूँ कि बाल विवाह क्या है, इसके क्या कारण हैं, और इसकी रोकथाम कैसे की जा सकती है।				
मैं समझता/ती हूँ कि मेरे एडवोकेसी कार्य के लिए एक सरल और स्पष्ट रणनीति कैसे बनाते हैं।				
मैं समझता/ती हूँ कि नेटवर्क कैसे बनाते हैं और अपने एडवोकेसी लक्ष्यों को कैसे प्रभावित करते हैं।				
मैं समझता/ती हूँ कि अपने कार्य का मूल्यांकन कैसे करते हैं, और क्या प्रभाव हासिल हुआ इसका आंकलन कैसे करते हैं।				

आपको कौन सा सत्र सबसे उपयोगी लगा? क्यों?

आपके विचार में किस सत्र पर और कार्य करने की या उसमें सुधार करने की ज़रूरत है? क्यों?

आपने प्रशिक्षण में जो कुछ सीखा उसे आप भविष्य में अपने कार्य/अपने जीवन में किस प्रकार प्रयोग करने जा रहे हैं? अधिकतम संभव विशिष्टता से बताइए।

क्या आपको प्रशिक्षकों के बारे में कोई अन्य फ़ीडबैक देना है?

इस कार्यशाला में आपने जो कुछ सीखा है उसके उपयोग में सक्षम बनने के लिए आपको क्या सहयोग चाहिए?

Girls Not Brides is a global partnership of over 1000 civil society organisations from more than 95 countries committed to ending child marriage and enabling girls to fulfil their potential.

GIRLS NOT BRIDES

The Global Partnership to End Child Marriage

Published in August 2019 by
Girls Not Brides
Seventh Floor
65 Leadenhall Street
London, EC3A 2AD
United Kingdom

T: 0203 725 5858
F: 0207 603 7811

www.GirlsNotBrides.org
info@GirlsNotBrides.org
www.facebook.com/GirlsNotBrides

Girls Not Brides is a company limited by guarantee (Reg. No. 8570751) and a registered charity in England and Wales (Reg. No. 1154230)